हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

शिव के सम्मुख साधना का महा संकल्प

एक माह की निराहार, अनवरत शिव आराधना में लीन स्वामी कैलाशानंद गिरि

अनुभव वृतांत
डॉ. हिमांशु द्विवेदी

श्रावण मास में शिव आराधना भारतीय पौराणिक और आध्यात्मिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा रही है। इस महीने देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है, कोई शिवलिंग पर जल चढ़ाता है, कोई दुग्धाभिषेक करता है, कोई बेलपत्र अर्पित करता है तो कोई शिव नाम का जाप करता है। शिव भक्तों की कांवड़ यात्रा भी इस माह की अद्भुत पहचान है। ईश्वर को प्रसन्न करने के श्रद्धालुओं का अपने सामर्थ्य और समझ के साथ प्रयास रहता है। भारतीय परंपरा में तो ऐसे साधकों की अनेक कथाएँ भी हमने सुनी और पढ़ी हैं, जिनकी तपस्या और साधना ईश्वर को भी बाध्य कर देती हैं। अपनी भक्ति की शक्ति से भगवान को जीत लेती है साधकों.की यह साधना। ध्रुव, प्रह्लाद ,नचिकेता, मार्कण्डेय जैसे साधकों की कथाओं के बीच ही हम पले-बड़े हैं, लेकिन यह प्रसंग मुख्यतः सतयुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग से जुड़े हैं। कलियुग के संदर्भ में आम धारणा ▶▶| शेष पेज 6 पर

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹119442/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹145879/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹159240/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
anand jewels
Pandri, Raipur

अब सोसाइटी प्रबंधक कीमत देंगे या धान, नहीं तो कार्रवाई तय

सोसाइटियों में 68 हजार टन धान शार्टेज कांकेर, बस्तर में सबसे ज्यादा कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

खास बात ये है कि धान में सबसे अधिक कमी कांकेर, बस्तर, राजनांदगांव, गरियाबंद,, बालोद जिले में सामने आई है। जिन सोसाइटियों में धान में कमी आई है अब वहां के धान खरीदी प्रभारी या प्रबंधक को धान की कीमत देनी होगी या कम हुए धान की मात्रा जमा करानी होगी। नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी तय है। धान में यह कमी सूखत या धान की किसी भी प्रकार से बरबादी की वजह से आई है,ऐसा बताया गया है।

राज्य में पिछले खरीफ सीजन में 141 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। राज्य के 2740 केंद्रों में ▶▶| शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में पिछले खरीफ सीजन 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान में से करीब साढ़े 68 हजार टन का शार्टेज यानी कमी पाई गई है।

कांकेर में सबसे अधिक कई जिलों में शून्य शॉर्टेज

33 जिलों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कांकेर में सबसे अधिक 13,436 टन धान शेष है। इसके बाद बस्तर (4,739 टन), राजनांदांव (4,825 टन), गरियाबंद (4,424 टन), बालोद (4,248 टन), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (3,906 टन), कवर्धा (3,838 टन) और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (3,467 टन) का स्थान है। सबसे कम शॉर्टेज ▶▶| शेष पेज 6 पर

33 जिलों की तस्वीर

प्रदेश के 33 जिलों में से 7 जिलों में शॉर्टेज शून्य है, जबकि शेष 26 जिलों में किसी न किसी स्तर पर धान की कमी दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि शॉर्टेज कुछ चुनिंदा जिलों में अधिक केंद्रित है, जबकि अधिकांश जिलों में यह कुछ सौ टन से लेकर कुछ हजार टन तक सीमित है। पूरे प्रदेश में उपार्जन केंद्रों में शेष धान का कुल आंकड़ा 68,491 टन है, जिसे विभाग सोसाइटियों में दर्ज कमी के रूप में देख रहा है।

छह अफसरों के तबादले, दीप्ति पीएससी की परीक्षा नियंत्रक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के आधा दर्जन अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की उपसचिव ऋतु वर्मा को पीएससी के परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया है। वहीं दीप्ति गौते को नया परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को तबादला आदेश जारी किया।

अंबिकापुर नगर निगम के आयुक्त देवनारायण कश्यप को मंत्रालय में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का उपसचिव बनाया गया है। वहीं नारायणपुर जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार अग्रवाल को अंबिकापुर नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है। कोंडागांव के अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर को जिला पंचायत नारायणपुर का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। बेमेतरा के अपर कलेक्टर गुड्डू लाल जगत को ▶▶| शेष पेज 6 पर

अद्भुत... आराध्य के अभिषेक का साक्षी बनने नंदी का आगमन

"यह दृश्य अपने आप में अद्भुत और भावविभोर कर देने वाला होता है-जब एक ओर महादेव का अभिषेक चल रहा हो और उसी क्षण अचानक नंदी का पूजा स्थल पर आगमन हो जाए। जिस सहज भाव से नंदी वहाँ आते हैं, कुछ क्षण ठहरते हैं और फिर महादेव के सामने बैठ जाते हैं, वह दृश्य श्रद्धालुओं के मन को भीतर तक छू जाता है। ऐसा लगता है मानो नंदी स्वयं अपने आराध्य महादेव के अभिषेक के साक्षी बनने चले आए हों। उस क्षण वातावरण में आस्था और भक्ति का जो भाव पैदा होता है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है।"

खबर संक्षेप

पुलित्जर विजेता स्लावा का निधन

सैकरामेंटो। पुलित्जर पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर स्लावा साल वेडर का 99 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह उस ऐतिहासिक तस्वीर के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते थे, जिसमें वियतनाम के युद्धबंदी शिविर में पांच साल बिताने के बाद अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट कर्नल रॉबर्ट एल. स्टर्म अपने परिवार से खुशी से मिलते नजर आए थे।

ऑनलाइन महादेव बैटिंग एप डीजीजीआई ने कसा शिकंजा, भेजा 40 हजार करोड़ का जीएसटी नोटिस

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) के जोनल कार्यालय रायपुर ने महादेव सट्टा एप के प्रमोटरों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए 40 हजार 603 करोड़ रुपए से अधिक के जीएसटी की मांग की है। एक लाख 45 हजार करोड़ रुपए के टैक्सपेयेबल कारोबार की जांच के बाद डीजीजीआई के संयुक्त निदेशक शिवी सांगवान ने नोटिस भेजा है। बुधवार को जारी किए गए नोटिस में कुल 97 लोगों को पक्षकार बनाया गया है।

डीजीजीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, महादेव बुक के कारोबार की जांच करने के बाद पैमाना चौंकाने वाला सामने आया है। एक अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2024 के दौरान इससे जुड़ी करयोग्य आपूर्ति करीब 1.45 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है और मामले में 40 हजार 603 करोड़ से अधिक जीएसटी की मांग प्रस्तावित की गई है। महादेव बुक के संस्थापक एवं मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के साथ उनके प्रमुख सहयोगी रवि उप्पल और नेटवर्क से जुड़े दर्जनों अन्य लोगों को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया है।

नोटिस के मुताबिक, 1 अप्रैल 2020 से 30 सितंबर 2023 तक की अवधि के लिए करीब 35 हजार 517.22 करोड़ की जीएसटी मांग प्रस्तावित है। इसके बाद 1 अक्टूबर 2023 से 31 मार्च 2024 तक की अवधि में 5 हजार 85.80 करोड़ की मांग सामने रखी गई है। दोनों

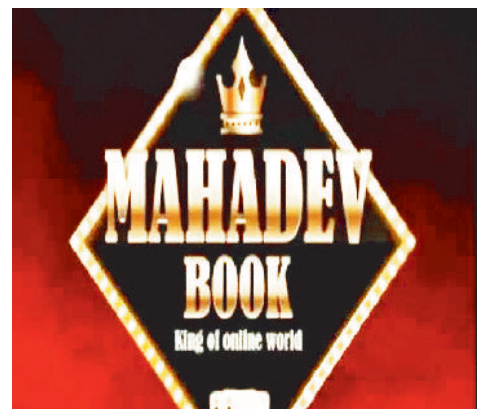

अवधियों को मिलाकर रकम 40 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंचती है।

जांच में महादेव बुक के संचालन का बड़ा नेटवर्क सामने आने का दावा किया गया है। इसके लिए करीब दो हजार पैनल संचालित किए जाते थे। प्रत्येक पैनल पर रोजाना औसतन 5 से 10 लाख रुपए तक का लेनदेन होने की बात जांच में सामने आई। पूरे नेटवर्क में प्रतिदिन करीब 99 करोड़ रुपए तक जमा होने का अनुमान लगाया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार इस नेटवर्क से होने वाले मुनाफे का बड़ा हिस्सा ऊपर तक पहुंचता था। करीब 70 से 80 प्रतिशत मुनाफा हेड ऑफिस तक भेजे जाने की बात सामने आई है। इससे नेटवर्क के संचालन और रकम के प्रवाह को लेकर जांच का दायरा और बड़ा हो गया। डीजीजीआई ने दो नोटिस जारी कर 97 लोगों से जवाब मांगा है। पहले नोटिस में 66 और दूसरे में 31 लोगों को पक्षकार बनाया गया है। विभाग ने कार्रवाई को सिर्फ कथित मुख्य प्रमोटरों तक सीमित नहीं रखा है। नेटवर्क से जुड़े ऑपरेटर और सहयोगी भी टैक्स कार्रवाई के घेरे में आ गए हैं

गेम्सक्रॉफ्ट फैसले का सहारा

डीजीजीआई ने कानूनी कार्रवाई के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के गेम्सक्रॉफ्ट फैसले का भी उल्लेख किया है। इस फैसले को पुराने ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग लेनदेन के वैल्यूएशन तथा टैक्स निर्धारण से जुड़ी विभागीय कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। इसी कानूनी आधार पर पुरानी लेनदेन को भी जीएसटी जांच के दायरे में लिया गया है।

प्रदेश संगठन ने की प्रभार वाले जिलों के दो माह के काम की पूरी समीक्षा

मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड जाएगा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन को, भविष्य पर होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

भाजपा के प्रदेश संगठन ने प्रदेश के मंत्रियों का पूरा रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। इसको अब राष्ट्रीय संगठन को भेजा जाएगा। राष्ट्रीय संगठन ही अब प्रदेश के मंत्रियों के भविष्य का फैसला करेगा। प्रदेश संगठन ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में दो दिनों तक प्रदेश के मंत्रियों को बुलाकर उनके प्रभार वाले जिलों के कामकाज की पूरी समीक्षा की है। यह समीक्षा करने का बड़ा कारण यह है कि मंत्रियों को दो माह पहले ही दो माह का समय दिया गया था कि वे अपने प्रभार वाले जिलों में जनता के हित वाले कामों को प्राथमिकता से करें और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जनता में असंतोष न हो।

दो माह पहले जून में मुख्यमंत्री निवास में एक बड़ी बैठक की गई थी। यह बैठक राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर हुई थी। इस बैठक में अचानक सभी मंत्रियों को तलब किया गया था। इस बैठक में प्रदेश संगठन की तरफ से क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय शामिल हुए थे। तब प्रदेश के सभी मंत्रियों को दो माह का समय अपने काम-काज को

ठीक करने के लिए दिया गया था।

दो माह के तय समय के बाद अब प्रदेश संगठन ने दो दिनों तक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश के 33 जिलों की समीक्षा की। इसमें प्रदेश के मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों को लेकर उनसे जवाब-तलब किया गया। इसी के साथ बैठक में जिलाध्यक्ष, जिलों के प्रभारी, विधायक और सांसदों को भी बुलाया गया। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने प्रभारी मंत्रियों के साथ ही जिलाध्यक्षों, जिलों के प्रभारियों और विधायकों, सांसदों से भी जिलों को लेकर पूरी जानकारी ली कि किस जिले में क्या चल रहा है। प्रभारी मंत्री बैठक ले रहे हैं या नहीं ले रहे हैं। प्रभारी मंत्रियों का काम कैसा है। प्रभारी मंत्रियों का जिलाध्यक्षों, जिलों के प्रभारियों, विधायकों और सांसदों के साथ संवाद होता है या नहीं। जनता के हित वाले काम हो रहे हैं या नहीं हो रहे हैं। ऐसे में कई मंत्रियों को लेकर बहुत सी शिकायतें संगठन के सामने आई है। मंत्रियों से भी पूछा गया, वे अपने वाले जिलों में कितनी बार गए हैं। कितनी बार अधिकारियों के साथ बैठक की है। कितने काम हुए हैं, कितने काम पेंडिंग है। जानकारों के मुताबिक दो दिनों की बैठक के बाद अब एक-एक मंत्री के उनके प्रभार वाले जिलों की काम-काज की पूरी रिपोर्ट तैयार करके राष्ट्रीय संगठन को भेजी जाएगी। इसके बाद राष्ट्रीय संगठन तय करेगा कि आगे क्या करना है।

मंत्रियों को निर्देश जनता का काम होना चाहिए

दो दिनों की बैठक में मंत्रियों से साफ कहा गया है हर हाल में आपके प्रभार वाले जिलों की जनता का काम होना चाहिए। काम को लेकर यह बात सामने नहीं आनी चाहिए कि अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं। अधिकारियों से काम करवाने की जिम्मेदारी आपकी है।

कृषि विवि ने रद्द की तीसरी परीक्षा, लीक होने की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विवि ने एक और प्रश्नपत्र निरस्त कर दिया है। यह परीक्षा जेनेटिक्स के मूल सिद्धांत की है, जो 19 अगस्त को आयोजित की गई थी। मामला बीएससी कृषि प्रथम वर्ष का है। विवि ने जारी आदेश में छात्रों को सूचित करते हुए कहा है कि 19 अगस्त को आयोजित जेनेटिक्स के मूल सिद्धांत की परीक्षा प्रशासनिक कारणों से निरस्त कर दी गई है।

यह परीक्षा सितंबर के दूसरे सप्ताह में दोबारा आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से विश्वविद्यालय की आधिकारिक अधिसूचनाओं को देखते रहें और परीक्षा की संशोधित समय-सारणी (शेड्यूल) के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने संबंधित कॉलेज अथवा डीन कार्यालय के संपर्क में रहें। सभी महाविद्यालयों को भी यह खत प्रेषित कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विवि प्रबंधन ने बुधवार को अवकाश के दिन ही आपातकालीन बैठक बुलाई थी। विवि द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी ने अपने स्तर पर मामले की जांच करने के बाद तेलीबांधा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह प्रश्नपपत्र भी भारतीय कृषि महाविद्यालय दुर्ग से लीक होने की बात सामने आ रही है। इस विषय की परीक्षा में भी प्रश्नपत्र के लिफाफे में छेद करके अंदर एंडोस्कोपी कैमरा डाला गया और सवाल स्कैन किए गए।

सेंट्रल पूल के लिए छत्तीसगढ़ से चावल लेने का नया लक्ष्य हो सकता है तय, 1 सितंबर को देशभर के खाद्य सचिवों की बैठक

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ से खरीफ सीजन 2026-27 के लिए सेंट्रल पूल के लिए कितना चावल लिया जाएगा, इसका फैसला 1 सितंबर को दिल्ली में आयोजित देशभर के खाद्य सचिवों की बैठक में होने की संभावना है। बैठक में नई धान खरीदी और खरीदी का लक्ष्य तय करने जैसे अहम मुद्दों पर बात होगी। बैठक में छत्तीसगढ़ की खाद्य सचिव भी शामिल होंगी।

छत्तीसगढ़ से सेंट्रल पूल के लिए नए सीजन में कितना चावल लिया जाएगा, यह एक अहम मुद्दा है। दरअसल राज्य में अतिशेष चावल की मात्रा हर साल बढ़ रही है, सेंट्रल और राज्य पूल में चावल दिए जाने के बाद अतिशेष चावल राज्य सरकार को खुले बाजार में बेचना पड़ता है, इसकी वजह से राज्य सरकार को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। जानकार सूत्रों की मानें तो खाद्य सचिवों की बैठक में राज्य की ओर से सेंट्रल पूल के लिए अधिक मात्रा में चावल लिए जाने पर चर्चा होगी।

- दिल्ली की बैठक में खाद्य सचिव होंगी शामिल

राज्य से अरवा और उसना चावल लेने का मामला भी है, इसके साथ ही सेंट्रल पूल के लिए दिए जाने वाले चावल के लिए रैक उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा भी होगा। रैक न मिलने के कारण मिलर चावल जमा नहीं करा पा रहे हैं। खाद्य सचिवों की बैठक में राज्य से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लक्ष्य तय करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होनी है। राज्य में हालांकि पिछले सीजन में लक्ष्य से कुछ कम धान खरीदा जा सका था, लेकिन नया लक्ष्य अधिक खरीदी का हो सकता है। हालांकि बैठक में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आने वाले धान के उत्पादन अनुमानों पर चर्चा की जाती है और सेंट्रल पूल के लिए चावल का कुल राष्ट्रीय लक्ष्य (टारगेट) तय किया जाता है। इसके साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य खरीदी का भुगतान, किसानों को बिना किसी परेशानी के सीधे और पारदर्शी तरीके से एमएसपी का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा होगी। राज्य सरकारें केंद्र को अपनी मिलिंग क्षमता, बारदाने (जूट बैग) की उपलब्धता और भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में कस्टम-मिल्ड राइस जमा कराने की अपनी सीमाओं व जरूरतों से अवगत कराया जाएगा।

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। नौकरी-व्यवसाय में नए अवसर आ सकते हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष — आर्थिक स्थिति आज मजबूत बनेगी। पुराने लंबित कार्य पूरे होने के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा। सोच-समझकर महत्वपूर्ण निर्णय लें, जल्दबाजी से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आज भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्य में सावधानी बरतें, छोटी-छोटी गलतियों से बचें। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलेगा, जो आपको बल देगा।

सिंह — मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सिंह राशि में चंद्रमा होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी। नौकरी में लाभ के योग हैं । धन लाभ संभव है।

कन्या — मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्य में व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन परिणाम संतोषजनक रहेंगे। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

तुला — रिश्तों में मधुरता आएगी। धन लाभ के अच्छे संकेत हैं। साझेदारी या पार्टनरशिप में सफलता मिलेगी। यात्रा संभव है, जो मनोरंजक साबित होगी।

वृश्चिक — शत्रुओं या विरोधियों से सावधान रहें। धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्य में सफलता मिलेगी, लेकिन मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी।

धनु — यात्रा के योग बन रहे हैं, जो फायदेमंद साबित हो सकती है। नए कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर — जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। बड़े फैसले सोच-समझकर लें।

कुंभ — नई योजनाएं आज सफल होंगी। आर्थिक लाभ संभव है। कार्य में प्रगति होगी। मन प्रसन्न रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन — मन शांत और प्रसन्न रहेगा।धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। धन लाभ के योग हैं। यात्रा संभव है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

स्कूल सफाईकर्मियों का अल्टीमेटम- 30 सितंबर तक मांगें पूरी करें, नहीं तो 2 अक्टूबर से हड़ताल

रायपुर। प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में कार्यरत स्कूल सफाई कर्मचारियों ने अपने लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने और सम्मानजनक मानदेय सहित अन्य लंबित मांगों को पूरा करने स्कूल सफाई कर्मचारियों ने शासन को 30 सितंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेशभर के 43 हजार से अधिक स्कूल सफाई कर्मचारी काम ठप कर 2 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर जाएंगे। स्कूल सफाई कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में राजधानी रायपुर में रखी गई है, जिसमें आंदोलन के संबंध में रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में डेढ़ दशक से कार्यरत 43301 अंशकालीन सफाई कर्मचारियों ने कलेक्टोरेट दर पर सम्मानजनक वेतन दिए जाने और अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है।स्कूल सफाई कर्मचारियों का कहना है कि लंबे अरसे से वे बहुत कम मानदेय पर काम करते आ रहे हैं, बढ़ती महंगाई में इतने कम मानदेय पर उनका गुजारा मुश्किल हो रहा है। ऐसे में उन्हें अंशकालीन सफाई कर्मचारी की जगह पूर्णकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी का दर्जा देते हुए कलेक्टर दर पर सम्मानजनक मानदेय दिया जाना चाहिए।

शब्द पहेली - 6330

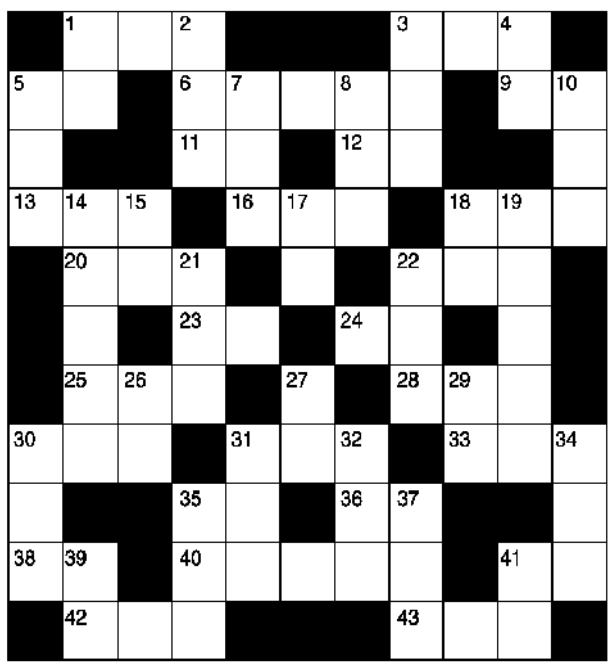

बाएँ से दाए-
1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त,मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -6329 का हल

क	म	ला	का	र	■	■	कु	रा	न
आ	न	■	र	■	कै	ला	श	■	म	ला
बा	■	■	खा	बिं	द	■	ल	■	■	य
च	म	क	ना	■	■	त	■	क	स	क
क	■	था	■	क	ल	क	ल	■	ली	■
■	आ	स	■	ल	■	रा	■	शा	म	■
■	रा	■	क	र	ता	र	■	म	■	ख
श	म	न	■	व	■	■	म	त	ल	ब
ह	■	■	म	■	दा	म	न	■	■	र
र	ध	■	ग	र	म	■	च	■	दा	दा
■	ल	की	र	■	■	स	ली	के	दा	र

सूडोकु नवताल 6340

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6339 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बहन का जीवन और परिवार की लौटी खुशियां

भाई ने किडनी देकर भरोसे को अटूट रखा

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

पिछली बार राखी बंधवाने के दौरान बहन प्राची को दिए गए रक्षा के वचन को भाई कौशलेन्द्र ने पूरा कर दिखाया। कुछ समय पहले प्राची की दोनों किडनी फेल हो गई थी और उसका जीवन डायलिसिस के भरोसे हो गया था। स्वस्थ्य जीवन के लिए प्रत्यारोपण ही एकमात्र विकल्प रह गया था। बेटी की खातिर माता-पिता अपनी किडनी देने को तैयार थे मगर जांच में मैच नहीं हो पाए। तब कौशलेन्द्र ▶▶|शेष पेज 6 पर

भाई-बहन में विशेष स्नेह

पिता बृजेश ने बताया कि वैसे तो पूरा परिवार का प्राची से लगाव है मगर बड़ा भाई कौशलेन्द्र का उससे विशेष स्नेह है। भाई-बहन एक-दूसरे की जरूरतों और पसंद-नापसंद का विशेष ध्यान रखते हैं। प्रार्ची की तबीयत जब से ▶▶|शेष पेज 6 पर

भाई-बहनों के अटूट प्रेम की आंकड़ों में देखिए एक बानगी ...

वर्ष 2022:- एक ने दूसरी बहन तथा 3 बहनों ने अपने भाइयों को किडनी के रूप में नया जीवन दिया।

वर्ष 2023:- दो भाइयों ने अपने भाइयों के जीवन की रक्षा की, वही 5 बहनों से भाइयों को किडनी देकर अपना फर्ज निभाया।

वर्ष 2024:- एक बहन ने अपने भाई को लिवर तथा तीन ने किडनी देकर स्वस्थ जिंदगी का उपहार दिया।

वर्ष 2025:- एक भाई ने दूसरे को और 2 बहनों ने अपने भाई को किडनी के रूप में नया जीवन प्रदान किया।

वर्ष 2026:- एक भाई ने भाई और 2 बहनों ने अपने भाईयों तथा एक भाई ने बहन को किडनी देकर रक्षा करने का वादा निभाया।

रक्षाबंधन आज

ऐसा है मुहूर्त

मुख्य शुभ समय : सुबह 05:57 बजे से सुबह 09:48 बजे तक

लाभ और अमृत चौघड़िया: सुबह 07:33 बजे से 09:48 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 11:56 बजे से दोपहर 12:50 बजे तक

प्रतिबंधित समय

रायपुर के स्थानीय समयानुसार, राहुकाल सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ होगा, जो दोपहर 12 बजे से थोड़ा पहले समाप्त होगा। राहुकाल में शुभ कार्य वर्जित होता है। ऐसे में इस दौरान राखी बांधने से बचना चाहिए।

संकल्प था....निभाया मुसीबत थी....बचाया

स्नेह से भीगा धागा भले ही कच्चा हो, पर उस पर चढ़ा भरोसे का रंग पक्का होता है। भाई-बहन का रिश्ता महज भावनात्मक नहीं होता, और न ही रक्षाबंधन सिर्फ कलाई सजाने का पर्व है। यह उस भरोसे और संकल्प का दिन है, जिसमें भाई और बहन एक-दूसरे की रक्षा करने और ताकत बनने का अघोषित, मौन वादा करते हैं। छत्तीसगढ़ में ऐसी कई मिसालें हैं, जब भाई ने अपनी जान दांव पर लगाकर बहन के जीवन की रक्षा की या बहन ने भाई को बचाया। मुश्किल वक्त में साथ खड़े भाई-बहनों ने बताया कि उनकी असली ताकत वही भरोसा है, जो संकल्प के रूप में हर साल रक्षाबंधन पर दोहराया जाता है। रक्षाबंधन पर जानिए कुछ ऐसे ही भाई-बहनों की दिल छू लेने वाली रियल स्टोरी-

250 नक्सलियों ने घेरा, भाई को लगी पांच गोलियां, बहन ने पीठ पर लादकर 500 मीटर तक दौड़ लगाई और बचा ली जान

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

रक्षाबंधन विशेष

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन में हम आज एक ऐसी बहन की बात कर रहे हैं, जिसने अदम्य साहस व सूझबूझ का परिचय देते हुए घर में घुसे नक्सलियों की परवाह न करते हुए घायल भाई को बचा लिया। भाई को पांच गोलियां लगी थी, जिसे कंधे पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

गोलियों के बौछार के बीच नक्सलियों के चंगुल से भाई अभिजीत को बचाने में कामयाब रही अंजलि

बहन का हौसला, गन की ताकत पर पड़ा भारी

अंजलि की सूझबूझ और बहादुरी की वजह से तुरंत घायल अभिजीत को पहले दंतेवाड़ा अस्पताल और फिर वहां से तुरंत एयरलिफ्ट कर रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने कहा कि अगर अंजलि समय पर भाई को वहां से न निकालती तो अत्यधिक खून बहने से अभिजीत की जान चली जाती। लगभग दो माह उपचार के बाद अभिजीत पूरी तरह ठीक होकर घर लौटा।

बस्तर की फिजा में गूंज रही यह कहानी

अभिजीत ने कहा कि उस समय दीदी नहीं होती तो आज वह नहीं होता। अंजलि ने यमराज के हाथों से अपने भाई को छीन लिया था। वर्ष 2010 में उसे राज्य वीरता पुरस्कार तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने वर्ष 2011 में अंजलि को इस वीरता के लिए सर्वोच्च 'राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार' (बापू गायधानी अवार्ड) से नवाजा तो उन्होंने भी इस नन्ही बच्ची की पीठ थपथपाई। ▶▶|शेष पेज 6 पर

पति इस फैसले में बाधा नहीं बने बल्कि साथ लेकर वेल्लूर पहुंचे थे

कोरोना काल में बीमारी से चल बसा भाई

भाई की जान बचाने दो बच्चों की मां ने दान की थी अपनी किडनी

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

यह कहानी हमें सिखाती है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ एक धागे तक सीमित नहीं है। यह बिना किसी शर्त के एक-दूसरे के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का नाम है। बिलासपुर के कश्यप कालोनी निवासी श्रीमती ऊषा चौबे जैसी बहनें समाज के लिए प्रेरणा हैं, जो अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ मानवीय रिश्तों के मर्म को भी दर्शाती हैं। भाई की जान बचाने के लिए 28 साल पहले उन्होंने अपनी एक किडनी दान की थी, लेकिन इतने बड़े त्याग के बावजूद कोरोना काल में उनकी जान चली ▶▶|शेष पेज 6 पर

27 साल बाद भी पूरी तरह स्वस्थ

श्रीमती उषा चौबे बताती हैं कि उन्हें कभी किसी भी तरह की स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत नहीं हुई। अभी वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं और नियमित दिनचर्या जीतीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपने भैया की उस समय जान ▶▶|शेष पेज 6 पर

छोटी उम्र, बड़ा साहस

तीन साल के भाई को बचाने आग में कूद गई छह साल की बहन

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

रक्षाबंधन पर्व को भाई-बहन के पवित्र प्रेम, अटूट विश्वास और सुरक्षा के संकल्प के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन न केवल भाई अपनी बहन से कलाई पर राखी बंधवाकर उसकी जिंदगी भर उसकी रक्षा एवं खुश रखने का संकल्प लेता है, बल्कि बहन भी अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर हमेशा भाई की लंबी उम्र की कामना करती है। इस संकल्प को छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक छोटे से गांव बिरेझरभाठा, अंजोरा में रहने वाली चुनेश्वरी कोठलिया ने 6 साल की उम्र में निभाया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

वीरता पुरस्कार से पुरस्कृत चुनेश्वरी कर रही मजदूरी

अपने छोटे भाई की जान बचाने के लिए नई दिल्ली में राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के हाथों वर्ष 2004 में वीरता पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी चुनेश्वरी ने बताया कि उसका परिवार मजदूर वर्ग से है।

एक और झील टूटने का खतरा, चीन ने दी चेतावनी, कहा- अगले 72 घंटे अहम

अब तक 359 की 'जलसमाधि' रायपुर की मोनिका भी लापता

नेपाल में भीषण बाढ़ से भारी तबाही देखने को मिली। इस विनाशकारी जलप्रलय में अब तक करीब 359 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 288 भारतीय समेत 1500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। भीषण बाढ़ से मची तबाही के बीच एक और बड़े खतरे की चेतावनी सामने आई है। सैटेलाइट तस्वीरों में बाढ़ वाले इलाके के ऊपरी हिस्से में तीन बड़ी ग्लेशियर झीलें दिखाई दी हैं, जिससे फिर बाढ़ आने का ओनुमान जताया जा रहा है।

थम गया बाढ़ और छोड़ गया तबाही के निशान

288 भारतीयों समेत **1500** की तलाश

नेपाल सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां बचाव और राहत कार्य में जुटीं

नेपाल में अगले तीन दिन और हो सकते हैं बेहद **खतरनाक**

एजेंसी ▶▶| काठमांडू/नई दिल्ली

नेपाल में बचाव दलों ने प्रभावित जिलों से शवों को बरामद किया, जिसके बाद मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ। तिब्बत से अचानक आयी भीषण बाढ़ ने बुधवार को मध्य नेपाल के कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। बाढ़ के तेज बहाव में महत्वपूर्ण पुल बह गए और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं ठप हो गईं। बाढ़ का पानी कई जिलों में फैल गया। नेपाल सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां रसुवा, धादिंग, नुवाकोट और चितवन समेत बाढ़ प्रभावित जिलों में खोज एवं बचाव अभियान चला रही हैं। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता अभि नारायण काफले के अनुसार, चितवन जिले से सबसे अधिक 132 शव बरामद किए गए हैं। बाढ़ रसुवा और अन्य जिलों से होते हुए त्रिशूली और नारायणी नदी के रास्ते निचले इलाकों में पहुंची, जिससे जलविद्युत परियोजनाओं, ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

बालेन शाह ने बाढ़ प्रभावित नुवाकोट का किया दौरा

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बाढ़ प्रभावित नुवाकोट जिले का दौरा किया और जारी खोज एवं बचाव अभियान की समीक्षा की। उन्होंने बट्टार बाजार स्थित सेना प्रशिक्षण केंद्र में अधिकारियों से मौजूदा हालात की जानकारी ली। नुवाकोट के देवीघाट इलाके में बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है।

भारतीयों की मदद के लिए दिल्ली में कंट्रोल रूम

विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया है। लापता हुए लोगों में 288 भारतीय शामिल हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने यहां विदेश मंत्रालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

नेपाल प्रवास पर थीं रायपुर की मोनिका

रायपुर। रायपुर के महादेव घाट निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है। राज्य सरकार संबंधित अधिकारियों एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी सुरक्षित खोजबीन के प्रयास कर रही है।

टला नहीं है अभी खतरा

नेपाल सरकार ने भोटेकोशी नदी में संभावित बाढ़ के खतरे के बारे में खास नोटिस जारी किया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के जरिए चीन से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, सैटेलाइट इमेज और शुरुआती एनालिसिस के तहत नदी रुक गई है और कल जिस जगह बाढ़ आई थी, वहां एक झील बन गई है। नोटिस में कहा गया है कि झील का पानी बढ़ रहा है और उसके फटने का खतरा है। इस स्थिति को देखते हुए, जब तक अगला नोटिस ▶▶|शेष पेज 6 पर

20 लाख टन मीटर पानी की नई झील

चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, नेपाल में छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास करीब 20 लाख घन मीटर पानी वाली एक बड़ी झील बन गई है। झील पहले ही छलकने लगी है और अगले तीन दिनों में इसमें करीब 30 लाख घन मीटर और पानी आने का अनुमान है।

पानी में कूदकर बहता सामान निकाल रहे लोग

नेपाल पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें नेपाल के स्थानीय लोग नदी में तैरते मलबे से सिलेंडर और लकड़ी जैसी चीजें निकालने के लिए दौड़ रहे हैं। कई लोग बहते पानी में उतरकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। ये वीडियो सामने आने के बाद, नेपाल पुलिस ने अपने वीडियो जारी किए हैं और लोगों को चेतावनी दी है कि वो अपनी जान जोखिम में न डालें और सुरक्षित रहें।

288 भारतीय लापता, 200 फंसे

नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद कम से कम 288 भारतीय अब भी लापता हैं, जबकि लगभग 200 अन्य चीन की ओर फंसे हुए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शीर्ष अधिकारियों तथा काठमांडू और बीजिंग में भारत के राजदूतों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद कहा कि भारत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की स्थिति का पता लगाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहा है। भारतीयों में जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले लोग और पर्यटक शामिल हैं।

नेपाल में भारतीय दूतावास के नंबर

+977 985 131 6807,
+977 970 910 7500,
+977 981 032 6117

भारत ने भेजी राहत सामाग्री

भारत ने बुधवार रात से दो सैन्य परिवहन विमानों के जरिए कुल 47.5 टन आपातकालीन राहत सामग्री नेपाल भेजी है और अधिक राहत सामग्री भेजने की प्रक्रिया जारी है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत की तत्काल प्राथमिकता लापता भारतीयों का पता लगाना और उन्हें बचाना तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना है।

विमान क्रैश, पायलट समेत दो की गई जान

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक प्रशिक्षु पायलट समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि गंगा के किनारे नाथपुरवा गांव के पास इटली निर्मित 'टेक्नम' प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उस पर सवार गुजरात निवासी प्रशिक्षक सचिन भाटिया और कर्नाटक के प्रशिक्षु पायलट अभिषेक पुजारी की मौत हो गयी। 'गर्ग एविएशन' द्वारा संचालित इस विमान ने पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी और 20 मिनट के बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

- कानपुर में प्रशिक्षण के दौरान हादसा

एएआईबी करेगा जांच

कानपुर में हुए विमान हादसे की जांच विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो करेगा। तीन अधिकारियों की एक टीम आवश्यक नियामक निगरानी और तालमेल के लिए दुर्घटना स्थल का दौरा करेगी।

18 साल बाद नौकरी से निकालना अवैधानिक

राजकुमार कॉलेज की शिक्षिका होगी बहाल

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राजकुमार कॉलेज के शिक्षक को 18 साल बाद नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बताया है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए शिक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने और बकाया वेतन 9% ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने रायपुर के राजकुमार कॉलेज प्रबंधन की अपील खारिज कर दी। दरअसल, रायपुर के राजकुमार कॉलेज में सविता मोहंती को 21 जून 1990 को ओडिया भाषा पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षिका ▶▶|शेष पेज 6 पर

- ब्याज सहित पूरी सैलरी देने का आदेश

1990 में जरूरी नहीं था बीएड

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि 1990 के नियुक्ति पत्र में बीएड की डिग्री जरूरी नहीं थी। 1994 में शिक्षिका की नौकरी पक्की करते समय भी प्रबंधन ने बीएड को लेकर कोई आपत्ति नहीं की थी।

निगम-मंडलों के अध्यक्ष-उपाध्यक्षों को तोहफा तीन कैबिनेट और 15 को राज्यमंत्री का दर्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने विभिन्न आयोगों, मंडलों, समितियों और प्राधिकरणों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश के अनुसार, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को उनके पद के अनुरूप मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। शासन ने स्पष्ट किया है कि यह सूची किसी प्रकार की वरिष्ठता अथवा प्रोटोकॉल की स्थिति प्रदर्शित नहीं करती। इनमें अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल चौहान, रूप सिंह मंडावी राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। आदेश जारी होने की तारीख से यह व्यवस्था प्रभावी होगी।

इन्हें राज्यमंत्री का दर्जा

आदेश में गौरीशंकर श्रीवास अध्यक्ष राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड, आनंद निषाद, राजेंद्र नायक राज्य शाकंबरी बोर्ड, सुधीर गौतम छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग, राजेश कुमार राजपूत को छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मंडल का अध्यक्ष, एजाज मिर्जा बेग को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी का अध्यक्ष, भोजराज देवांगन को छत्तीसगढ़ राज्य हस्तकरघा विकास एवं विपणन संघ का अध्यक्ष, प्रभात मिश्रा को छत्तीसगढ़ राज्य राजभाषा आयोग का अध्यक्ष, सुषमा जेठानी को छत्तीसगढ़ राज्य सिंधी अकादमी का अध्यक्ष तथा शशिकांत द्विवेदी को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ, डॉ. जेपी शर्मा को रायपुर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष, किशोर महानंद को छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल का उपाध्यक्ष, आनंद कुमार तिवारी को छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग का उपाध्यक्ष, वेदराम मनहरे को छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष और मंगल दास ठाकुर को छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग उपाध्यक्ष को राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है।

शिष्टाचार और प्रोटोकाल के लिए दिए गए

आदेश में यह भी उल्लेख है कि शासन द्वारा अध्यक्ष/उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री/राज्यमंत्री का दर्जा केवल शिष्टाचार एवं प्रोटोकॉल के लिए प्रदान किया जाता है। इनके लिए नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक विभाग अथवा आयोग की होगी। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी को पूर्व में दिए गए राज्यमंत्री के दर्जे से संबंधित आदेश में भी संशोधन किया गया है।

चिंतन

हिमालय पर कम हो मानवीय दबाव

नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ ने हिमालय की उस चेतावनी को फिर सामने ला दिया है, जिसे हम बार-बार सुनकर भी अनसुना करते रहे हैं। अब तक 359 शव बरामद होने और करीब 1,500 लोगों के लापता होने की खबर किसी सामान्य प्राकृतिक आपदा का आंकड़ा नहीं है। यह हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यावरणीय संकट की भयावह तस्वीर है। भारत के 288 नागरिकों से संपर्क न होना और 21 भारतीयों का सुरक्षित बचाया जाना इस त्रासदी की सीमा को और स्पष्ट करता है। सवाल अब यह नहीं कि ऐसी आपदा क्यों आई, बल्कि यह है कि अगली आपदा कितनी बड़ी होगी? एक रिपोर्ट के मुताबिक हिमालय पर एक और झील फटने के कगार पर है। ऐसा हुआ तो जल्द एक और त्रासदी का सामना करना पड़ सकता है। नेपाल की बाढ़ के बीच देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान समेत तीन संस्थानों का अध्ययन बेहद गंभीर चेतावनी देता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में 221 ऐसी हिमनदीय झीलों की पहचान हुई है, जिनके फटने पर अचानक बाढ़ का खतरा है। कोसी, यारलुंग जांगबो, मानस और ऊपरी सिंधु नदी घाटियां विशेष रूप से संवेदनशील मानी गई हैं। यानी नेपाल की त्रासदी को केवल एक घटना मानकर भूल जाना खतरनाक होगा। हिमालय के भीतर ऐसे कई संभावित खतरे जमा हैं, जो किसी भी समय बड़ी तबाही का कारण बन सकते हैं। भारत भी इससे सुरक्षित नहीं है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम की कई नदी घाटियां जोखिम में हैं। उत्तराखंड की स्थिति तो और चिंताजनक है। अलकनंदा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की मौजूदगी सामने आई है। इनके टूटने पर केवल बर्फ ही नहीं, बल्कि चट्टान और मलबा भी तेज गति से नीचे आ सकता है। इस संकट की जड़ में जलवायु परिवर्तन है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी केवल बढ़ते तापमान पर डालकर हम बच नहीं सकते। हिमालय पर मानवीय दबाव लगातार बढ़ा है। सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, भवन और अनियोजित निर्माण पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर कर रहे हैं। जब हम उस व्यवस्था में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करते हैं तो भारी बारिश या ग्लेशियर टूटने जैसी प्राकृतिक घटना विनाशकारी बन जाती हैं। धार्मिक पर्यटन और बढ़ती मानवीय आवाजाही ने भी समस्या को गंभीर किया है। हिमालय आस्था का केंद्र है, लेकिन आस्था के नाम पर उसकी वहन क्षमता को नकारना दूरदर्शिता नहीं है। लाखों लोगों की आवाजाही, वाहनों का दबाव और कचरे का बढ़ता बोझ उस पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर कर रहा है, जो पहले ही तापमान वृद्धि का सामना कर रहा है। अब समय राहत के बाद सब कुछ भूल जाने का नहीं, आपदा से पहले जोखिम घटाने का है। सरकारों को हर बड़ी परियोजना से पहले हिमालय की वहन क्षमता का कठोर आकलन करना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण सीमित करना होगा, झीलों और ग्लेशियरों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय आबादी को समय रहते चेतावनी देने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। प्रकृति को चुनौती देकर विकास हासिल नहीं किया जा सकता। हिमालय कमजोर होगा तो उसकी कीमत पहाड़ ही नहीं, मैदान भी चुकाएंगे। हमें तय करना होगा कि हिमालय को विकास के नाम पर कितना और काटना है। क्योंकि पहाड़ कम होंगे तो दबाव नहीं घटेगा, हमारी मुश्किलें बढ़ेंगी। हिमालय को बचाने का पहला रास्ता उस पर बढ़ता मानवीय दबाव कम करना ही है।

मुद्दा
राज कुमार सिन्हा

संकट बढ़ा रहा प्लास्टिक कचरा

पानी, मिट्टी, प्रदूषण के अलावा अनदेखा किया जाने वाला एक संकट कचरे का भी है। दूसरे जानलेवा मसलों की तरह कचरा भी धीरे-धीरे हमें अपने नीचे दबाने, मिटाने की ओर बढ़ रहा है। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा के बाद घाटों पर करीब 8,000 टन कचरा छोड़ दिया जाना केवल सफाई व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, उपभोग और हमारी कचरा संस्कृति पर्यावरणीय जिम्मेदारी से लगातार दूर होती जा रही है। हमें तय करना होगा कि हमारी धार्मिक यात्रा किसी नदी को गंदा करके, किसी पहाड़ को प्लास्टिक से ढककर पूरी नहीं हो सकती। अब समय कचरे के पहाड़ों को हटाने का नहीं, ऐसे पहाड़ पैदा होने से रोकने और नीति बनाने का है।

मौजूदा दौर में कुछ मसले ऐसे हैं जिनके बारे में लगातार बोला-बताया तो जाता है, लेकिन उन पर कोई असर पड़ता दिखाई नहीं देता। पानी, मिट्टी, प्रदूषण के अलावा अनदेखा किया जाने वाला एक संकट कचरे का भी है। दूसरे जानलेवा मसलों की तरह कचरा भी धीरे-धीरे हमें अपने नीचे दबाने, मिटाने की ओर बढ़ रहा है। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा के बाद घाटों पर करीब 8,000 टन कचरा छोड़ दिया जाना केवल सफाई व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, उपभोग और हमारी कचरा संस्कृति पर्यावरणीय जिम्मेदारी से लगातार दूर होती जा रही है।

आस्था का अधिकार सबको है, लेकिन आस्था के नाम पर प्रकृति को कचरे का ढेर बना देना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। पिछले वर्ष 2025 में केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस विशाल धार्मिक यात्रा के साथ केदारनाथ धाम में लगभग 2,300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो कचरा छोड़ा। यह कचरा गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। इसमें करीब 100 टन प्लास्टिक और 2,200 टन अन्य कचरा था। उच्च हिमालयी क्षेत्र में जमा यह कचरा पारिस्थितिकी, जलस्रोतों, वनस्पतियों और वन्यजीवों के लिए गंभीर चुनौती है। समस्या केवल धार्मिक यात्राओं तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार की 23 दिसंबर 2025 को एनजीटी को दी गई जानकारी के अनुसार शहर में प्रतिदिन 11,852 टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से 7,611 टन यानी 64.2 प्रतिशत कचरे का प्रतिदिन प्रसंस्करण किया जाता है, जबकि लगभग 4,241 टन यानी 35.8 प्रतिशत कचरा प्रतिदिन डंपसाइटों भलस्वा और गाजीपुर में निपटान के लिए बच जाता है।

इसका अर्थ है कि कचरे का पहाड़ केवल हिमालय या तीर्थस्थलों में नहीं बन रहा, बल्कि महानगरों के आसपास भी लगातार बढ़ रहा है। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर दिन करीब 19 हजार टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। इसमें से प्लास्टिक का 62 प्रतिशत पैकेजिंग के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 40 प्रतिशत है। प्लास्टिक पैकेजिंग की खपत सालाना 8 से 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। ऑनलाइन खरीदारी ने इस संकट को और तेज किया है। एक सामान्य ऑनलाइन डिलीवरी में पॉली मेलर, प्लास्टिक रैप, टेप, लेबल और अतिरिक्त पैकेजिंग जैसी कई सामग्रियां शामिल होती हैं। प्रत्येक ऑनलाइन ऑर्डर के साथ नया पैकेजिंग कचरा पैदा होता है। ई-कॉमर्स बाजार जितना बढ़ता जा रहा है, पैकेजिंग कचरे की मात्रा भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। 'केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' के अनुसार भारत में हर साल लगभग 39 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से लगभग आधा ही एकत्र किया जाता है और एकत्र किए गए कचरे में से भी लगभग 50 प्रतिशत का ही रिसाइकिल किया जाता है। शेष कचरा कहां जाता है? इसका बड़ा हिस्सा लैंडफिल, नदियों और समुद्रों में पहुंचता है या उसे जला दिया जाता है। जलाने से वायु-प्रदूषण और जहरीले उत्सर्जन का खतरा बढ़ता है। प्लास्टिक हमारे हवा, पानी और भोजन में भी प्रवेश कर रहा है। वर्ष 2000 से 2019 के बीच

लगभग 3 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्री वातावरण में जमा हुआ था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि मौजूदा प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक समुद्रों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक की मात्रा बहुत गंभीर स्तर तक पहुंच सकती है। पिछले वर्ष तमिलनाडु के जंगलों से एक ही दिन में 55 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया था। कोयम्बटूर के निकट मारुथमलाई की तलहटी में एक गर्भवती हथिनी की मृत्यु हुई और उसकी आंत में प्लास्टिक की थैलियां पाई गई।

यह घटना बताती है कि मनुष्य द्वारा फेंका गया कचरा अंततः वन्यजीवों में प्रवेश कर रहा है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 70.73 लाख टन कपड़ा कचरा उत्पन्न होता है। इसमें लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा फैक्ट्रियों और विनिर्माण इकाइयों का उपभोग-पूर्व कचरा है, जबकि 58 प्रतिशत हिस्सा उपभोक्ताओं द्वारा फेंके गए पुराने कपड़ों और घरेलू वस्त्रों का है। कपड़ा उद्योग का संकट केवल पुराने कपड़ों के कचरे तक सीमित नहीं है। कपड़ा रंगाई और प्रसंस्करण इकाइयों से निकलने वाला जहरीला और संदूषित पानी स्थानीय जलस्रोतों और भूजल को प्रदूषित कर सकता है। बिना रीसाइक्लिंग के फेंका गया कपड़ा लैंडफिल पर दबाव बढ़ाता है और जैविक पदार्थ के सड़ने से मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। सीएसई के अनुसार आज दुनिया में बनने वाले 60 प्रतिशत से अधिक नए कपड़ों में किसी-न-किसी रूप में प्लास्टिक आधारित फाइबर का इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि 'फास्ट फैशन' का संकट केवल कपड़ों की अधिक खपत नहीं, बल्कि प्लास्टिक की बढ़ती खपत का भी संकट है। ऐसे में कंपनियों को केवल उत्पादन और बिक्री के लिए नहीं, बल्कि उत्पाद के उपयोग के बाद पैदा होने वाले कचरे के लिए भी जवाबदेह बनाना होगा। सबसे पहले अनावश्यक उपभोग को कम करना जरूरी है। जिस पैकेजिंग की आवश्यकता नहीं है, उसका उत्पादन ही क्यों किया जाए? ऑनलाइन खरीदारी में अनावश्यक प्लास्टिक रैप और अतिरिक्त पैकेजिंग पर रोक होनी चाहिए। दूसरा कदम पुनः उपयोग है। ऐसी पैकेजिंग सामग्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें बार-बार इस्तेमाल किया जा सके। तीसरा कदम पुनर्चक्रण है, लेकिन रीसाइक्लिंग को हर समस्या का समाधान मानना भी गलत है। ऐसी सामग्री डिजाइन करनी होगी जिसे वास्तव में और आर्थिक रूप से रिसाइकिल किया जा सके। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण कदम है जवाबदेही। उत्पादक कंपनियों को उत्पादक उत्तरदायित्व केवल कागजी अनुपालन नहीं, बल्कि वास्तविक जिम्मेदारी के रूप में लागू करना चाहिए।

तीर्थस्थलों और पर्यटन क्षेत्रों में विशेष कचरा प्रबंधन व्यवस्था होनी चाहिए। यात्रियों की संख्या के आधार पर कचरा-उत्पादन का अनुमान लगाया जाए, स्रोत पर कचरा अलग किया जाए, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रभावी रोक हो और तीर्थयात्रियों को 'जो लाएं, वापस ले जाएं' के सिद्धांत से जोड़ा जाए। धार्मिक यात्राओं और बड़े आयोजनों में आयोजकों, प्रशासन, स्थानीय निकायों और यात्रियों की साझा जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सबसे बढ़कर उपभोक्ता संस्कृति में बदलाव जरूरी है। 'खरीदो, इस्तेमाल करो और फेंक दो' की संस्कृति को 'कम खरीदो, लंबे समय तक इस्तेमाल करो, पुनः उपयोग करो और पुनर्चक्रण करो' की संस्कृति में बदलना होगा। असली संकट यह है कि हमने विकास, सुविधा, उपभोग और आस्था को प्रकृति की सीमाओं से अलग कर दिया है। हमें तय करना होगा कि हमारी धार्मिक यात्रा किसी नदी को गंदा करके, किसी पहाड़ को प्लास्टिक से ढककर या किसी जंगल में कचरा छोड़कर पूरी नहीं हो सकती। अब समय कचरे के पहाड़ों को हटाने का नहीं, ऐसे पहाड़ पैदा होने से रोकने और नीति बनाने का है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विज्ञापन विवाद

डॉ. मोनिका शर्मा

परंपरागत भाव-चाव को बेरंग करने की कुत्सित सोच

फिल्मी दुनिया के चर्चित चेहरों और विज्ञापन कंपनियों द्वारा भारतीय पर्वों और परम्पराओं का उपहास उड़ाने के प्रवृत्ति कई बार दिखी है। कभी पहनावे के विचित्र रंग-ढंग तो प्रस्तुतीकरण में भावनाओं से खेलने का इरादा। स्पष्ट दिखता है कि इनके लिए न तो जनभावनाओं की अहमियत है और न ही इन्हें रीति-रिवाज के पारिवारिक रंगों को बेरंग की फिक्र है। एक ज्वेलरी ब्रांड के विज्ञापन को लेकर आ रही आमजन की प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि इस बार भी यही खेल खेला गया है। सवाल यह है कि सामाजिक समरसता और जुड़ाव के भाव को पोसने वाले सहज विज्ञापन क्यों नहीं बनाए जा सकते? साथ ही प्रश्न यह भी उठता है कि प्रस्तुतीकरण और हैरान-परेशान करने वाली संकल्पना का अंदाज़ हर बार केवल एक समुदाय के त्योहारों के साथ ही क्यों अपनाया जाता है? ध्यातव्य है कि विवादित विज्ञापन में अभिनेत्री कृति सेनन के परिधान और अपने कुत्ते को राखी बांधने की बात आमजन को खटक रही है।कहना गलत नहीं होगा कि विज्ञापन में अभिनेत्री द्वारा जैसे कपड़े पहने गए हैं, रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाते हुए आम परिवारों में तो नहीं पहने जाते। राखी का त्योहार भाई-बहन के स्नेह साथ से जुड़ा एक सुंदर पर्व है। आज भी सभी परिजन-स्वजन मिलकर यह त्योहार मनाते हैं। घर-परिवार के गरिमामयी परिवेश में जीवनशैली के ऐसे रंग तो नहीं ही दिखते। जबकि क़रीब 35 सेकंड के इस विज्ञापन में कृति सेनन रक्षाबंधन मनाते हुए सफ़ेद रंग का लहंगा और साथ में डीप-नेक ब्रालेट स्टाइल का ब्लाउज़ पहनने दिखती हैं। साथ ही अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती हैं। यह सब एक पावन त्योहार का मज़ाक उड़ाने की जानबूझकर की गई कोशिश ही प्रतीत होता है।आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले इस विवादित विज्ञापन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि त्योहार या संस्कृति को पहनावे से नहीं जोड़ना चाहिए। एक महिला होने के नाते, उन्हें क्या पहनना चाहिए ये उन्हें नहीं बताया जाए। राहुल गांधी ने उनका समर्थन करते हुए इंस्टाग्राम पर उनकी स्टोरी को शेयर किया है। साथ ही राहुल गांधी ने कहा है कि 'एक महिला क्या पहनती है, क्या करती है और कहां जाती है - यह उनकी पसंद है। महिलाओं को उनकी आजादी का इस्तेमाल करने के लिए ट्रोल करना बंद करें। इस पोस्ट के साथ नेता प्रतिपक्ष ने हैशटैग 'स्मैश द पेट्रियार्की' (पितृसत्ता को तोड़ो) का भी इस्तेमाल किया है। वहीं अभिनेत्री और सांसद कंगना राणावत द्वारा अपनी पोस्ट में कही बात का अर्थ यह है कि हमारे पास परिधानों के बहुत से विकल्प होते हैं। स्टाइल के नाम पर अजब-गजब प्रयोग करने के बजाय त्योहारों को परंपरा और शालीनता के साथ भी मनाया जा सकता है। वस्तुतः, रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन को ही नहीं पारिवारिक सम्बन्धों को भी जोड़ता है। प्रेम व दायित्व निर्वहन का यह सूत्र भाई-बहन के रिश्ते को ही नहीं पारिवारिक परिवेश में भी अपनेपन को पोषित करता है। बिखरते रिश्तों के मौजूदा दौर में सम्बन्धों को संजीदगी से सहेजने और दृढ़ता से थामे रखने की सोच को बल देता है। यह रिश्ता बच्चों के लिए भौतिक और भावनात्मक सहारे का स्रोत होता है। जो अकेलेपन और अवसाद से बचाने की भी क्षमता रखता है। सुखद है कि नई पीढ़ियां भी इस डोर के स्नेह से जुड़ी रहती हैं। मेल-मिलाप और रिश्तों के मायने समझती हैं। ऐसे में परंपरागत भाव-चाव से परे इस विज्ञापन में शामिल कई चीज़ें पर्व की गरिमा और जुड़ाव को ठेस पहुंचाने वाली लगती हैं। पहनावे के इस अंदाज़ और विज्ञापन की संकल्पना को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा आपत्ति जताना भी इसी बात की तस्दीक करता है। विडम्बना ही है कि हर बार त्योहारी मौसम में आस्था का रंग ही नहीं, उपहास का बेरंग बर्ताव भी खूब देखने को मिलता है। व्रत-उत्सवों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी परोसने का व्यवहार आम हो चला है। विज्ञापनों से लेकर व्यक्तिगत पोस्ट्स तक, चर्चित चेहरे और कम्पनियां खूब नकारात्मकता परोसती हैं। अब तो कमोबेश हर त्योहारी रीत-रिवाज का ही मजाक बनाया जाता है। जान-बूझकर पर्वों के परंपरागत रंगों को धूमिल करने का प्रयास किया जाता है। असल में यह सोशल मीडिया मंचों पर चर्चा पाने का एक सस्ता तरीका बन गया है। पहले भी देखने में आया है कि बहुत से उत्पादों, सेवाओं और कंपनियों द्वारा प्रचार पाने की लालसा में सोची-समझी संकल्पना के साथ ऐसे विज्ञापन बनाए गए हैं। विडम्बना ही है कि विवादित या आलोचनात्मक कंटेन्ट वाले विज्ञापन बनाकर सार्वजनिक रूप से नकारात्मक चर्चा पाना भी उपलब्धि मानी जाने लगी है। निःसंदेह, परंपरागत पर्वों को लेकर कुछ न कुछ नकारात्मक जोड़ने या सकारात्मक भाव-चाव को पीछे कर देने का खेल जनमानस को ठेस पहुंचाने वाला है।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म के साथ प्रारंभ व मृत्यु पर समाप्त होती है यात्रा

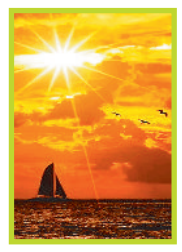

संकलित
दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है। प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस स्नेत से प्राप्त होता है?

सुदर्शन रूप में भक्त की प्रेत से रक्षा

संकलित
प्रेरणा

संत अनंतकृष्ण बाबा जी के पास एक लड़का सत्संग सुनने के लिए आया करता था। संत से प्रभावित होकर बालक द्वारा दीक्षा के लिए प्रार्थना करने पर बाबा जी ने कहा कि महामंत्र का 11 लाख जप करके आओ उसके बाद विचार करेंगे। लगभग कुछ महीनों के पश्चात जप की संख्या पूरी करने के बाद वह बाबा के पास पुनः आया। बाबा ने बालक को कहा 11 लाख और जप करके आना। अभी 3-4 वर्ष ही बीते थे साधक जीवन में प्रवेश किए हुए, उसके मन में श्रद्धा की कमी होने लगी । वह एक दिन कहीं जा रहा था रास्ते में एक तांत्रिक को कुछ सिद्धियों का प्रदर्शन करते हुए देखा। तांत्रिक ने उससे अपने बारे में पूछा, उसने अपनी उपासना के बारे में बताया । तांत्रिक ने पूछा कि तुम इतने वर्षों से इतनी संख्या में जप करते हो, साधना करते हो उससे तुम्हे कुछ अनुभूति हुई? हमारी तरह प्रेत सिद्ध कर लो, तुम्हारे सब काम प्रेत कर दिया करेगा, बालक ने तांत्रिक से साधन की विधि जानी और शीघ्र ही थोडे मंत्रो के जप से ही सिद्ध प्राप्ति कर ली। उसने तांत्रिक से कहा कि मुझे तो कोई प्रेत सिद्ध हुआ नहीं। तांत्रिक ने कहा पुनः प्रयास करो। इस बार भी प्रेत प्रकट नहीं हुआ। तांत्रिक ने प्रेत को बुलाकर पूछा कि तुम इसके सामने क्यों नहीं प्रकट होते हो? उस प्रेत ने कहा मैं तो जैसे ही इसके थोड़े निकट जाता हूँ, इसके पीछे एक सुदर्शन चक्र प्रकट हो जाता है। मैं महान बलवान होने पर भी उस चक्र के तेज के सामने टिक नही सकता। अवश्य ही कोई शक्ति इसकी रक्षा करती है।

राखियां दिखाती छात्राएं

रक्षा बंधन त्योहार की एक शाम पहले, गुरुवार को पश्चिम बंगाल के नादिया में स्टूडेंट्स अपनी राखियां दिखाते हुए।

आज की पाती

प्याज की बढ़ती कीमत महंगाई का एक और झटका

अगर देश में कोई भी खाने की चीज, वो भी गरीब से गरीब के लिए भी रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली हो, महंगी हो जाए तो सरकारों को उसकी कीमत कम करने के उपाय प्राथमिक आधार पर करने चाहिए। विकास के वादे और दावे तब तक खोखले माने जा सकते हैं, जब तक देश में पैदा होने वाली चीजें महंगी हों। अब तो सरकारों को प्याज की बढ़ती कीमतों के लिए कुंभकर्णी नींद से जाग जाना चाहिए, क्योंकि अब देश के कुछ राज्यों में इसकी कीमत 50 रुपए प्रति किलो से ऊपर हो चुकी है। वैसे प्याज की कीमतें इससे पहले भी बढ़ती थी और इस पर खूब राजनीति भी होती आई है। प्याज पर ही नहीं, बल्कि हर तरह की महंगाई को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़े जाते हैं। लेकिन महंगाई के समाधान के लिए किसी भी राजनीतिक पार्टी की सरकार ने आज तक गंभीरता नहीं दिखाई। *– प्रकाश देसाई, रायपुर*

ट्रेंड

लोहे की दीवार

टी-72 और टी-90 टैंक हमारी सीमाओं पर दुश्मन के लिए काल और हमारे सैनिकों के मनोबल का प्रतीक हैं। जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री की नई ओवरहॉलिंग सुविधा यह तय करेगी कि हमारी 'लोहे की दीवार' हमेशा फिट, मजबूत और युद्ध के लिए तैयार रहे।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

महिला विश्वविद्यालय

बिहार की बहनों के लिए एक "महिला विश्वविद्यालय" बनाया जाएगा, जहाँ हमारी बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगी। इस महिला विश्वविद्यालय में प्रोफ़ेसर से लेकर वाइस-चांसलर और अन्य सभी पदों की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ महिलाएँ ही संभालेंगी।
- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

जवाबदेही की मांग

डॉक्टरों की भारी कमी का सामना कर रहे देश में, यह देखना दुखद है कि हज़ारों एमबीबीएस डॉक्टर नई दिल्ली के रणजीत सिंह पार्क में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 'नेशनल बोर्ड ऑफ़ एग्ज़ामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज' से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

एंट्रेंस एग्ज़ाम

हम स्कूल में बच्चों को कुछ और सिखाते हैं, लेकिन कॉलेज में एडमिशन के लिए उनका टेस्ट किसी और चीज़ पर होता है! सरकार की विनीत जोशी कमिटी ने स्कूल की पढ़ाई और कॉलेज में एडमिशन के लिए होने वाले एंट्रेंस एग्ज़ाम के बीच इस अंतर को माना है।
- **कमल हासन,** फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रिंस हैरी और मेगन ब्रिटेन लौटे

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ब्रिटेन पहुंचे। ब्रिटिश मीडिया की खबरों में दावा किया गया है कि हैरी अपने बच्चों आर्ची और लिलिबेट के अगले महीने शुरू होने वाले नए स्कूल सत्र के लिए ब्रिटेन लौटे हैं। हैरी और मेगन के कैलिफोर्निया से निजी विमान से बर्मिंघम हवाईअड्डे पहुंचने की खबर है। माना जा रहा है कि परिवार लंदन के बाहर सुरम्य कॉट्सवोल्ड्स इलाके में स्थित एक निजी संपत्ति में रहेगा। ड्यूक और डचेस ऑफ ससेक्स के प्रवक्ता ने बीबीसी से कहा, 'यह ऐसी बात नहीं है जिस पर हम टिप्पणी करें।' द डेली टेलीग्राफ' ने एक सूत्र के हवाले से कहा, ' 'वे कितने समय तक रहेंगे? मुझे नहीं पता, लेकिन यह लंबा समय होगा। छह महीने, एक साल, दो साल... कौन जानता है।' अखबार के मुताबिक, दंपति की योजना एक 'अंतरराष्ट्रीय' परिवार के रूप में रहने की है और वे अमेरिका तथा पुर्तगाल में अपने घर बरकरार रखेंगे। सात वर्षीय प्रिंस आर्ची और पांच वर्षीय प्रिंसेस लिलिबेट सितंबर में शुरू होने वाले शरद ऋतु सत्र से एक ब्रिटिश स्कूल में पढ़ाई करेंगे। हैरी और मेगन के ब्रिटेन लौटने की खबर पिछले सप्ताह आई थी। उस समय बकिंघम पैलेस ने कहा था कि वह शाही परिवार के 'नॉन वर्किंग' सदस्यों से संबंधित घटनाक्रम पर टिप्पणी नहीं करता।

ऑफ बीट

मानव- मेंढक संबंधों का इतिहास जटिल रहा है

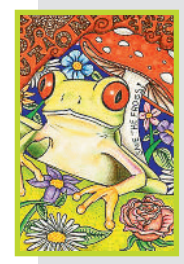

दरअसल, मेंढकों के प्रति हमारा आकर्षण नया नहीं है। जैसा कि हमारे शोध से पता चला है, मानव-मेंढक संबंधों का इतिहास लंबा और जटिल है - और यह सब अच्छा नहीं है। हम मेंढकों से प्यार क्यों करते हैं? मेढकों से सचमुच प्रेम करने वाले लोगों का एक समृद्ध इतिहास है। यह दिलचस्प है, क्योंकि बहुत से लोग सरीसृपों और उभयचरों की तुलना में स्तनधारियों और पक्षियों को अधिक पसंद करते हैं। लेकिन मेंढक एक अपवाद है - कई कारणों से। लोग बच्चों जैसे चेहरों की ओर आकर्षित होते हैं। मेंढकों की कई प्रजातियों में बड़ी आंखें होती हैं। न दांत और न नुकीले पंजे होने के कारण, वे तुरंत खतरनाक भी नहीं लगते, जबकि उनमें से कई की त्वचा का रंग सुंदर होता है और कुछ अविश्वसनीय रूप से छोटे होते हैं। मेंढक वास्तव में प्राकृतिक दुनिया के गहनों में से हैं, टोड के विपरीत, जो - अपने अधिक सांसारिक रंगों और 'मस्सेदार त्वचा' के साथ - आमतौर पर अधिक लोगों का पसंद नहीं आते हैं। इनकी सुंदरता हमें उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के घने वर्षावनों में अधिकांश लोगों की दृष्टि से छिपी जीवंत प्रकृति की व्यापक संपदा से जोड़ती है। और वे हमें हमारे अपने आंगन में प्रकृति से भी जोड़ते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

कीचड़ में लिपटी इमारतें मलबे से पटे इलाके

लापता लोग और मौत का मंजर...

युद्धस्तर पर चल रहा बचाव और बहाली का काम

तबाही के बाद नेपाल...

बाढ़ की तबाही के बीच सुरक्षा बल के जवान कीचड़ में सने एक बुजुर्ग को कंधों पर उठाकर सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते हुए।

रेस्क्यू टीम ने कीचड़ में सनी एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते हुए।

तिब्बत में हिमनद के ढहने से बुधवार को चीन और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में अचानक भीषण बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में जान-ओ-माल का नुकसान हुआ है। युद्धस्तर पर बचाव और बहाली का काम चल रहा है। आपदा के इस कठिन समय में सेना और रेस्क्यू टीमें लगातार बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। नेपाल में बाढ़ के बाद इलाका पूरी तरह कीचड़ और मलबे से पट गया है। एक ट्रक गहरे कीचड़ में फंसा दिखाई दे रहा है, जबकि आसपास की इमारतें और सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। पहाड़ों और बादलों के बीच यह दृश्य आपदा की व्यापक तबाही को साफ दिखाता है।

9/11 मुख्य साजिशकर्ता के खिलाफ मुकदमा शुरू

वाशिंगटन। अमेरिकी सैन्य अदालत के एक न्यायाधीश ने 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों की साजिश रचने के आरोपी खालिद शेख मोहम्मद और तीन अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए 2028 की तारीख तय की। मुकदमा पांच जून 2028 से शुरू होगा। अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट कर्नल माइकल ए। श्रामा ने अपने फैसले में लिखा कि मुकदमे से पहले के विवादों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है। इनमें यह मतभेद भी शामिल हैं कि मुकदमे के दौरान कौन से सबूत पेश किए जा सकते हैं। 2028 में शुरू होने वाला मुकदमा भी कई समय-सीमाओं और निर्धारित चरणों के पूरा होने पर निर्भर है। अमेरिकी सेना और सरकारें दो दशक से अधिक समय से अमेरिका पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति को न्याय के कटघरे तक लाने के लिए संघर्ष करती रही हैं। हालांकि, इसलिए इसमें एक बार फिर देरी हो सकती है। इससे पहले मुकदमा 2021 में शुरू होना तय हुआ था, लेकिन बाद में उसे रद्द कर दिया गया। मोहम्मद पर आरोप है कि उसने हाईजैक किए गए यात्री विमानों को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन से टकराने की साजिश बनायी और उसके लिए निर्देश दिए। उसके तीन कथित सहयोगियों वालिद बिन अत्ताश, अली अब्दुल अजीज अली और मुस्तफा अल-हवसावी पर भी मुकदमा चलेगा।

अमेरिकी कांग्रेस ने की आरएसएस प्रमुख का वीजा रद्द करने की मांग

विवादों में घिरा भागवत का कार्यक्रम आयोजक का एक्स अकाउंट सस्पेंड

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का न्यूयार्क, अमेरिका में 29 अगस्त को प्रस्तावित कार्यक्रम विवादों में घिर गया है। विभिन्न संगठनों द्वारा किए जा रहे विरोध के बीच, कार्यक्रम आयोजक संस्था अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (अहेड फोरम) का एक्स अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी कांग्रेस की एक सलाहकार समिति ने ट्रंप प्रशासन से भागवत को जारी वीजा रद्द करने की मांग कर दी है।

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में प्रस्तावित कार्यक्रम से कुछ दिन पहले आयोजक संस्था अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (अहेड फोरम) का एक्स अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्स ने अब तक सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि 'अहेड फोरम' के अकाउंट को किस वजह से निलंबित किया गया। अहेड फोरम ने दावा किया है कि उसके सोशल मीडिया पोस्ट एक्स की नीतियों के अनुरूप थे। संगठन के अनुसार, उसके संदेशों में 'विश्व शांति, एकता, सद्भाव और संवाद' पर जोर दिया गया था और अलग-अलग समुदायों के बीच रचनात्मक बातचीत को बढ़ावा देने की कोशिश की गई थी।

सुरक्षा को लेकर हिंदू संगठन ने जारी की एडवाइजरी

कार्यक्रम को लेकर हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (हाफ) ने भी सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। संगठन ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास के माहौल पर नजर रखने और किसी भी तरह के विवाद से बचते हुए बातचीत को शांतिपूर्ण रखने की अपील की है।

कार्यक्रम को लेकर विरोध तेज : कार्यक्रम को लेकर विरोध भी तेज हो गया है। कुछ संगठनों ने भागवत और आरएसएस की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए कार्यक्रम के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी कार्यक्रम का विरोध किया है। वहीं, 'हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स' ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। भागवत के विरोधियों का आरोप है कि आरएसएस एक बहिष्कारी हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे को बढ़ावा देता है।

यूएससीआईआरएफ ने भागवत के वीजा पर उठाया सवाल

भागवत के अमेरिका दौरे को लेकर अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग 'यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' (यूएससीआईआरएफ) भी सक्रिय हुआ है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस के सदस्यों और कुछ भारतीय अधिकारियों के खिलाफ लक्षित प्रतिबंधों पर विचार करने की अपील की है। आयोग ने भागवत का अमेरिकी वीजा रद्द करने पर भी विचार करने को कहा है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने यूएससीआईआरएफ के आरोपों को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने आयोग पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और विश्वसनीयता की कमी का आरोप लगाया है।

परिसीमन प्रस्ताव पर पीएम मोदी से फिर मांगी सर्वदलीय बैठक

'लोकसभा सदस्यों की संख्या अगले 25 साल तक 543 ही बनाए रखें'

खड़गे ने परिसीमन को लेकर पीएम को चिट्ठी लिखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया कि वे परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों को सभी राजनीतिक दलों के साथ शेयर करें। उन्होंने सभी दलों और राज्य सरकारों को इन प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा। लेटर में खड़गे ने पीएम से कहा कि लोकसभा में राज्यवार मौजूदा संख्या बल को अगले 25 साल तक 543 बनाए बनाए रखने की मांग की है। 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करें।

पहले भी पीएम को लेटर लिखा था : खड़गे ने कहा कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई को पीएम को पत्र लिखकर परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री के संकेत दिए जाने के अनुसार आगे बढ़ने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि कृपया फिर से जबरदस्ती करने की कोशिश न करें जैसा कि आपने 16 और 17 अप्रैल, 2026 को करने का प्रयास किया था। आपसे आपके मन में जो भी परिसीमन प्रस्ताव हैं, उन पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएं। सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को ऐसे प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। उन्होंने कहा कि शायद यही कारण है कि मानसून सत्र के सत्रावसान में लगातार देरी हो रही है। **17 अप्रैल को प्रस्ताव लोकसभा में गिर गया था**–17 अप्रैल को बजट सत्र के दौरान लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया। मतदान करने वाले 528 सांसदों में से 298 ने समर्थन में मतदान किया।

परिसीमन को लेकर क्या कहता है संविधान

परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्रों का सीमा निर्धारण या पुनर्निर्धारण, जिसे संविधान के अनुच्छेद 82 और अनुच्छेद 170 के तहत किया जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 82 के तहत हर जनगणना के बाद संसद परिसीमन आयोग का गठन कर सकती है। इसके अलावा अनुच्छेद 170 भी राज्यों की विधानसभा सीटों के परिसीमन से संबंधित प्रावधान करता है। हालांकि संविधान संशोधन के माध्यम से संसद इसे स्थगित कर सकती है, जैसा कि 1976 और 2001 में किया गया। संविधान संशोधनों (42वें, 84वें और 87वें) के कारण परिसीमन प्रक्रिया को 2026 तक रोक दिया गया है।

सोना 800 रुपए और टूटा, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई। स्थानीय बाजारों में रक्षाबंधन के त्योहार से पहले सोने की कीमत 800 रुपये टूटकर 1,65,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 1,66,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमत 2,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही। सोने की कीमतों में यह गिरावट रक्षाबंधन से एक दिन पहले आई है, जब आम तौर पर लोग उपहार और गहने ज्यादा खरीदते हैं। शुक्रवार को मनाए जाने वाले इस त्योहार पर भाई-बहन एक-दूसरे को उपहार देते हैं।

ईरान ने किया पलटवार, तेल सप्लाई रोकने की दी चेतावनी

तेहरान। अमेरिका ने ईरान पर नई आर्थिक पाबंदियां लगाते हुए उसके प्रतिबंध चोरी करने वाले नेटवर्क को निशाना बनाया है, लेकिन बड़ी नई पाबंदियां न लगने से यह कदम कमजोर माना जा रहा है। जवाब में ईरान ने होर्मुज समेत पूरे खाड़ी क्षेत्र से तेल सप्लाई रोकने,

- ट्रंप के 'इकोनॉमिक डी-डे' की धमकी पर भड़का

यूरोपीय देश बुल्गारिया जैसे नाटो सदस्यों तक जंग फैलाने और परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की धमकी दी है। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अमेरिका उस पूरे नेटवर्क को निशाना बनाएगा, जिसे ईरान ने सालों में बनाया है ताकि वह अमेरिकी प्रतिबंधों से बच सके. यह ऐलान उस जंग के छह महीने बाद आया है, जो अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ शुरू की थी और अब यह जंग बिना किसी हल के अटकी हुई है। नई पाबंदियां डिजिटल एसेट्स, टेक्नोलॉजी और शिपिंग जैसे सेक्टरों में ईरान के कारोबारी साझेदारों पर लगाई जाएंगी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 4 लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी में गुरुवार की सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। इम्फाल-तामेंगलॉन्ग रोड पर स्थित गांवों के पास अज्ञात शस्त्रधारियों ने अचानक हमला कर दिया। इस अंधाधुंध गोलीबारी में नागा समुदाय के चार आम नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हिंसा के बाद से एक ग्रामीण लापता भी बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ये घटना सुबह करीब 8:30 बजे मकुई आशांग और थानम्बा नागा गांवों के बीच घटी। ये इलाका आईटी रोड के किनारे बसे नागा गांवों के लिए आवाजाही की लाइफलाइन माना जाता है। घटना के तुरंत बाद इलाके में दोनों तरफ से रुक-रुक कर भारी गोलाबारी की खबरें भी सामने आईं।

- कांगपोकपी में अचानक हमला अंधाधुंध की गई फायरिंग

सुरक्षा बल तैनात, तलाशी अभियान जारी

हमले के पीछे किन लोगों का हाथ था और इस वारदात की वजह क्या थी, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लापता ग्रामीण की तलाश के लिए जंगल और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने दिया झटका

फ्रीज बैंक खातों का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा अब ममता गुट

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पूर्व सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट को पार्टी के चार बैंक खाते चलाने की अंतरिम अनुमति देने से इंकार कर दिया है। इन खातों में करीब 804 करोड़ जमा हैं और पुलिस ने इनसे निकासी पर रोक लगा रखी है।

कोलकाता हाई कोर्ट ने गुरुवार को इसी मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसी राहत देने से उसके पहले के आदेश का असर खत्म हो जाएगा। उस आदेश में राजनीतिक दल के रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की अनुमति दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई दुर्गा पूजा की छुट्टियों के बाद होगी।

कोर्ट ने इससे पहले दोनों पक्षों को अपना-अपना पक्ष बताते हुए हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। दो टीएमसी गुटों के दावे पर चुनाव आयोग का फैसला बाकी कोर्ट ने कहा कि खातों को किस गुट को दिया जाना है, इस पर पहले चुनाव आयोग को फैसला करना चाहिए। टीएमसी में एक गुट ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला है, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

विज्ञापन संख्या R&P/321/2026 **दिनांक: 31.07.2026**

दिल्ली विश्वविद्यालय के **केमिस्ट्री, एनवायरनमेंटल स्टडीज़, जेनेटिक्स, जियोलॉजी, हिंदी, लिंग्विस्टिक्स, ऑपरेशनल रिसर्च, फिलॉसफी और ज़ूलॉजी** विभागों में एसोसिएट प्रोफेसर के पद (7वें केंद्रीय वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स के एकेडमिक पे लेवल–13 ए) पर नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से निर्धारित आवेदन पत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि रोज़गार समाचार में विज्ञापन प्रकाशित होने की तारीख से दो सप्ताह है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.du.ac.in** पर जाएं और ''Work with DU'' के अंतर्गत ''Jobs and Opportunities'' पर क्लिक करें।

कोई भी अतिरिक्त जानकारी या सुधार केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही पोस्ट किया जाएगा।

cbc 21231/11/0013/2627 **कुलसचिव**

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

इंडियन बैंक
अंचल कार्यालय, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी
दि.- 03.10.2026

परिशिष्ट-IV-क {(नियम- 8(6) का परन्तुक देखें} **अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस**

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक कब्ज़ा** इंडियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है,जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर नीचे उल्लेखित खातों में देय राशी की वसूली हेतु बेचा जाएगा. उधारकर्ता(ओं) / जमानतदार(ओं)/ प्रतिभूत संपत्तियों/ बकाया राशी / आरक्षित मूल्य/ अग्रिम राशी / ई-नीलामी की तिथि व समय एवं बोली वृद्धि राशी का विशिष्ट विवरण नीचे वर्णित है:-

ई-नीलामी की तिथि एवं समय- 03.10.2026, प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक

क्र.	उधारकर्ता व जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि
1.	**शाखा- व्यापार विहार, बिलासपुर, उधारकर्ता- मेसर्स न्यू सलीम ट्रेडर्स, प्रोप.: मोहम्मद वाहिद मेमन,** दुकान नंबर 18, रतन प्लाजा, व्यापार विहार, बिलासपुर - 495001, **बंधककर्ता एवं जमानतदार- मोहम्मद यूसुफ मेमन, मोहम्मद वाहिद मेमन, श्रीमती नसीम बानो मेमन एवं श्रीमती जीनत मेमन**	रु. 5,08,46,498.00 + दिनांक 25.08.2026 से ब्याज एवं अन्य खर्च

संपत्ति का विवरण / संपत्ति का अन्य ऋण भार- ज्ञात नही	आरक्षित मूल्य	अग्रिम राशि	बोली जमा करने की वृद्धिशील राशि	संपत्ति आईडी क्र.
संपत्ति क्रमांक 1) व्यावसायिक भूमि - खसरा नंबर 321/22 (भाग), प.ह नं 167, **क्षेत्रफल- 9156 वर्ग फीट,** मौजा- मुसलमानपारा, वार्ड नंबर 06, **तखतपुर,** जिला- मुंगेली (छ.ग) पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- मोहम्मद यूसुफ मेमन एवं मोहम्मद वाहिद मेमन। * **भौतिक कब्ज़ा**	(संपत्ति क्रमांक 1 के लिए) रु. 25.00 लाख	रु. 2.50 लाख	रु. 1,00,000	IDIB5000 0528175a
संपत्ति क्रमांक 2) व्यावसायिक भूमि - खसरा नंबर 265, प.ह. नंबर 37, मौज़ा- बरेला, सर्कल- जरहागांव, ज़िला- मुंगेली; क्षेत्र- 17440 वर्गफ़ीट पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्रीमती ज़ीनत मेमन एवं श्रीमती नसीम मेमन। * **भौतिक कब्ज़ा**	(संपत्ति क्रमांक 2 के लिए) रु. 55.00 लाख	रु. 5.50 लाख	रु. 10,000.00	IDIB5000 0528175b

संपर्क:- संदीप सागर- 8109471566

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे : 9439223185 & 8902712622

नोट: यह नोटिस उधारकर्ता/ जमानतदार /बंधककर्ता और कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए भी है

इच्छुक बोलीदाताओं / खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी का उपयोग करके ऑनलाइन पोर्टल **(https://www.baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, अपना ईकवाईसी पूरा करने के बाद, इच्छुक बोलीदाताओं / खरीदारों को ईएमडी राशि अपने ई-वॉलेट में दिनांक **03.10.2026** तक, पोर्टल में ई-नीलामी तिथि और समय से पूर्व स्थानांतरित करनी होगी। पंजीकरण, ईकवाईसी व वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी से पूर्व ही पूरा किया जाना चाहिए । संपत्ति के विवरण व संपत्ति की तस्वीर एवं नीलामी के नियमों व शर्तों के लिए कृपया देखें: **https://www.baanknet.com** एवं इस पोर्टल से संबंधित स्पष्टीकरण के लिए, कृपया संपर्क करें **(फोन- 8291220220, ईमेल आईडी- support.baanknet@psballiance.com)**. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे **https://www.baanknet.com** वेबसाइट पर संपत्ति खोजते समय ऊपर उल्लिखित संपत्ति आईडी नंबर का उपयोग करें।

दिनांक: 28.08.2026, स्थान- बिलासपुर **प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक**

खबर संक्षेप

दीपा ज्वेलर्स का आईपीओ के लिए मूल्य दायरा तय

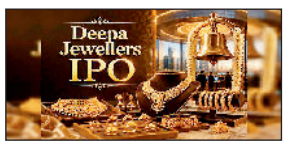

नई दिल्ली। दीपा ज्वेलर्स लिमिटेड ने अपने 460 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 168-177 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ एक सितंबर को खुलेगा और तीन सितंबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 31 अगस्त को बोली लगा पाएंगे।

पुष्प ब्रांड को आईपीओ के लिए सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। पैकेड मसाला कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईपीओ में मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख तक शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

एचएमपीएल को एनएचएआई से 194 करोड़ का ठेका मिला

नई दिल्ली। अवसंरचना एवं ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से 193.85 करोड़ रुपये से अधिक का ठेका मिला है। तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्ग-45 में 52.82 किलोमीटर पर स्थित परनूर टोल प्लाजा के लिए उपभोक्ता शुल्क एजेंसी के तौर पर नियुक्ति का 'लेटर ऑफ अवॉर्ड' (एलओए) मिला है।

जुनिपर ग्रीन का एसजेवीएन के साथ बिजली खरीद समझौता

नई दिल्ली। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने अपनी अनुषंगी कंपनी जुनिपर निर्जरा एनर्जी के माध्यम से 50 मेगावाट की स्थिर एवं प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए एसजेवीएन लिमिटेड के साथ 25 साल का बिजली खरीद समझौता किया है। बिजली खरीद समझौते पर 25 साल की अवधि के लिए 4.25 रुपये प्रति यूनिट की दर से हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रिज्म का शुद्ध लाभ चार गुना होकर 994 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म कंपनी का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2025-26 में चार गुना से अधिक होकर 994 करोड़ रुपये रहा है। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 2025-26 में 49.7 प्रतिशत बढ़कर 9,358 करोड़ रुपये हो गई।

आईआईएफसीएल से एसीएमई ने जुटाए 1571 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने राजस्थान में एसीएमई रिन्यूटेक सिक्स्थ की 300 मेगावाट की सुनिश्चित बिजली आपूर्ति वाली परियोजना के लिए इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) से 1,571 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता हासिल की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इस परियोजना के लिए उसने प्रतिस्पर्धी ब्याज दर पर वित्त पोषण हासिल किया है।

भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि दूसरी तिमाही में घटने का अनुमान : इक्रा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि पहली तिमाही के 21.3 प्रतिशत से घटकर 13-15 प्रतिशत रह सकती है। इस दौरान कंपनियों का परिचालन लाभ मार्जिन भी एक प्रतिशत घटने का अनुमान है।

- पहली तिमाही में राजस्व वृद्धि 21.3 प्रतिशत रही

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। इक्रा रेटिंग्स के समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) जितिन मक्कड़ ने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में कमजोर वैश्विक मांग से निर्यात आधारित क्षेत्रों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है, जबकि घरेलू मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

राजस्व वृद्धि घटकर 13 से 15 फीसदी रहने की उम्मीद

वाहन, खुदरा, एफएमसीजी अच्छी वृद्धि दर्ज कर सकते हैं

मक्कड़ ने कहा कि वाहन, खुदरा, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु और आतिथ्य जैसे क्षेत्र घरेलू खपत पर निर्भर होने के कारण सूचना प्रौद्योगिकी, परिधान एवं घरेलू वस्त्र तथा तराशे गए हीरों जैसे निर्यात-आधारित क्षेत्रों की तुलना में बेहतर राजस्व वृद्धि दर्ज कर सकते हैं।

पैकेजिंग के ऊंचे लागत से मार्जिन पर दबाव : इक्रा ने कहा कि कच्चे माल, ईंधन, माल ढुलाई और पैकेजिंग की ऊंची लागत से भारतीय कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन पर दबाव बना रहेगा। दूसरी तिमाही में यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 1-1.5 प्रतिशत तक घट सकता है। मक्कड़ ने कहा कि दूसरी तिमाही में कंपनियों के मुनाफे के परिदृश्य में अप्रैल-जून तिमाही की तरह राजस्व वृद्धि और परिचालन लाभ मार्जिन के बीच अंतर देखने को मिल सकता है।

कम बारिश जोखिम पैदा कर सकता है

मक्कड़ ने कहा कि अगस्त-सितंबर में सामान्य से कम बारिश का अनुमान कृषि उत्पादन और ग्रामीण खपत के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। इससे दूसरी तिमाही में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है, जिसका असर ग्रामीण मांग पर निर्भर और कृषि-आधारित क्षेत्रों की आय वृद्धि तथा मार्जिन पर पड़ सकता है।

बढ़ी लागत का बोझ इन्होंने ग्राहकों पर डाला

इन क्षेत्रों की अधिकांश कंपनियां पश्चिम एशिया संघर्ष और डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से बढ़ी लागत को कीमतों में बढ़ोतरी के जरिये ग्राहकों पर डालने के प्रयास कर रही हैं। इक्रा ने कहा कि धातु एवं खनन, तेल एवं गैस उत्पादन, दूरसंचार और कुछ उपयोगिता कंपनियां अनुकूल कीमतों, परिचालन क्षमता के बेहतर इस्तेमाल या बढ़ी लागत का बोझ ग्राहकों पर डालने के कारण अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं।

तेल शोधन कंपनियों पर मार्जिन घटने का दबाव

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि तेलशोधन कंपनियों के मार्जिन पर पेट्रोलियम उत्पादों से कम वसूली और विपणन मार्जिन घटने के कारण दबाव बना रहेगा। विमानन, वाहन, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे ऊर्जा-गहन क्षेत्रों पर कच्चे तेल और उससे जुड़े उत्पादों, पाम तेल तथा कोयले की ऊंची कीमतों का असर पड़ सकता है। इससे माल ढुलाई और पैकेजिंग सामग्री की लागत भी बढ़ेगी।

अशोका पाम मीडोज में अपार्टमेंट्स की भव्य लॉन्चिंग 36 वर्षों के विश्वास के साथ आरती ग्रुप की नई पेशकश

रायपुर। रायपुर के तेजी से विकसित हो रहे डूंडा क्षेत्र में रियल एस्टेट की नई संभावनाओं के बीच आरती ग्रुप की महत्वाकांक्षी परियोजना 'अशोका पाम मीडोज' में अपार्टमेंट्स की भव्य लॉन्चिंग की गई। करीब 90 एकड़ में विकसित हो रही इस टाउनशिप को आधुनिक जीवनशैली, बेहतर कनेक्टिविटी और प्राकृतिक वातावरण के संतुलन के साथ तैयार किया गया है। प्रोजेक्ट में 3-बीएचके अपार्टमेंट्स के साथ आधुनिक सुविधाओं और हरित वातावरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

36 वर्षों के विश्वास की अमिट पहचान - आरती ग्रुप की पहचान केवल एक रियल एस्टेट कंपनी के रूप में नहीं, बल्कि 36 वर्षों से कायम विश्वास और गुणवत्ता के रूप में बनी है। समूह की नींव 36 वर्ष पूर्व चार दूरदर्शी मित्रों—स्व. श्री रमेश मोदी जी, स्व. श्री किशोर अटलानी जी, श्री राजीव अग्रवाल जी एवं श्री छगनलाल जी मुन्दड़ा ने रखी थी। मूलतः कपड़ा व्यवसाय से जुड़े इन चारों साथियों ने निर्माण क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करने के उद्देश्य से रायपुर के हृदय स्थल शंकर नगर मेन रोड पर अपने पहले महत्वाकांक्षी बहुमंजिला रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट 'अशोका टावर' के साथ भवन निर्माण क्षेत्र में कदम रखा। गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के कारण पहले ही प्रोजेक्ट को अभूतपूर्व सफलता मिली और यहीं से आरती ग्रुप की एक अलग एवं विश्वसनीय पहचान बनी। आज 36 वर्षों की सफल यात्रा के बाद आरती ग्रुप छत्तीसगढ़ के रियल एस्टेट क्षेत्र में एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। इस विश्वास और मूल्यों की विरासत को ग्रुप की युवा पीढ़ी पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रही है।

- फोरलेन और नवा रायपुर कनेक्टिविटी से बढ़ा आकर्षण, 90 एकड़ की टाउनशिप में आधुनिक सुविधाओं के साथ ग्रीन लिविंग पर जोर

आधुनिक जीवनशैली और प्रकृति का संतुलन - आरती ग्रुप के डायरेक्टर ऋतुराज अग्रवाल के नेतृत्व में 'अशोका पाम मीडोज' की परिकल्पना ऐसे परिवारों को ध्यान में रखकर की गई है, जो आधुनिक सुविधाओं के साथ खुला, हराभरा और बेहतर जीवन चाहते हैं। प्रोजेक्ट में ग्रीनरी, खुला वातावरण और आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पहली 100 बुकिंग पर मेगा लकी ड्रॉ 'अशोका पाम मीडोज' की लॉन्चिंग को खास बनाने के लिए पहली 100 बुकिंग करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष मेगा लकी ड्रॉ भी रखा गया है। इसमें फर्स्ट विनर को 30 लाख की ईवी कार, सेकंड विनर को 20 लाख की ईवी कार और थर्ड विनर को 10 लाख की ईवी कार पुरस्कार के रूप में दी जाएगी। इसके अलावा तीन भाग्यशाली विजेताओं को एक-एक क्लासिक ईवी स्कूटर भी इनाम में दिए जाएंगे। यह आकर्षक लकी ड्रॉ शुरुआती बुकिंग करने वाले ग्राहकों के लिए अतिरिक्त आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

आज बुकिंग का खास मौका

लॉन्चिंग के अवसर पर 'सिर्फ 20% दीजिए और आज ही चाबी लीजिए, अगले 18 महीने कोई पेमेंट नहीं' जैसी विशेष योजना भी ग्राहकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यह ऑफर उन परिवारों के लिए खास अवसर बन सकता है, जो आधुनिक सुविधाओं से युक्त अपने नए घर की तलाश में हैं।

सोना 800 रुपए और टूटा, चांदी स्थिर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई। स्थानीय बाजारों में रक्षाबंधन के त्योहार से पहले सोने की कीमत 800 रुपये टूटकर 1,65,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 1,66,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमत 2,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही। सोने की कीमतों में यह गिरावट रक्षाबंधन से एक दिन पहले आई है, जब आम तौर पर लोग उपहार और गहने ज्यादा खरीदते हैं। शुक्रवार को मनाए जाने वाले इस त्योहार पर भाई-बहन एक-दूसरे को उपहार देते हैं और त्योहार की खरीदारी में सोने-चांदी के गहनों की अहम भूमिका होती है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के कारण भी सोने की कीमतों में गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि बृहस्पतिवार को हाजिर सोने की कीमतों में गिरावट आई।

- सोना 1,65,700 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई

ई20 को ई10 से बदलने का फैसला नहीं, पुराने वाहन के लिए कम एथेनॉल वाले पेट्रोल पर चर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की दूसरी सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि ई20 पेट्रोल को ई10 से बदलने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि फिलहाल चर्चा पुराने वाहनों के लिए कम एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल का विकल्प उपलब्ध कराने और देशभर में इसकी आपूर्ति की व्यवस्था को लेकर है। बीपीसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर सरकार एथनॉल मिश्रण नीति में बदलाव करती है तो ई20 से ई10 पेट्रोल पर जाने में कंपनी को कोई परिचालन या आपूर्ति संबंधी बड़ी चुनौती नहीं होगी। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी नहीं कहा कि ई20 को ई10 से बदला जाएगा।

एथेनॉल मिश्रण नीति में बदलाव को लेकर अंतिम फैसला नहीं

चेयरमैन ने कहा कि कुछ हलकों में यह चर्चा जरूर हो रही है कि पुराने वाहन के मालिकों को कम एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल का विकल्प दिया जाना चाहिए। खन्ना ने कहा, ''इसका मतलब यह नहीं है कि ई20 खत्म हो जाएगा और ई10 आ जाएगा।'' उन्होंने कहा कि एथनॉल मिश्रण नीति में बदलाव को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। देशभर में फैले बड़े ईंधन वितरण नेटवर्क के कारण एक अतिरिक्त ग्रेड के पेट्रोल की समानांतर आपूर्ति करना अधिक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती हो सकती है। यह चर्चा ऐसे समय हो रही है जब पुराने वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल उपलब्ध कराने की मांग उठ रही है। ई10 में 10 प्रतिशत एथनॉल और ई20 में 20 प्रतिशत एथनॉल होता है।

कम एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल की वकालत : भारत ने कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने, उत्सर्जन कम करने और घरेलू एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण लगातार बढ़ाया है।

PRESS NOTICE

NOTICE INVITING e-tender (2nd Call)

Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-1) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College and allied infrastructure development work at Village Charaidand, Block Duldula District Jashpur in Chhattisgarh.

Chhattisgarh Medical Services Corporation LTD. (CGMSCL), 4th Floor, CGHB Commercial Complex, South-East Corner, sector 27, Nava Raipur Atal Nagar Chhattisgarh 492015, as Executing Agency for the Construction Of Government Medical Colleges And Allied Infrastructure Development With Services At Village Charaidand, Block Duldula District Jashpur in Chhattisgarh for this Project, invites online bids for Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-1) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College and allied infrastructure development work at Village Charaidand, Block Duldula District Jashpur in Chhattisgarh through e-tendering from eligible contractors/firms in two bid system for the following work :-

Name and Description of work	Estimated cost (Rs.)	Completion period of Work	Last date to fill/upload the bid through e-biding	Bid Security amount
Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-1) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College and allied infrastructure development work with all services at Village Charaidand, Block Duldula District Jashpur in Chhattisgarh. (2nd Call)	Rs. 319.66 Crs.	24 Months	16.09.2026 Up to 17:00Hrs	Rs.319.66 Lakhs

The bid document shall be available online from 31.08.2026,
Pre-Bid Meeting Date 07.09.2026 Time: 11:00 A.M. at Head Office CGMSC, Bid Opening Date - 18.09.2026
For submission & other bid details, please refer detailed NIT available on websites www.eproc.cgstate.gov.in, e-Procurement System Corrigendum/amendments etc., if any, will be notified on these websites only and separate advertisement will not be made for the same CGMSCL reserves the right to accept or reject any application without assigning any reason or incurring any liability whatsoever.

संवाद-48889 Superintending Engineer

OFFICE OF THE COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 842 /RAIPUR DATED: 27/08/2026

Online bids are invited for the following works of works up to 18.09.2026 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate (In Lakh)
1	198393	मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड क्रमांक 59 अंतर्गत पचपेड़ी नाका के समीप मंगल भवन कार्य।	4237430.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in from 27.08.2026, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE:-1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID- helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें।

ZONE COMMISSIONER
(ZONE NO. 06)
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय हरदीबाजार, जिला-कोरबा (छ.ग.)
NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त
Email-gbvphardibazar@gmail.com,Web.-ggbc.ac.in, विशिष्ट कोड-3109, Contact No. 7987342256

क्रमांक-758/2026 **अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन** हरदीबाजार, दिनांक 25/08/2026

शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय, हरदीबाजार, जिला कोरबा (छ.ग.) के प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक के नियमित रिक्त पदों के विरूद्ध अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता एवं अतिथि शिक्षण सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 04.09.2026, को सायं 5:30 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्रमांक	विषय	रिक्त पद एवं संख्या
		सहायक प्राध्यापक पद के विरूद्ध
01.	भौतिकशास्त्र	01
02	भूगर्भशास्त्र	02
योग		03

नोट:- विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड, महाविद्यालय की वेबसाईट www.ggbc.ac.in में अपलोड किया गया है। जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य
शास. ग्राम्य भारती महाविद्यालय
हरदीबाजार, जिला- कोरबा (छ.ग.)

जी-262702996/1

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	198082 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	बलौदाबाजार-भाटापारा के शिवनाथ नदी के सेमरियाघाट पर सेमरिया अमलीडीह मार्ग में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	1704.15
2	198083 तृतीय आमंत्रण 21.08.2026	अण्डी किरकार जगमहन से सातबहीनिया तक मार्ग लंबाई 5.30 कि.मी. का निर्माण कार्य।	762.48
3	198084 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	जिला दुर्ग के दुर्ग धमधा बेमेतरा मार्ग के कि.मी. 4/6 से 7/8 लंबाई 7.221 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 2660 मीटर) तक दोनो ओर नाली निर्माण कार्य।	473.85
4	198097 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	जिला रायगढ के बनोरा से डुमरपाली मार्ग में सपनई नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	381.86
5	198099 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	जिला गरियाबंद के खरीपाथर से कोतरीडोंगरी मार्ग में खैरा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	269.96
6	198102 नौवां आमंत्रण 21.08.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	367.10
7	198106 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	जिला मुख्यालय अंबिकापुर जिला सरगुजा (अंबिकापुर) के न्यायिक कर्मचारियों हेतु कुल 17 नग (08 नग डी टाईप, 03 नग ई-टाईप, एवं 06 नग एफ टाईप) शासकीय आवास गृह का निर्माण कार्य।	998.63
8	198122 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	PM USHA Component Grants to Strengthen Colleges (GSC) अंतर्गत बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी में नवीन निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतिकरण कार्य सहित । जमा मद।	294.02
9	198123 पंचम आमंत्रण 21.08.2026	जिला रायगढ़ के रायगढ़ के चिराईपानी मार्ग के कि.मी. 9/2 में चिराईपानी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	424.23
10	198124 तृतीय आमंत्रण 21.08.2026	वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल जिला कांकेर के मॉलगांव से छिन्दपारा पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. निर्माण कार्य।	310.44
11	198126 सातवां आमंत्रण 21.08.2026	जिला कोरबा के लेमरू श्यांग मार्ग में लमटी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	370.64
12	198138 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	जिला कोण्डागांव के कोपाबेडा नारियल प्लॉट भीरागांव मार्ग लंबाई 1.75 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	212.19
13	198139 द्वितीय आमंत्रण 21.08.2026	डोंगरसिलाटी से कांवरा मार्ग कि.मी. 1/2 से 3/6 लंबाई 2.50 कि. मी. निर्माण कार्य, पुल-पुलिया सहित।	274.63
14	198168 प्रथम आमंत्रण 21.08.2026	केन्द्र प्रवर्तित योजना स्ट्रेंथनिंग एण्ड अपग्रेडेशन ऑफ स्टेट गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज फॉर इंक्रिज इन यूजी / एम.बी.बी.एस. सीट्स हेतु शासकीय महाविद्यालय अंबिकापुर का निर्माण कार्य, जमा मद ।	3967.42

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 02, सं.क्र 06 दिनांक 01.09.2026, सं.क. 08, सं.क. 12 से सं.क. 13 दिनांक 09.09.2026, स.क्र. 14 दिनांक 15.09.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 07.09.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी. 262702980/3

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छ.ग. शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की उत्तरवर्ती कंपनी)
सी.आई.एन. - U40108 CT2003 SGC015822
कार्या. - कार्यपालन अभियंता (नगर) संभाग-दो, पश्चिम, बिलासपुर (छ.ग.)
दूरभाष क्रमांक 07752-427091 वेबसाईट: www.cspdcl.co.in टेलीफोन नं.: 07752.427091

क्रमांक / का.अ. / न.सं.प. / सामा. / 1949 बिलासपुर, दिनांक 27.08.2026

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निर्माण कार्य एवं रख-रखाव का कार्य किये जाने हेतु तालिका में दर्शाए गये क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, आवश्यकतानुसार समयावधि घटाया/बढ़ाया जा सकता है।

क्र.	समय	दिनांक/ दिन	उपकेन्द्र	फीडर	प्रभावित क्षेत्र
1	सुबह 11.00 से 01.00 बजे	29.08.2026 शनिवार	33/11 के.व्ही. नेहरू नगर उपकेन्द्र	11 के.व्ही. महर्षि फीडर	सेंट फ्रांसिस, शांतिनगर, मंगला चौक, शिवम हाईट्स, अमेरी रोड, ठेठा डबरी, एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के.व्ही. जतिया तालाब फीडर	गांधी नगर, परिजात कॉलोनी, श्रीराम विहार, परिजात शीला, ओम गार्डन, अर्चना विहार एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के.व्ही. मुंगेली रोड फीडर	शुभम विहार, ओम जोन, मिनोचा कॉलोनी, ग्रीन गार्डन, नंद विहार, बचपन स्कूल के आसपास, नर्मदा नगर, नेहरू नगर गंगा नगर, मुंद्रा हॉस्पीटल, रोमन हाईट एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के.व्ही. सर्किट हाउस फीडर	लुबिना कोर्ट, गणेश चौक से मुंगेली नाका, लुथरा हॉस्पीटल एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के.व्ही. ईमरजेंसी फीडर	गणेश चौक, बलराम टॉकिज, कारगिल चौक, मेहता बिल्डिंग, गीताजंली अपार्टमेंट, पी.डी. धरमशाला एवं आसपास का क्षेत्र ।
					HT Connection- Shri Ram care hospital, 36 City Mall, BSR Hospital, Haribhumi

"विद्युत संबंधित शिकायतें केंद्रीकृत कॉल सेंटर के फोन नं. 1912 पर दर्ज करावें।"
"विद्युत देयक का भुगतान नियमित करें।"
"असुविधा के लिये खेद है।"

कार्यपालन अभियंता (न.सं.-दो)
पश्चिम छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि., बिलासपुर

संवाद- 48881

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

सूचना-'रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)'
(NEET-JEE Online Coaching)
क्र0/15017/DMF/NEET/JEE Online कोचिंग / 2026
अम्बिकापुर, दिनांक 25/08/2026

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सरगुजा जिले के शासकीय विद्यालयों के कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय (जीवविज्ञान एवं गणित संकाय) में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 हेतु NEET/JEE Online कोचिंग हेतु सुविधा उपलब्ध कराये जाने बावत विभिन्न कोचिंग संस्थानों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) दिनांक 25/08/2026 तक कार्यालयीन समयावधि में मंगाये गये हैं। उक्त Online कोचिंग प्रदान किये जाने के उद्देश्य से सर्वश्रेष्ठ कोचिंग संस्थान का चयन / चिन्हांकन किये जाने हेतु रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) जारी की गई थी। उक्त रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) जमा करने की अंतिम तिथि 25/08/2026 दिन बुधवार सायं 5:30 बजे तक निर्धारित थी। उक्त रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) जमा करने की अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए दिनांक 02.09.2026 दिन बुधवार सायं 5:30 बजे तक निर्धारित की जाती है। निविदा खोलने की तिथि की सूचना निविदाकर्ताओं को पृथक से दी जावेगी। इच्छुक संस्थान 'कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी अम्बिकापुर, सरगुजा, सिटी कोतवाली थाना के सामने, गुरूनानक चौक, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) पिन कोड-497001' में रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) / निविदा (बंद लिफाफा) पंजीकृत डाक अथवा व्यक्तिशः जमा कर सकते हैं। रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) का विस्तृत विवरण सरगुजा जिले की वेबसाइट www.surguja.gov.in एवं कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी अम्बिकापुर के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

(कलेक्टर सरगुजा द्वारा अनुमोदित)

जिला शिक्षा अधिकारी,
अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

जी. 262703001/1

गैंगस्टर मयंक के फेसबुक का आईपी एड्रेस किसके नाम से था, कोर्ट में पुलिस बता नहीं पाई

निक नेम से कोर्ट में किया चालान पेश, इसलिए गैंगस्टर को मयंक साबित नहीं कर पाई पुलिस

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

डकैती की योजना बनाते में दो वर्ष पूर्व गिरफ्तार पुलिस एनकाउंटर में ढेर किए गए अमन साव तथा गैंगस्टर मयंक सिंह, उनके चार शूटर्स के कोर्ट से रिहा होने के मामले में पुलिस इनवेस्टिगेशन में कई चूक किए जाने की बात सामने आई है। इस हाईप्रोफाइल केस में पुलिस की जांच पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए जा रहे हैं। मलेशिया से बैठकर गैंग ऑपरेट करने वाले मयंक सिंह को पुलिस कोर्ट में मयंक साबित नहीं कर पाई। कोर्ट से मिले प्रोटेक्शन आर्डर के आधार पर पुलिस ने झारखंड जेल में बंद मयंक सिंह को अरेस्ट कर पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दिया।

मयंक सिंह को कोर्ट में पेश करने के बाद पुलिस उसे गैंगस्टर साबित करने में नाकाम रही। इस संबंध में पुलिस को कहना है कि गैंगस्टर का मलेशिया से प्रत्यर्पण मयंक सिंह के नाम से हुआ है। इसके अलावा झारखंड

साक्ष्य के तौर पर गैंगस्टर के मैसेज, प्रोफाइल फोटो ही पुलिस कोर्ट में पेश कर पाई

जेल प्रशासन ने, जिसे मयंक सिंह बताकर उनके सुपुर्द किया है। इससे ज्यादा गैंगस्टर का पहचान और क्या हो सकती है।

बचाव पक्ष ने कहा- दस्तावेजी प्रमाण पेश नहीं कर पाई पुलिस

बचाव पक्ष के वकील के अनुसार, पुलिस ने जिसे गैंगस्टर मयंक सिंह बताकर कोर्ट में पेश किया। उसके मयंक होने के सबूत के तौर पर पुलिस ने केवल फेसबुक पोस्ट की कॉपी कोर्ट में पेश कर पाई। इसके अलावा उसके खिलाफ कोई और दस्तावेजी प्रमाण पेश नहीं कर पाई। जिसे पुलिस मयंक सिंह बता रहे थे, वह वास्तव में सुनील कुमार मीणा है।

फेसबुक का आईपी एड्रेस नहीं बता पाई पुलिस

गैंगस्टर मयंक सिंह फेसबुक के माध्यम से अमन साव और उसके साथियों को निर्देश देता था। इसके अलावा किसी को धमकाने के लिए वह फेसबुक के माध्यम से पोस्ट करता था। जिस फेसबुक के माध्यम से मयंक सिंह पोस्ट करता था, उस फेसबुक पेज का आईपी एड्रेस किसका था। फेसबुक पेज का हैंडलर कौन था। इस संबंध में पुलिस कोर्ट में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर पाई, इस कारण मयंक सिंह को संदेह का लाभ मिलने की बात कानूनी जानकार बता रहे हैं।

गवाह की शिनाख्त और पिस्तौल जब्ती पर उठे सवाल

मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन के दावों में कई कमियां उजागर हुईं। गैंगस्टर मयंक सिंह की पहचान साबित नहीं कर पाने के अलावा आरोपियों के पास से पिस्तौल की जब्ती और उसकी पूरी कानूनी प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए, जिससे पुलिस की पूरी कहानी संदेह के दायरे में आ गई। रोहित स्वर्णकार, मुकेश कुमार, देवेंद्र सिंह, राजबीर सिंह, पप्पू सिंह उर्फ पापसा अमन को कोर्ट ने बरी कर दिया।

बचाव पक्ष ने दी यह दलील

बचाव पक्ष के वकीलों ने अदालत में तर्क दिया कि पुलिस ने आरोपियों पर डकैती की योजना बनाने और अवैध हथियार रखने के गंभीर आरोप तो लगाए, लेकिन सुनवाई के दौरान इनके समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकी। मयंक सिंह नाम के व्यक्ति को लेकर भी पुलिस की थ्योरी पूरी तरह अस्पष्ट रही। अदालत ने इन सभी तथ्यों और साक्ष्यों के अभाव को देखते हुए सभी आरोपियों को बरी करने का आदेश सुनाया।

छत्तीसगढ़ के गर्वनर पर आपत्तिजनक कमेंट्स
सार्वजनिक माफी मांगनी होगी: हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका के खिलाफ प्रणव कलिता और लक्ष्यधर राजबोंगसी ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में हाईकोर्ट ने दोनों को शर्तों के साथ राहत दी है। कोर्ट ने दोनों को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और अपने फेसबुक अकाउंट पर प्रमुखता से माफी का पोस्ट करने का निर्देश दिया है। साथ ही सोशल मीडिया से आपत्तिजनक सामग्री हमेशा के लिए हटाने और आगे ऐसी गलती दोबारा नहीं करने का शपथपत्र देने को कहा है।

दरअसल, प्रणव कलिता और लक्ष्यधर राजबोंगसी ने अपने-अपने फेसबुक अकाउंट से असमिया भाषा में राज्यपाल रामेन डेका के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अपमानजनक लेख पोस्ट किए थे। इसके साथ ही कार्टून बनाकर भी वायरल किया था। जिसकी शिकायत के बाद राजभवन की ओर से रायपुर के सिविल लाइंस थाने में दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कराई गई। बाद में मामला रायपुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पहुंचा। एफआईआर रद्द कराने के लिए दोनों ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान दोनों ने बिना शर्त माफी मांगने और आपत्तिजनक सामग्री हमेशा के लिए हटाने की बात कही। इस पर सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मनोज गोयल ने आपत्ति जताते हुए कहा कि दोनों ने जो किया है, उसे माफ नहीं किया जा सकता। इसके बाद दोनों याचिकाकर्ताओं ने दोबारा माफी मांगते हुए हाईकोर्ट में शपथ पत्र पेश किया।

कड़ी शर्तों के साथ समझौते पर सहमति

राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिवक्ता ने कुछ कड़ी शर्तों के साथ समझौते पर सहमति व्यक्त की। सुनवाई के दौरान यह तर्क भी रखा गया कि राज्यपाल छत्तीसगढ़ के प्रथम नागरिक और संवैधानिक पद पर हैं। उनके पद की गरिमा और छवि को नुकसान पहुंचाने वाली ऐसी टिप्पणी से अलग-अलग वर्गों के बीच तनाव और विवाद बढ़ सकता है। इससे दोनों राज्यों में शांति व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका जताई गई। हाईकोर्ट के आदेश का आधार याचिकाकर्ताओं की ओर से माफी मांगने और आपत्तिजनक सामग्री हटाने की सहमति रही। कोर्ट ने दोनों को शर्तों के साथ राहत दी है। अब उन्हें सार्वजनिक रूप से और कोर्ट के सामने माफी मांगनी होगी, सोशल मीडिया से आपत्तिजनक सामग्री पूरी तरह हटानी होगी।

कार्यालय – अधीक्षण अभियंता (सिविल) एश यूटीलाईजेशन एंड पॉलूशन कन्ट्रोल
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी मर्यादित : कोरबा पश्चिम

क्रं. 017-27/1x500मे.वा./ए.यू.एण्ड पी.सी./2721 कोरबा पश्चिम, दिनांक 21.08.26

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु छ.रा.विद्युत मंडल/छ.रा.विद्युत उत्पादन कम्पनी में समान कार्य में अनुभवी एवं उपयुक्त श्रेणी अथवा शासकीय विभाग/उपक्रम में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में मुहरबंद निविदाएं अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित है। अपंजीकृत ठेकेदार जिन्हें शासकीय विभाग/उपक्रम में समान कार्यो का अनुभव हो, वे अपने आवेदन के साथ कम से कम कार्यपालन अभियंता स्तर के अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण प्रस्तुत करने पर विचार किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 08.09.2026 निविदा विक्रय की अंतिम तिथि 08.09.2026 तथा निविदा खुलने की तिथि 09.09.2026 होगी।

01.निविदा विशेषीकरण क्रमांक:–SE(C)/AU&PC/1x500MW/2026-27- 08. कार्य का नाम: **Assistance service in day to day office computer work and peon for S.E.(Civil) AU&PC 1x500MW, E.E.(Civil) AU&PC Dn.-I and E.E.(Civil) AU&PC Dn.-II 1x500 MW Extn. HTPS, CSPGCL, Korba West** अनुमानित लागत : रू. 11,33,325/–। बयाने की राशि : रू.11,400/–। निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु 590/–। निविदाकारों की श्रेणी : वाहन मालिक या वाहन आपूर्तिकर्ता के पास समान कार्य का अनुभव। कार्य पूर्ण करने की अवधि : 12 माह (वर्षा ऋतु सहित)। दर : आयटम दर प्रपत्र–ब। रखरखाव अवधि : निरंक।

अधीक्षण अभियंता (सिविल)
ए.यू.एण्ड पी.सी 1x500 मे.वा.
ह.ता.वि.गृह छ.रा.वि.उ.कं.लि. कोरबा (पश्चिम)

1484 वनरक्षक पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज, 13 दिसंबर को लिखित परीक्षा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में युवाओं के लिए बड़ी सौगात देते हुए वन विभाग में रिक्त 1484 वनरक्षक पदों की भर्ती प्रक्रिया तेज कर दी गई है। 13 दिसंबर को इसके लिए लिखित परीक्षा ली जाएगी। शारीरिक मापदण्ड एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा पूर्ण करने वाले 16,762 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में शामिल होंगे।

वनमंत्री केदार कश्यप के विशेष प्रयासों और भर्ती प्रक्रिया की सतत समीक्षा के परिणामस्वरूप लंबित मामलों का त्वरित निराकरण करते हुए लिखित परीक्षा कार्यक्रम को समयबद्ध रूप से अंतिम रूप दिया गया है। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि युवाओं के भविष्य से जुड़ी इस भर्ती प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी तरीके से जल्द पूर्ण किया जाए।

- युवाओं के भविष्य से जुड़ी भर्ती निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से पूरी होगी प्रक्रिया : कश्यप

अभ्यर्थियों को आश्वस्त करते हुए वनमंत्री ने कहा, पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। प्रत्येक योग्य अभ्यर्थी को समान अवसर मिले, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अनियमितता के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वनरक्षक वन विभाग की मैदानी व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ियों में से एक हैं। वनों की सुरक्षा, वन्यजीव संरक्षण, अवैध कटाई की रोकथाम, वन अपराधों पर नियंत्रण तथा स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेष रूप से कभी नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और विकास का दायरा बढ़ने के साथ वन प्रबंधन एवं संरक्षण गतिविधियों का भी विस्तार हो रहा है। ऐसे में वन विभाग को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने तथा वन क्षेत्रों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वनरक्षकों की नियुक्ति महत्वपूर्ण साबित होगी।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, प्रदेश के हजारों युवा लंबे समय से इस अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं और पूरी लगन के साथ तैयारी में जुटे हैं। हमारी सरकार युवाओं के परिश्रम, सपनों और आकांक्षाओं का सम्मान करती है। हमारा प्रयास है कि भर्ती प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी हो और योग्य युवाओं को जल्द से जल्द रोजगार एवं प्रदेश की सेवा का अवसर मिले।

कार्यालय, नगर पंचायत, धरमजयगढ़ जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

क./340/लो.नि.वि/न.प./2026-27 धरमजयगढ़ दिनांक 25/08/2026

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पंचायत, धरमजयगढ़, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	198278	विभिन्न वाडों में पाईप लाईन विस्तार कार्य। (वार्ड क्र. 01.09.10 एवं 14)	RS. 25.73	17.09.2026
2	198281	विभिन्न वाडों में पाईप लाईन विस्तार कार्य। (वार्ड क्र. 01.03 एवं 08)	RS. 50.78	17.09.2026
3	198283	विभिन्न वाडों में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (01,02,05.06 एवं 11)	RS. 25.32	17.09.2026
4	198284	विभिन्न वाडों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (03,04,05 एवं 07)	RS. 22.07	17.09.2026
5	198292	वार्ड क्र.12 विनोद अग्रवाल घर से गोकुल यादव घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	RS. 17.35	17.09.2026
6	198293	विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (13,14 एवं 15)	RS. 19.30	17.09.2026
7	198294	जोनल कार्य (वार्ड क्र. 01 से 08 तक)	RS. 16.00	15.09.2026
8	198296	साई मंदिर से पाल मेडिकल होते हुये गुड़िया घर से चौक होते हुए बेरियर चौक तक एवं साई मंदिर से शिव मंदिर तुर्रा तक बी.टी.टापिंग कार्य।	RS. 34.83	17.09.2026
9	198297	विभिन्न वार्डों में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य। (02,09,10 एवं 11)	RS. 42.58	17.09.2026
10	198301	विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (08,09,10 एवं 11)	RS. 27.43	17.09.2026
11	Gem/ 2026 B7957080	प्लेसमेंट के तहत (कुशल / अकुशल / अर्द्धकुशल/उच्च कुशल) श्रमिक प्रदाय आपूर्ति।	RS. 30.41	15.09.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & www.cguad.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत धरमजयगढ़

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/एसएएम/कल्याणी/कार्मिक/26-27/326

सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल भटगांव क्षेत्रान्तर्गत शिवानी भूमिगत खदान परियोजना के खनन कार्य हेतु ग्राम बंशिपुर के निम्नलिखित भू-विस्थापितों एवं उनके द्वारा नामित आश्रित/उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बाबत् औपचारिकताएं यथाशीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा। तत्सम्बंध में भूस्वामियों एवं प्रस्तावित व्यक्तियों द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है :-

स. क्र.	1A & 1B भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा न.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजो में नाम
1	2	3	4	5	6
1	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - बरातु आ. हीरासाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - बरातू पिता हीरासाय गोंड राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - बरातू आ. हीरासाय आधार कार्ड में नाम - बरातु आ. हीरा साय वोटर कार्ड मे नाम - बरातु आ. हीरासाय वंशवृक्ष मे नाम - बरातु आ. हीरासाय	719/1P 722/1P 1480/1 1591/1 1603/1 1630/1 1645/1 1647/1	0.010 0.040 0.170 0.150 0.040 0.230 0.070 1.010 **1.720**	शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह	नामांकन मे नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह वंश वृक्ष में नाम - शिवनाथ सिंह आ. बरातू आधार कार्ड मे नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातू सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SHIV NATH SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम- धरमपाल आ. धोधी, नानु, टुबली पुत्री धोधी राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - धरमपाल वगैरह पिता धोधी राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - धरमपाल आ. धोधी, नान, टुबली पुत्री धोधी आधार कार्ड में नाम- 1. धरमपाल आ. धोधी, 2. नान पति पुरन सिंह, 3. टुबली पति परमेश्वर वोटर कार्ड मे नाम-1. धरमपाल मरावी आ. धोधी मरावी 2. नान पति पुरन टेकाम 3. टुबली पति पनमेश्वर पावले वंशवृक्ष मे नाम - धरम पाल आ. धोधी	1511/1 1518/1 1433/1 1472/1	0.060 0.280 0.280 0.600 **1.220**	चन्द्रदेव सिंह पिता बरातु	नामांकन मे नाम - चन्द्रदेव सिंह पिता बरातु वंश वृक्ष में नाम - चन्द्रदेव सिंह आ. बरातू आधार कार्ड मे नाम - चन्द्र देव सिंह आ. बरातु जाति, प्रमाण पत्र में नाम - चन्द्र देव सिंह आ. बरातु निवास प्रमाण पत्र में नाम - चन्द्र देव सिंह आ. बरातु शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - NA
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रीझन आ. सोमारू, सहालो पति रीझन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रीझन राम आ. सोमारू, सहालो पति रीझन राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - बंशलाल पिता रीझन कंवर आधार कार्ड में नाम - 1. रीझन आ. सोमारु 2. सहलो पति रोजहां वोटर कार्ड मे नाम - 1. रोझन आ. सोमारु 2. सहालो पिता रीझन वंशवृक्ष मे नाम - रीझन आ. सोमारू	1415 1474/3 1520/3	0.080 0.270 0.150 **0.500**	सुरेश सिंह पिता बरातु सिंह	नामांकन मे नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु वंश वृक्ष में नाम - सुरेश पिता बरातु आधार कार्ड मे नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु जाति, प्रमाण पत्र में नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SURESH SINGH S/O BARATU SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - हंसलाल आ. रीझन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - हंसलाल आ. रीझन कंवर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - हंसलाल पिता रीझन कंवर आधार कार्ड में नाम - हंसलाल आ. रीझन वोटर कार्ड मे नाम - हंसलाल आ. रिझन राम कंवर वंशवृक्ष मे नाम - हंशलाल आ. रीझन	1412 1413 1474/1 1520/1	0.050 0.060 0.260 0.120 **0.490**	जनक सिंह पिता धरमपाल	नामांकन मे नाम - जनक सिंह पिता धरमपाल वंश वृक्ष में नाम - जनक सिंह आ. धरम पाल आधार कार्ड मे नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल जाति, प्रमाण पत्र में नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल निवास प्रमाण पत्र में नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - ओमप्रकाश आ. रीझन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - ओमप्रकाश आ. रीझन कंवर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - ओम प्रकाश पिता रीझन कंवर आधार कार्ड में नाम - ओमप्रकाश आ. रीझन राम वोटर कार्ड मे नाम - ओमप्रकाश आ. रिझन राम वंशवृक्ष मे नाम - ओमप्रकाश आ. रिझन	1414 1474/2 1520/2	0.080 0.270 0.150 **0.500**	सोना बाई पिता रीझन राम	नामांकन मे नाम - सोना बाई पिता रीझन राम वंश वृक्ष में नाम - सोनाबाई पुत्री रीझन आधार कार्ड मे नाम - सोना बाई पिता रीझन जाति, प्रमाण पत्र में नाम - कु सोना बाई पिता रीझन राम निवास प्रमाण पत्र में नाम - कु सोना बाई पिता रीझन राम शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - सोना बाई पिता रीझन राम
	1A&1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम-जगतलाल पैकरा,साधारण पैकरा आ.समल पैकरा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - साधारण पैकरा वगै. आ. समल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - समल आ. सुखराज कंवर आधार कार्ड में नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. सम्मल वोटर कार्ड मे नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. समल पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - सधारण आ. स्व. समल	1431/2 1521	0.280 0.090 **0.370**	शेष कुमार पैकरा पिता हंसलाल पैकरा	नामांकन मे नाम - शेष कुमार पैकरा पिता हंसलाल पैकरा वंश वृक्ष में नाम - शेष कुमार पैकरा आ. हंशलाल आधार कार्ड मे नाम - शेष कुमार पैकरा आ. हँसलाल जाति, प्रमाण पत्र में नाम-शेष कुमार पैकरा आ.हंसलाल पैकरा निवास प्रमाण पत्र में नाम-शेष कुमार पैकरा आ.हंसलाल पैकरा शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SHEASH KUMAR PAIKRA S/o HANSLAL PAIKRA
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - समल आ. सुखराज, सुमेर बेवा सुखराज राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - साधारण वगै. आ. समल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - समल आ. सखराज, सुमेर बेवा सखराज आधार कार्ड में नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. सम्मल वोटर कार्ड मे नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. समल पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - सधारण आ. स्व. समल	1185/1 1159/1 1160/1	0.010 0.100 0.160 **0.270**	अलका पैकरा पति ओमप्रकाश	नामांकन मे नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश वंश वृक्ष में नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश आधार कार्ड मे नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश जाति, प्रमाण पत्र में नाम - अलका पैंकरा पिता विमल साय निवास प्रमाण पत्र में नाम - अलका पैंकरा पति ओमप्रकाश शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम- ALKA PAINKRA D/o VIMAL SAI
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम -1. जेठू आ. दलवीर, 2. कलेश्वर आ. दलवीर 3. कनीलाल आ. दलवीर, 4. सिंगारो पति दलवीर राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - 1. जेठु आ. दलवीर, 2. कलेश्वर आ. दलवीर 3. कनीलाल आ. दलवीर, 4. सिंगारो बेवा दलवीर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम -1. जेठूराम टेकाम,2. कलेश्वर,3. कनीलाल,4. सिंगारो आधार कार्ड में नाम - 1. जेठूराम टेकाम आ. दलवीर, 2. कलेशवर आ. दलबीर 3. कन्नी लाल आ. डलवीर, 4. सिंगारो पति दलबीर वोटर कार्ड मे नाम - 1. जेठूराम टेकाम आ. दलवीर सिंह, 2. कलेश्वर गोंड आ. दलबीर गोंड 3. कन्नीलाल कौशिक आ. दलबीर कौशिक, 4. सिंगारो कौशिक पति दलबीर कौशिक वंशवृक्ष मे नाम - NA	1177/2 1178/1	0.300 0.160 **0.460**	ईश्वर प्रसाद पिता साधारण	नामांकन मे नाम - ईश्वर प्रसाद पिता साधारण वंश वृक्ष में नाम - ईश्वर प्रसाद पिता सधारण आधार कार्ड मे नाम - ईश्वर प्रसाद पिता साधारण जाति, प्रमाण पत्र में नाम - ईश्वर प्रसाद पिता सधारण निवास प्रमाण पत्र में नाम - ईश्वर प्रसाद पिता सधारण शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - ISHWAR PRASAD S/o SADHARAN
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - मनियारो पुत्री सोमारू राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - मनियारो पुत्री सोमारू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - मनियारो पुत्री सोमारू कंवर आधार कार्ड में नाम - मनियारो पैकरा पति झिरूलाल पैकरा वोटर कार्ड मे नाम - मनियारो पैकरा पति झीरुलाल पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - NA	1416 1417	0.180 0.240 **0.420**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामकुमारी पुत्री रामलसाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - एम कुमारी पैंकरा पिता समयलाल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामकुमारी आ. समलसाय आधार कार्ड में नाम - एमकुमारी पैकरा पति नंदू राम वोटर कार्ड मे नाम - एमकुमारी पैकरा पति नन्दू पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - NA	1468	0.210 **0.210**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - कलेसरी आ. पवनसाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - कलेशरी आ. पवन साय कंवर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - कलेशरी आ. पवनसाय आधार कार्ड में नाम - कलेशरी पति जवाहर लाल वोटर कार्ड मे नाम - कलेशरी कंवर पति जवाहर कंवर वंशवृक्ष मे नाम - NA	1341/3	0.200 **0.200**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - छत्तर सिंह आ. यदुनाथ राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - छत्तर सिंह आ. जदुनाथ गोंड राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - छत्तरसिंह आ. यदुनाथ आधार कार्ड में नाम - छत्तर सिंह आ. जदुनाथ वोटर कार्ड मे नाम - छत्तरधारी मरकाम आ. जदुनाथ मरकाम वंशवृक्ष मे नाम - NA	1987P	0.170 **0.170**		
		Total	6.530		(08 रोजगार)
2	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - मूलसाय आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - मूलसाय आ. गेदवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - मूलसाय, आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा आधार कार्ड में नाम - मूल साय आ. गेदवा वोटर कार्ड मे नाम - मूलसाय आ. गेदवा वंशवृक्ष मे नाम - मूलसाय आ. गेदवा	1518/2 1433/2 1472/2	0.100 0.090 0.220 **0.410**	ललीता प्रसाद आ. मुलसाय	नामांकन मे नाम - ललीता प्रसाद आ. मूलसाय वंश वृक्ष में नाम - ललीता प्रसाद आ. मूलसाय आधार कार्ड मे नाम - ललीता प्रसाद आ. मूल साय जाति, प्रमाण पत्र में नाम - ललीता प्रसाद आ. मुल साय निवास प्रमाण पत्र में नाम - ललीता प्रसाद आ. मुलसाय शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - LALITA PRASAD S/O MOOL SAY
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामफल आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामफल आ. गेदवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामफल पिता गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा आधार कार्ड में नाम - रामफल आ. गेदवा वोटर कार्ड मे नाम - रामफल आ. गेदवा वंशवृक्ष मे नाम - रामफल आ. गेदवा	1433/3 1472/3 1511/2 1518/4	0.100 0.190 0.050 0.060 **0.400**	दहीबल सिंह आ. रामफल	नामांकन मे नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल वंश वृक्ष में नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल आधार कार्ड मे नाम - दहिबल सिंह आ. रामफल जाति, प्रमाण पत्र में नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल निवास प्रमाण पत्र में नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम-DAHIBAL SINGH S/O RAMPHAL
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - जगन आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - जगन आ. गेदवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - जगन आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा आधार कार्ड में नाम - जगन आ. गेदवा वोटर कार्ड मे नाम - जगत मरावी आ. गेदवा मरावी वंशवृक्ष मे नाम - NA	1433/4 1472/4 1518/3	0.090 0.190 0.060 **0.340**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामनाथ आ. बऊवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामनाथ आ. बऊवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामनाथ आ. बऊवा आधार कार्ड में नाम - रामनाथ आ. बऊवा वोटर कार्ड मे नाम - रामनाथ मरावी आ. बऊवा मरावी वंशवृक्ष मे नाम - NA	1409/3 1410/3 1475/3	0.030 0.140 0.320 **0.490**		
		Total	1.640		(02 रोजगार)
3	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रमेसर, रंजीत सिंह आ. शिवमंगल राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रमेसर वगै. आ. शिवमंगल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रमेसर, रंजीत आ. शिवमंगल आधार कार्ड में नाम - 1. रमेषर आ. शिवमंगल, 2. रंजीत सिंह आ. शिवमंगल वोटर कार्ड मे नाम - 1. रामेश्वर आ. शिवमंगलए 2. रंजीत सिंह आ. शिवमंगल वंशवृक्ष मे नाम - 1. रमेसर आ. शिवमंगल, 2. रंजीत सिंह आ. शिवमंगल	1444 1467 1469 1470 1492 1494 1495	0.020 0.910 0.050 0.050 0.440 0.230 0.060 **1.760**	रामबकस आ. रमेशर रंजीत सिंह पिता शिवमंगल	नामांकन मे नाम - रामबकस पिता रमेशर वंश वृक्ष में नाम - रामबकस आ. रमेशर आधार कार्ड मे नाम - रामबकस आ. रमेशर जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रामबकस पिता रामेसर निवास प्रमाण पत्र में नाम - रामबकस पिता रमेसर शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - रामबक्स पिता रमेसर नामांकन मे नाम - रंजीत सिंह पिता शिवमंगल वंश वृक्ष में नाम - रंजीत सिंह आ. शिवमंगल आधार कार्ड मे नाम - रंजीत सिंह आ. शिवमंगल जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रंजीत सिंह पिता शिवमंगल निवास प्रमाण पत्र में नाम - रंजीत सिंह पिता शिवमंगल शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - NA
		Total	1.760		(02 रोजगार)
4	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामचन्द्र आ. रंगू राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामचंद्र आ. रंगू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामचंद आ. रंगू आधार कार्ड में नाम - रामचन्दर आ. रंगू वोटर कार्ड मे नाम - रामचन्दर आ. रंगू वंशवृक्ष मे नाम - रामचन्द्र आ. रंगू	1570/1	0.370 **0.370**	रामेश्वर सिंह आ. रामचन्द्र सिंह	नामांकन मे नाम - रामेश्वर सिंह आ. रामचन्द्र सिंह वंश वृक्ष में नाम - रामेश्वर सिंह पिता रामचंन्द्र सिंह आधार कार्ड मे नाम - रामेश्वर सिंह आ. रामचंद सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रामेश्वर पिता रामचन्द्र सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - रामेश्वर पिता रामचन्द्र शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - रामेश्वर आ. रामचन्द्र
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रंगु राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रंगू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रघु आधार कार्ड में नाम - राम भरोस आ. रंगू राम आयम वोटर कार्ड मे नाम - राम भरोस आ. रंगू राम आयम वंशवृक्ष मे नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रंगू	1570/2	0.360 **0.360**	सुषमा आ. समय प्रताप सिंह	नामांकन मे नाम - सुषमा आ. समय प्रताप सिंह वंश वृक्ष में नाम - सुषमा पुत्री तारा बाई आधार कार्ड मे नाम - सुषमा आ. समय प्रताप जाति, प्रमाण पत्र में नाम - सुषमा पिता समय प्रताप सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - सुषमा पिता समयप्रताप सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SUSHMA D/O SAMAY PRATAP SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - ठुनुलाल, हरिप्रसाद, कनेश्वर आ. हिरासाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - ठुनुलाल, हरिप्रसाद, कनेशर आ. हिरासाय राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - हीरासाय आ. खोशवा आधार कार्ड में नाम- 1. तुन्नुलाल आ. हीरासाय, 2. हरिप्रसाद आ. हीरा साय, 3. कलेश्वर आ. हिरासाय वोटर कार्ड मे नाम - 1. ठुन्नुलाल आ. हीरासाय, 2. हरिप्रसाद आ. हीरासाय, 3. कलेश्वर आ. हीरासाय वंशवृक्ष मे नाम - हीरासाय आ. खोसवा	1585/5	0.200 **0.200**	जगदीश सिंह आ. ठुन्नु लाल सिंह	नामांकन मे नाम - जगदीश सिंह आ. ठुन्नु लाल सिंह वंश वृक्ष में नाम - जगदीश सिंह पिता ठुन्नुलाल सिंह आधार कार्ड मे नाम - जगदीश सिंह पिता ठुन्नू लाल सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - जगदीश सिंह पिता ठुन्नू लाल सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - जगदीश सिंह पिता ठुन्नूलाल सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - JAGDISH SINGH S/O THUNNU LAL SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - करनसाय आ. सोनहार राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - मोहबल सिंह, महेन्द्र सिंह, टिकेश्वर सिंह, सुब्रत पिता करनसाय राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - करनसाय आ. सोनहार आधार कार्ड में नाम - 1. मोहबल सिंह आ. करण साय, 2. महेंद्र सिंह आ. करनसाय 3. टिकेश्वर सिंह आ. करन साय, 4. सुब्रत पति करणसाय मरकाम वोटर कार्ड मे नाम - 1. मोहबल सिंह सांडिल्य आ. करनसाय सांडिल्य,2. महेंद्रसिंह मरकाम आ. करनसाय मरकाम,3. टिकेश्वर सिंह आ. करन साय, 4. सुब्रत पति करणसाय मरकाम वंशवृक्ष मे नाम - करनसाय आ. सोनहार	1537	0.250 **0.250**	शिवेश प्रताप सिंह सांडिल्य आ. मोहबल सिंह	नामांकन मे नाम-शिवेश प्रताप सिंह सांडिल्य आ. मोहबल सिंह वंश वृक्ष में नाम-शिवेश प्रताप सिंह सांडिल्य पिता मोहबल सिंह आधार कार्ड मे नाम - शिवेश प्रताप सिंह आ. मोहबल सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - शिवेश प्रताप सिंह सांडिल्य आ. मोहबल सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - शिवेश प्रताप सिंह सांडिल्य आ. मोहबल सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SHIVESH PRATAP SINGH SANDILYA S/O MOHBAL SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - बरन आ. शिवप्रसाद राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - बरन आ. शिवप्रसाद राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - बरन आ. शिवप्रसाद आधार कार्ड में नाम - बरन सिंग आ. शिवप्रसाद वोटर कार्ड मे नाम - बरन सिंग आ. शिवप्रसाद वंशवृक्ष मे नाम - NA	1348 1574	0.630 0.710 **1.340**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामप्रसाद आ. जगसाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामप्रसाद आ. जगसाय राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामप्रसाद आ. जगसाय आधार कार्ड में नाम - राम प्रसाद गोंड आ. जगसाय वोटर कार्ड मे नाम - राम प्रसाद गोंड आ. जगसाय वंशवृक्ष मे नाम - NA	1331 1345	0.260 0.760 **1.020**		
		Total	3.540		(04 रोजगार)

अत: किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजों/प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत कार्यालय-उपक्षेत्रीय प्रबंधक, कल्याणी उपक्षेत्र, एसईसीएल भटगांव क्षेत्र, पो.आ. भटगांव कॉलरी, तहसील-भैयाथान, जिला- सूरजपुर छ.ग. में इस सूचना के प्रकाशन के सात दिवस के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा-आपत्ति मान्य नही होगा।

उपक्षेत्री प्रबंधक, कल्याणी उपक्षेत्र
एसईसीएल, भटगांव क्षेत्र

SECL/26-27/122

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिव के सम्मुख...

है कि मनुष्य में अब वैसा आत्मबल , शारीरिक सामर्थ्य और वैसी कठोर साधना करने की क्षमता कहाँ रही। प्रभु के नाम का स्मरण कर दो चार माला फेर लेने को भी हम बड़ी उपलब्धि मान लेने के लिए हम सुविधा अनुसार तैयार रहते हैं। ऐसे वातावरण में कुछ साधक कों संयम और संकल्प हमें हैरत में डाल देता है। इस श्रावण मास में ऐसे ही साधक की साधना का साक्षी होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह साधक हैं स्वामी डा कैलाशानंद गिरी जी महाराज।

स्वामी कैलाशानंद देश के जाने-माने धर्मगुरुओं में हैं और श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी के पीठाधीश्वर हैं। हरिद्वार में गंगा किनारे दक्षिण कालिका मंदिर परिसर में वह निवास करते हैं। शिव और शक्ति दोनों के उपासक कैलाशानंद जी का व्यक्तित्व जितना प्रभावशाली है, उनकी साधना उतनी ही कठोर है। गौरवर्ण, ऊँचा कद, उन्नत ललाट और बलिष्ठ शरीर उनकी पहचान हैं। संन्यासी हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं लेकिन पीठाधीश्वर होने के कारण उनका रहन-सहन राजा की तरह ही रहता है। उनके आसपास शिष्यों तथा सहयोगियों की असंख्य मौजूदगी रहती है। सामान्य श्रद्धालुओं से लेकर विशिष्ट लोगों तक उनके दर्शन और सान्निध्य के लिए निरंतर आते जाते रहते हैं। देश भर में प्रवास भी करते हैं।

कुछ माह पहले रायपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी के निवास पर उनसे मुलाकात हुई थी। संयोग से उस प्रवास के दौरान उनके साथ दंतेवाड़ा जाकर माँ दंतेश्वरी की पूजा में सम्मिलित होने का अवसर भी मिला। यात्रा के दौरान उनसे बातचीत का पर्यापत अवसर मिला। परस्पर चर्चा के दौरान ही उन्होंने आत्मीय भाव से श्रावण माह में हरिद्वार आने और महादेव की आराधना का साक्षी बनने का आदेश दिया। स्मरण रहे कि संत की सलाह या आग्रह आदेश के रूप में स्वीकार करना ही श्रेयस्कर होता है। उनकी कठोर साधना के बारे में पहले से सुन रखा था, लेकिन प्रत्यक्ष अनुभव की बात अलग ही होती है।

कैलाशानंद जी से बातचीत में जब पूछा कि वे श्रावण मास की यह साधना हरिद्वार में ही क्यों करते हैं, तो उनका उत्तर भी अपने आप में उनकी साधना-दृष्टि को समझने वाला था। उन्होंने बताया कि यूँ तो महादेव कैलाशवासी हैं, लेकिन उनकी मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में निवास करते हैं। एक माह के लिए महादेव का निवास कनखल में होता है, इसलिए उन्होंने भी अपनी इस विशेष साधना के लिए हरिद्वार को चुना है। उनके लिए यह केवल साधना के लिए सुविधाजनक स्थान का चयन नहीं है, बल्कि उस आध्यात्मिक मान्यता से जुड़ा हुआ है कि जिस अवधि में महादेव स्वयं कनखल में विराजते हैं, उस अवधि मेंआराध्य के निकट रहकर आराधना करना अधिक सार्थक है। यही कारण है कि श्रावण आते ही उनकी साधना का केंद्र हरिद्वार बन जाता है और कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख उनका एक माह का तप शुरू होता है।

30 जुलाई को श्रावण मास का आरंभ हुआ और सुबह करीब छह बजे गंगा स्नान के बाद कैलाशानंद जी कालिका पीठ स्थित कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख अपने आसन पर बैठ गए। यह मंदिर चारों ओर से खुला हुआ है और श्रद्धालु बेरोकटोक कभी दर्शन के लिए यहां आ सकते हैं। पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हुआ, सहयोग के लिए पंडित और संन्यासी बारी-बारी से उपस्थित होते रहे। यहां भजन है, मंत्रोच्चार है, स्तुति हैं, आरती हैं। पूरा वातावरण भक्ति भाव से परिपूर्ण है। श्रद्धालु निरंतर आते-जाते रहते हैं लेकिन कैलाशानंद जी अपने आसन पर एक ही मुद्रा में निरंतर बैठे हुए हैं। । सुबह छह बजे जिस आसन पर बैठे, रात 11 बजकर 20 मिनट तक उसी आसन पर वैसी ही मुद्रा में बैठे रहे। न पैर बदला, न किसी नित्य क्रिया के लिए उठे और अन्न-फल तो दूर जल तक का सेवन भी नहीं किया। रात 11:20 पर उठे तो लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से पैर अकड़ चुके थे। सहयोगियों के सहारे से ही वह उठ सके।इसके बाद वे फिर गंगा स्नान के लिए गए। लगभग आधे घंटे तक गंगा में रहे, लौटकर वस्त्र बदले और करीब साढ़े 12 बजे फिर महादेव के सम्मुख उसी आसन पर बैठ गए। इसके बाद पूजा, अभिषेक और स्तुति का सिलसिला फिर शुरू हो गया जो सुबह पांच बजे तक चलता रहा। गंगा स्नान आदि के बाद छह बजे से देवोपासना का क्रम शुरू। यह किसी एक दिन की बात नहीं थी; 30 जुलाई से शुरू हुआ यह क्रम लगातार जारी है। आज रक्षाबंधन पर श्रावण मास की समाप्ति के साथ यह साधना पूरी होगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की समाप्ति के बाद जब इस साधना का हरिद्वार में साक्षी बनने का सौभाग्य मिला तब तक इस सिलसिले को तीन हफ्ते होने को थे। इतने लंबे समय से बिना आहार और नींद लिए कैलाशानंद जी पूरे मनोयोग से शिव सेवा में सन्नद्ध थे। जिस भक्ति और भाव से प्रभु सवा में ऊर्जा के साथ वह लीन थे, उसे शब्दों में व्यक्त रना बेहद कठिन है।

समाज में हम अक्सर सुनते हैं कि हठयोगी वर्षों के अभ्यास से शरीर को इस तरह साध लेते हैं कि वह सामान्य मनुष्य की सीमाओं से आगे जाकर कठिन साधना कर सके। लेकिन कैलाशानंद जी के संदर्भ में सबसे अधिक हैरत में डालने वाली बात यह है कि वे वर्ष भर किसी एकांत साधना में रहने वाले हठयोगी की तरह जीवन नहीं जीते। वे सामान्य सामाजिक जीवन में सक्रिय रहते हैं, यात्राएँ करते हैं, लोगों से मिलते हैं और धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। फिर श्रावण आता है और वही शरीर ऐसी तपस्या करने लगता है जिसकी कल्पना करना कठिन है। तीन-तीन घंटे, पाँच-पाँच घंटे तक लगातार कलश से महादेव को जल अर्पित करते हुए मैंने उन्हें स्वयं देखा है। जिस गति और एकाग्रता से उनका हाथ चलता रहता है, उसमें थकान का कोई संकेत दिखाई नहीं देता। लगभग तीन-साढ़े तीन किलो के चाँदी के कलश में पंद्रह लीटर पानी भरकर वह एक ही हाथ से हजारों कलश जल महादेव पर अर्पित कर देते हैं। उस समय उनका जुनून देखने लायक होता है। लगातार अभिषेक करना और लंबे समय तक उसी मुद्रा में बैठे रहना बताता है कि वर्षों के अभ्यास ने उनके शरीर और मन को किस स्तर तक अनुशासित किया होगा। कैलाशानंद जी बताते हैं कि लगभग अड़तीस वर्षों से वे इस प्रकार की साधना करते आ रहे हैं। इतनी कठोर साधना के पीछे कितना अभ्यास, कितना संकल्प और कितना आत्मबल है, इसका अनुमान प्रत्यक्ष देखकर ही लगाया जा सकता है और आस्था रखने वाला व्यक्ति इसे ईश्वर की कृपा से भी जोड़कर देख सकता है।

कैलाशानंद जी की साधना में केवल कठोरता नहीं, एक स्पष्ट दर्शन भी दिखाई देता है। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था "देवत्व को पाने के लिए स्वयं को देवत्व में ढालना होता है।" उनकी साधना को देखने के बाद यह वाक्य केवल उपदेश नहीं लगता, बल्कि उनके जीवन में उतरता हुआ दिखाई देता है। महादेव का अभिषेक केवल जल से नहीं होता; गन्ने के रस, दूध, विशिष्ट इत्र, गुड़हल के फूल से निकले तेल, नाना प्रकार के पुष्प और फल से भी अभिषेक होता है। वे कहते हैं कि भगवान की पूजा उस वस्तु से होनी चाहिए जो आपके सामर्थ्य में जो सर्वोत्तमहै, उससे होना चाहिए। । उनकी पूजा में इस विचार का प्रत्यक्ष रूप दिखाई देता है। अर्पण में कृपणता नहीं, बल्कि पूरी उदारता दिखाई देती है। महादेव को भांति भांति के पुष्प और रुद्राक्ष की मालाएँ चढ़ाने के बाद वे वही मालाएँ बीस-तीस मीटर दूर बैठे श्रद्धालुओं की ओर उछाल देते हैं जो सीधे भक्त के गले में जाकर ही ठहरती हैं। मंदिर के गर्भ-गृह में ऊंचाई पर चारों ओर देव प्रतिमाएं स्थापित है। पूजा के दौरान कैलाशानंद जी अपने आसन से उठे बिना माला उछालते हैं और माला जाकर प्रतिमा के गले में ठहर जाती हैं। यह चमत्कार नहीं है लेकिन साधक के द्वारा वर्षों के अभ्यास से विकसित असाधारण नियंत्रण तो है ही। प्रत्यक्ष अनुभव यह अहसास कराता है कि उन्होंने अपने शरीर, दृष्टि, हाथ और एकाग्रता को असाधारण स्तर तक साधा है।

कैलाशानंद जी की साधना का एक और विशिष्ट पक्ष है—शिव और शक्ति की समान भाव से आराधना। श्रावण में वे महादेव की साधना करते हैं तो नवरात्रि में शक्ति की उपासना में स्वयं को उसी कठोरता से समर्पित कर देते हैं। हालांकि अभी भी महादेव की अर्चना के साथ वह बराबरी से देवी का अर्चन करते हैं। चांदी की तकरीबन एक फीट ऊंची अष्टभुजा धारी देवी प्रतिमा उनके बायें हाथ पर विराजमान हैं, जिनका वह बराबरी से पूजन अर्चन करत रहते हैं। श्रावण की साधना जल के बीच होती है, जबकि नवरात्रि में हवन और यज्ञ की अग्नि के बीच; एक ओर शरीर लगातार जल से भीगता है, दूसरी ओर अग्नि की तपिश में तपता है। एक ओर जल का शीतल स्पर्श है तो दूसरी ओर अग्नि का ताप, लेकिन साधना का भाव दोनों जगह एक ही है और वह है। पूर्ण समर्पण। भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति को अलग-अलग करके देखना भी संभव नहीं है; शिव चेतना हैं तो शक्ति उस चेतना की क्रियाशीलता। शिव तत्त्व हैं तो शक्ति उसकी अभिव्यक्ति। इसलिए उनके लिए श्रावण और नवरात्रि दो अलग पर्व भर नहीं, साधना के दो अलग आयाम हैं। पूरे समय सामान्य बातचीत से उनका लगभग विरत रहना भी ध्यान आकर्षित करता है; वे तभी बोलते हैं जब शिव स्तुति के श्लोकों का पाठ करना हो या पूजा में सहयोग कर रहे संन्यासियों को कोई निर्देश देना हो। बाकी समय वे मौन रहते हैं और महादेव के सम्मुख उसी भाव में लीन दिखाई देते हैं।

श्रावण मास में हम सब महादेव के दर्शन करने और शिवलिंग पर जल अर्पित करने के लिए आतुर रहते हैं। कुछ मिनट मंदिर में खड़े होकर हम स्वयं को धन्य मानते हैं, लेकिन एक भक्त जिस भाव से अपने आराध्य की स्तुति में स्वयं को समर्पित कर देता है, उसकी साधना का साक्षी होना बिल्कुल अलग अनुभव है। भारतीय परंपरा में भक्त और भगवान के संबंधों की कथाएँ बहुत बड़ी हैं—ध्रुव, प्रह्लाद, मीरा और हनुमान की भक्ति हमने पढ़ी और सुनी है, लेकिन किसी साधक को अपने आराध्य में इस तरह लीन होते हुए प्रत्यक्ष देखना उन कथाओं को वर्तमान में जीवंत होते देखने जैसा अनुभव देता है। कैलाशानंद जी इस साधना से कौन-सी सिद्धि प्राप्त करने के आकांक्षी है, इसकी जानकारी तो नहीं है लेकिन यह साधना ही अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है। जब वह महादेव की आराधना में पूरी तरह लीन होते हैं तो कुछ क्षण ऐसे आते हैं जब भक्त और भगवान के बीच का अंतर जैसे धुंधला पड़ जाता है। उस समय उनका स्वरूप शिवमय प्रतीत होता है और उस अवस्था का साक्षी होना अपने आप में रोमांचित कर देने वाला अनुभव है। यदि जीवन में कभी अवसर मिले तो इस साधना का साक्षी बनने की कोशिश हम सभी को जरूर करनी चाहिए।

मंदिर में जाकर शिवलिंग के दर्शन करना एक अनुभव है, लेकिन किसी भक्त को अपने भगवान में पूरी तरह लीन होते हुए देखना अलग ही अनुभव है। पहला हमें भगवान के सामने ले जाता है और दूसरा हमें भक्त और भगवान के उस संबंध की अनुभूति कराता है, जिसकी कथाएँ हम सदियों से सुनते आए हैं। हरिद्वार से लौटे एक सप्ताह बीत गया है लेकिन कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख अपने आसन पर बैठे कैलाशानंद जी का वह दृश्य अब भी स्मृति में स्पष्ट है। दरअसल कुछ अनुभव ऐसे ही होते हैं जिनकी अनुभूति कभी समाप्त नहीं होती। वह हमारे भीतर कहीं गहरे जाकर रच बस जाती हैं।

सोसाइटियों में 68...

से 2634 केंद्रों में धान लेखा मिलान हो चुका है, यानि धान का वहां पूरा हिसाब हो चुका है, लेकिन इसमें भी खास बात ये है कि कुछ ही जिलों की सोसाइटियों में धान का आंकड़ा शून्य है। नारायणपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, सक्ती, दुर्ग, गरियाबंद, कोरिया, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ही उपार्जन केंद्र में धान की बची मात्रा शून्य है। बाकी सभी जिलों में अलग-अलग मात्रा में धान सरकारी आंकड़ों में दिख रहा है, लेकिन वह केवल आंकड़ा है। धान गायब हो चुका है. यही धान की शार्टेज है।

कांकेर में सबसे...

वाले जिले, जहां शॉर्टेज दर्ज है, वहां सबसे कम मात्रा सक्ती में 483 टन है। इसके बाद सूरजपुर (486 टन), जांजगीर-चांपा (471 टन), गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (566 टन), सारंगढ़-बिलाईगढ़ (314 टन), बलौदाबाजार (292 टन), बिलासपुर (214 टन), रायपुर (210 टन), मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (231 टन) और सारगुजा (1,151 टन) जैसे जिले हैं, जहां शॉर्टेज अपेक्षाकृत कम है।

छह अफसरों के...

मंत्रालय में श्रम विभाग का उपसचिव बनाया गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा की अपर कलेक्टर दीप्ति गौते को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग का परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।

भाई ने किडनी...

ने भाई होने का फर्ज निभाया और भविष्य में आने वाली चुनौतियों को स्वीकारते हुए बहन को इस बार के रक्षाबंधन से पहले अपनी किडनी के रूप में अनोखा उपहार दे दिया। कोरबा जिले के दर्री में रहने वाले साहू परिवार और खासकर बहन प्राची और भाई कौशलेन्द्र के लिए इस बार की राखी अनोखी होगी। जनवरी में प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों भाई-बहन पूरी तरह स्वस्थ हैं। प्राची अपनी बीएससी की पढ़ाई पूरी कर रही है और कौशलेन्द्र पीएससी परीक्षा की तैयारी में जुटा हुआ है। पिता बृजेश कुमार साहू सिंचाई विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया की प्राची की तबीयत कुछ समय पहले खराब हो गई थी। स्थानीय डाक्टरों ने जांच के बाद पाया कि उसे किडनी संबंधी समस्या है और उसका इलाज रायपुर में ही संभव है। बेटी की बीमारी से विचलित माता-पिता उसे लेकर रायपुर पहुंचे। यहां डाक्टरों ने आधुनिक पद्धति से जांच के बाद स्पष्ट कर दिया कि प्राची की दोनों किडनी खराब हो चुकी है। इसका एकमात्र रास्ता प्रत्यारोपण है और यह पूरा होने तक उसे डायलिसिस पर रहना होगा। दुखी परिजन उसे लेकर वापस लौट गए मगर सप्ताह में तीन बार होने वाले बेटी के डायलिसिस से उनका मन कचोट रहा था। आखिरकार उन्होंने बेटी के स्वस्थ जीवन के किडनी देने का फैसला लिया। राजधानी के निजी अस्पताल में जनवरी में प्रत्यारोपण किया था। प्राची की खातिर पूरा परिवार अपनी किडनी देने को तैयार था। अस्पताल में जांच हुई तो पिता के बाद मां की किडनी मैच नहीं हुई। इसके बाद कौशलेन्द्र की जांच हुई तो ब्लड ग्रुप से लेकर अन्य सभी जांच प्रक्रिया सामान्य निकली। 4 जनवरी को प्रत्यारोपण पूरा हुआ और कुछ दिनों के इलाज प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाई-बहन सहित पूरा परिवार खुशी-खुशी घर लौट गया।

भाई-बहन में...

खराब हुई थी तभी से कौशलेन्द्र ज्यादा दुखी रहता था। डाक्टरों की जांच में जब इस बात का पता चला कि प्राची की किडनी खराब है और उसे ट्रांसप्लांट की जरूरत है तो सबसे पहले वहीं अपनी किडनी देने को तैयार हो गया था। नियम के मुताबिक प्रत्यारोपण के लिए पहले माता-पिता के अंग लिए जाते हैं और किसी कारणवश यह संभव नहीं होने पर दूसरे रिश्तेदारों के साथ यह प्रक्रिया पूरी की जाती है। भगवान को पहले से कुछ और ही मंजूर था इसलिए माता-पिता के बजाए भाई कौशलेन्द्र की किडनी ही बहन से मैच हुई।

250 नक्सलियों ने...

बैठाकर उसने दौड़ लगा दी और सुरक्षित ठिकाने तक पहुंचाया। बम धमाकों के बीच बहन की इस वीरता का देशभर में सम्मान भी हुआ। घटना दंतेवाड़ा जिले के नकुलनार की है। 7 जुलाई 2010 के रात लगभग 1 बजे नक्सलियों ने वरिष्ठ नेता व पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अवधेश सिंह गौतम के नकुलनार स्थित घर पर हमला बोला था। अत्याधुनिक हथियारों से लैस 250 से अधिक नक्सलियों ने पूरे इलाके को घेर लिया और दरवाजा तोड़कर लगभग 50 नक्सली घर पर घुसने में कामयाब हो गए और अधांधुध फायरिंग करने लगे। नक्सली आंगन में सो रहे संजय सिंह व धमेन्द्र को गोली मार चुके थे। नक्सल हमले को देखते हुए किसी तरह अवधेश सिंह गौतम पत्नी के साथ घर के पीछे दरवाजे से बचने में कामयाब रहे। पलंग के नीचे छिपे अवधेश सिंह गौतम के छोटे बेटे अभिजीत से नक्सलियों ने पूछा कि तुम्हारे पापा कहां है, जवाब नहीं देने पर नक्सलियों ने 12 वर्ष के अभिजीत के पैर व जांघ के करीब 5 गोलियां मारी। मासूम खून से लथपथ होकर दर्द से तड़पने लगा। इसी बीच दूसरे कमरे से निकली 13 साल की अंजली भाई की हालत देखकर बिल्कुल नहीं घबराई। उसने नक्सलियों से बिना डरे नक्सलियों से रोते हुए कहा कि मेरे भाई को क्यों मार रहे हो उसे छोड़ दो और बिना किसी डर के वह गोलियों की बौछार के बीच खून से लथपथ अपने छोटे भाई को पीठ पर लादकर घर से बाहर निकली। छोटे भाई अभिजीत को लेकर लगभग 500 मीटर दूर अपने दादा के घर की ओर निकल गई। इस बीच काफी थक चुकी अंजली हांफते हुए सड़क पर तीन बार अपने भाई को पीठ से उतारा और फिर थोड़ी सांस लेने के बाद फिर आगे बढ़ने लगी। अंजली ने बताया कि उसका एक ही मकसद था अपने भाई की जान बचानी है वह किसी तरह अपने दादा के घर पहुंची लेकिन नक्सिलयों के डर के चलते किसी ने भी दरवाजा नहीं खोला। तब उसने खिड़की तोड़कर अंदर गई फिर दरवाजा खोलकर अपने भाई को घर के अंदर ले गई। आज भी उस दिन को याद कर दोनों भाई बहन के रोंगटे खड़े हो जाते है।

बस्तर की फिजा...

आज भी बस्तर की फिजाओं में जब भाई-बहन के अटूट रिश्ते की बात होती है तो लोग अंजलि और अभिजीत की इस कहानी को बड़े गर्व से याद करते हैं। यह एक ऐसी हकीकत थी जहां एक बहन का हौसला बारूद व गन की ताकत पर भारी पड़ गया था।

भाई की जान...

गई। दरअसल 1999 में पहले कोरबा जिले के कुसमुंडा (एसईसीएस) में काम करने वाले युगल शर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों से जांच कराने पर पता चला कि किशोर की दोनों किडनी खराब है। जल्द डोनर नहीं मिलने पर उनकी मौत हो सकती है। परिवार के सभी सदस्य उनके जीवन को इस संकट से निकालने की कोशिश कर रहे थे। वेल्लूर में ऑपरेशन के समय में दो भाई का टेस्ट हुआ, पर उनकी किडनी मैच नहीं हुई। इसके बाद परिवार के सभी भाई बहनों के साथ ही दूसरे लोगों का भी वेल्लूर सीएमसी अस्पताल में टेस्ट हुआ लेकिन किसी की किडनी ने सपोर्ट नहीं किया।

बहन की ही किडनी भाई को सपोर्ट की-

इसके बाद युगल शर्मा की पत्नी ने अपनी भाभी श्रीमती ऊषा चौबे को हताशा में फोन किया कि अब कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। भाई की तकलीफ बहन से देखी नहीं गई। उस समय श्रीमती ऊषा चौबे मनेन्द्रगढ़ में अपने पति एलके चौबे के साथ रहतीं थीं। उन्होंने तत्काल वेल्लूर जाने का फैसला कर लिया। पति इस फैसले में बाधा नहीं बने बल्कि साथ लेकर वेल्लूर पहुंचे। वेल्लूर में टेस्ट के दौरान श्रीमती ऊषा चौबे की किडनी सपोर्ट कर गई। उन्होंने अपनी एक किडनी भाई को दे दी। उषा कहती हैं कि बचपन में बिताए पल उन्हें याद आ रहे थे। ईश्वर की कृपा से सभी टेस्ट भी सफल रहे।

एक साल रहना पड़ा वेल्लूर में-

श्रीमती उषा चौबे के पुत्र सभ्यसांची चौबे हाईकोर्ट में सरकारी वकील हैं। वे बतातें हैं कि मां के फैसले के बाद बुजुर्गों को उनके स्वास्थ्य के लिए काफी चिंता थी। उस समय वे 10 साल और उनकी बहन 15 साल की थी। दोनों बच्चों को पड़ोसियों और फिर परिवार के दूसरे लोगों के पास छोड़कर मां और पिताजी वेल्लूर रवाना हुए। बाद में ससुराल और घर के लोगों ने भी मां के इस फैसले को सराहा। परिवार के लोग थोड़े परेशान जरूर थे पर सभी ने समझा कि एक किडनी से भी जीवन चल सकता है। श्रीमती चौबे को टेस्ट और इलाज के दौरान एक साल तक वेल्लूर में रुकना पड़ा।

अलग मिट्टी के बने होते हैं ऐसे लोग-

पुत्र सभ्यसांची कहते हैं कि मां ने जब यह निर्णय लिया था तब वे काफी छोटे थे। अब 27 वर्ष पूर्व लिए गए उनके निर्णय के बारे में सोचता हूं तो लगता है कि मां का लिया गया बहुत बड़ा कदम था। इस तरह के व्यक्तित्व के लोग अलग ही मिट्टी के बने होते हैं। जब कभी सोचता हूं कि अपने ही शरीर का एक अंग दान करना हो तो घबराहट सी महसूस करता हूं। बहू गरिमा का कहना है उनकी सास का व्यवहार ही त्याग का है उन्होंने अपने अंग का दान दिया वे हमें प्रेरणा देती हैं।

27 साल बाद...

बचा सकी यह बड़ी बात रही। आपरेशन पूरी तरह सफल रहा और दोनों भाई-बहन स्वस्थ होकर लौटे। इसके बाद हर रक्षा बंधन पर युगल शर्मा अपनी बहन से कहते थे कि दीदी तुम्हें उपहार में क्या दूं तुमने तो मुझे जीवनदान दिया है। उसके आगे मेरी ओर से दिए गए सारे तोहफे फीके हैं। हालांकि कोरोना काल में 2021 में युगल शर्मा का बीमारी से निधन हो गया।

तीन साल के भाई...

चुनेश्वरी के घर में लगी भयंकर आग में फंसे उसके तीन साल के भाई को बचाने के लिए जहां उसके रिश्तेदारों ने कदम पीछे कर लिए, वहीं वह भाई की रोने की आवाज सुनते ही जलते हुए घर में बेखौफ होकर घुस गई और अपनी पीठ पर बिठाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

भाइयों को अच्छी परवरिश-शिक्षा मिले, इसलिए 11वीं के बाद पढ़ाई छोड़ी-

29 वर्षीय चुनेश्वरी ने बताया कि जब वह छोटी थी, तभी से अपने दोनों छोटे भाइयों से बहुत प्यार करती थी। रक्षाबंधन के दिन वह भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर हमेशा यहीं संकल्प लेती रही कि दोनों को वह खुश रखने का प्रयास करेगी। यहीं वजह है कि 11वीं कक्षा के बाद उसे पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी, ऐसे में तीन बच्चों की पढ़ाई के लिए माता-पिता के पास पैसे नहीं थे। इसे देखते हुए उसने अपनी पढ़ाई छोड़कर मजदूरी करना शुरू कर दिया।

ऐसे बचाई थी छोटे भाई की बचाई जान-

घटना को लेकर चुनेश्वरी ने बताया कि वर्ष 2003 में उसके घर में आग लगी थी। उस समय घर के अंदर सिर्फ उसका 3 साल का छोटा भाई दीपक था। माता-पिता काम पर गए हुए थे, वहीं एक भाई पड़ोस में खेल रहा था। उसका परिवार झोपड़ीनुमा घर में रहता है। जिस समय आग लगी थी, उस समय आसपास रहने वाले उसके सभी रिश्तेदार भी पहुंचे थे। इस दौरान घर के अंदर से उसके भाई के रोने-बिलखने की आवाज आई। यह सुनकर चुनेश्वरी ने अपने सभी रिश्तेदारों से उसे बचाने के लिए मदद मांगी, लेकिन आग की भीषण लपटों के कारण किसी भी रिश्तेदार ने घर के अंदर जाने का जोखिम नहीं उठाया। इसे देखते हुए वह बिना देर किए सीधे घर के अंदर घुसी और अपने भाई को पीठ पर बिठाकर सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि इस दौरान चुनेश्वरी के सिर के कुछ बाल तथा भाई के हाथ-पैर में चोटें आई थी।

भाई-बहन के प्यार में बस इतना फर्क.-

चुनेश्वरी ने हरिभूमि से बातचीत के जरिए अपने दोनों छोटे भाइयों को संदेश भी दिया है। इस संदेश में उसने कहा कि भाई और बहन के प्यार में सिर्फ इतना फर्क है कि रुला के जो मना ले वह भाई है तथा रुला कर जो खुद रो पड़े वह बहन है।

अब तक 359...

बस्तियों, सड़कों, पुलों तथा अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के आंकड़ों के अनुसार, अचानक आई बाढ़ में करीब 826 लोग लापता हैं, जिनमें से 590 पर्यटक हैं। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बताया कि लापता लोगों में 288 भारतीय शामिल हैं। नेपाल के अधिकारियों के प्रारंभिक आकलन और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के संशोधित विश्लेषण के अनुसार, ग्लेशियर के ढहने या हिमस्खलन के कारण यह विनाशकारी बाढ़ आई। हिमस्खलन के कारण भोटे कोशी की सहायक नदी ल्हेंदे के बहाव में रुकावट पैदा होने के बाद यह बाढ़ आई और सबसे पहले चीन की सीमा के पास रसुवागढ़ी स्थित तिमुरे इलाके में बाढ़ का कहर टूटा।

टला नहीं है...

जारी नहीं होता, भोटेकोशी नदी के निचले किनारे वाले इलाके के निवासियों, यात्रियों, बचाव अभियान में लगे बचावकर्मियों और सभी संबंधित लोगों से अनुरोध है कि वो खास सावधानी बरतें और नदी के किनारों और जोखिम वाले इलाकों से दूर सुरक्षित जगहों पर रहें।

18 साल बाद...

के पद पर नियुक्त किया गया था। 1994 में उनकी नौकरी पक्की कर दी गई और उन्हें हर साल वेतन बढ़ोतरी भी मिलती रही। करीब 18 साल तक नौकरी करने के बाद 19 जून 2008 को कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें अचानक नौकरी से निकाल दिया। प्रबंधन ने कहा कि स्कूल में ओडिया पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कम हो गई है। साथ ही सविता के पास बीएड की डिग्री नहीं है, इसलिए उन्हें दूसरे विषय की शिक्षिका के तौर पर भी नहीं रखा जा सकता। प्रबंधन के नौकरी से निकालने के फैसले के खिलाफ शिक्षिका ने अपील की। 8 मई 2012 को संबंधित अधिकारी ने शिक्षिका के पक्ष में फैसला सुनाया। उन्हें दोबारा नौकरी पर रखने और पिछला पूरा वेतन 9% चक्रवृद्धि ब्याज के साथ देने का आदेश दिया गया। इस आदेश के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। सिंगल बेंच ने 17 मार्च 2026 को प्रबंधन की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रबंधन ने डिवीजन बेंच में अपील की।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सैनेटरी शोरूम में एकाउंट कार्य हेतु अनुभवी युवा एकाउंटेंट की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- पारेख सिरेमिक, जैन मन्दिर के पास, नया सरकण्डा बिलासपुर 9300310274, 9399122615 (41716)

आवश्यकता है- प्रिंटिंग युनिट में कार्य हेतु एक मैनेजर, तीन ऑफिस ब्वॉय, दो बाईन्डर लड़के एवं लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 10000 सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष काम्प्लेक्स, जरहाभाठा बिलासपुर 7999415807 (41715)

आवश्यकता है- सभी प्रकार के घरेलू कार्य करने हेतु काम वाली बाई की आवश्यकता है पार्ट टाइम या फुल टाइम पता- गायत्री मन्दिर चौक, बिनोबा नगर बिलासपुर सपर्क करे- 8839383780 (41718)

आवश्यकता है- रेडिमेड शोरूम में पुरुष सेल्समैन चाहिये (जिसे बच्चों के काउन्टर सम्भालने का पुराना अनुभव प्राप्त हो) वेतन 10000 से अधिक योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नेशनल होजयरी NX सदर बाजार बिलासपुर (41711)

आवश्यकता है- 60 वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35 से 40वर्ष की महिला चाहिए। वेतन 6000/- सम्पर्क करें- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 7869759897, 9893968977 (41717)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 88188 77406, 9644433021, 07752-337082 (41704)

आवश्यकता है- अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 सम्पर्क करें- सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में, सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर (41698)

आवश्यकता है- मॉड्युलर किचन हार्डवेयर फिटिंग्स की मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000 से 15000+ कमीशन सम्पर्क करें- श्रीसांई कृपा कॉम्प्लेक्स उसलापुर 90989 09757, 8827146987 (41713)

आवश्यकता है- श्रीव्हीलर ईवी शोरूम में सेल्स एग्जीक्यूटिव- 4पद, मैकेनिक 2पद की आवश्यकता है। वेतन+ आकर्षक इंसेंटिव। अनुभवी को प्राथमिकता। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- श्री बजरंग ऑटोमोबाइल (Kinetic Green) तोरवा बिलासपुर 799950 9145 (41705)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर में शेयर काम के लिए कॉमर्स फील्ड, इंग्लिश मीडियम से पढ़ी लिखी युवती की आवश्यकता है। पता- पार्क एवेन्यू, व्यापार विहार बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827163945 (5445)

आवश्यकता है- बिलासपुर में अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है। जिसे ऑटोमेटिक कार चलाने का 7वर्ष से अधिक का अनुभव हो, नशामुक्त हो। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 7049810000 (41709)

आवश्यकता है- श्री शारदा ग्रुप बिलासपुर में ऑफिस कार्य हेतु ऑफिस बॉय की आवश्यकता है। कार्य- ऑफिस की साफ, सफाई, चाय, पानी देना एवं अन्य सामान्य ऑफिस कार्य करना। केवल पुरुष उम्मीदवार सुबह 9बजे से शाम 6बजे तक सम्पर्क करें- ऑफिस नम्बर 431, चौथी मंजिल मैग्नेटो मॉल बिलासपुर 90749 22311 (41702)

आवश्यकता है- वृद्ध दादी की सुबह 7बजे से 11बजे एवं दोपहर 3बजे से शाम 7बजे देखभाल करने के लिए महिला/ युवती की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सरकंडा, बिलासपुर 87705 59656 (41710)

आवश्यकता है- झाड़, पोछा, साफ, सफाई, वेटर कार्य हेतु 18वर्ष से ऊपर के व्यक्ति की। वेतन 10000, ग्रामीणों के लिए रहना, खाना निःशुल्क सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 982794 0898 (41703)

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी योग्यतानुसार। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (41659)

आवश्यकता है- लोकल सेल्समेन एवं एजेंसी में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है कम से कम दो-तीन वर्ष का अनुभव हो। संपर्क 7974670905 (41707)

आवश्यकता है-पेट्रोल पम्प कार्य करने हेतु महिला/ पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। स्थान- सरगाँव। मेहनती एवं जिम्मेदार उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें-7692090000 (1355)

आवश्यकता है- रायपुर स्थित घर की देखरेख करने 24 घंटे रहने योग्य महिला / युवती चाहिए, रहना खाना फ्री+ वेतन. डिटेल्स व्हाट्सअप करें 99937 07000 (931)

किराया

किराया- राजीव प्लाजा प्रथम तल नवभारत के सामने 175 फीट दुकान किराये से देना है संपर्क करें 8962560604 (41706)

किराया-राजकिशोर नगर में स्मृतिवन गेट के सामने मेन रोड प्लास-39 दुकान तीन शटर (एक किचन, वाशरूम, रूम, 20×30 हॉल) 1500 वर्गफुट, बैंक, ऑफिस, कोचिंग, रेस्टोरेंट, सम्पर्क करें- नितिन जैन 78782 16136 (41701)

बेचना है

बेचना है- सेन्दरी- सकरी बाइपास रोड में सेन्दरी से पहले सभी साइजों के कमर्शियल प्लाट बिक्री के लिए उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9827105271 नोट- शोरुम, ढाबा, स्कूल के लिए अच्छा इंवेस्टमेंट (41708)

बेचना है- नेहरू नगर मेन रोड पर डबल रोड की शानदार जमीन 70×55 वर्गफुट में दो दुकानें नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कॉम्प्लेक्स जरहाभाठा में बेचना है सम्पर्क करें- 8878820110 (41712)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है- हाईवे पर सरोरा खार मे 10,000 वर्गफीट प्रीमियम कॉर्नर कमर्शियल प्लॉट 240 फीट शानदार फ्रंट जिसमें 40 फीट हाईवे एवं 200 फीट डामररोड फ्रंट पूर्व-दक्षिण मुखी, DPC व कमर्शियल डायवर्सन, NH रिंगरोड No.4, जिओ पंप के सामने, शोरूम, वेयरहाउस या स्मार्ट निवेश के लिए शानदार लोकेशन संपर्कः- रोशन अग्रवाल 88780 08500 (062)

बेचना है-हार्वेस्टर मॉडल 2019 (विशाल) अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- केशव प्रसाद साहू, दीपक साहू ग्राम सिंघरी बिलासपुर 79873 14931, 9926114657, 6268747009 (41700)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
➡जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
➡ हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आखिरी मैच में भारत के सामने बेल्जियम को उसी के गढ़ में हराने की चुनौती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वॉवरे (बेल्जियम)। पांच दशक बाद विश्व कप में पदक जीतने का सपना टूटने के बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम आखिरी मैच में जीत के साथ स्वदेश लौटना चाहेगी लेकिन आज शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले में उसके सामने सह मेजबान और मौजूदा प्रो लीग चैम्पियन बेल्जियम को उसके मैदान पर हराने की कठिन चुनौती है।

नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में पहले और दूसरे चरण के मैच खेलने वाली भारतीय टीम पूल ई में चौथे स्थान पर रहने के बाद सातवें / आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलने यहां आई है लेकिन हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम की राह इतनी आसान नहीं है क्योंकि उसके सामने 2018 विश्व कप चैम्पियन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। बेल्जियम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के झटके से उबरकर आखिरी मैच जीतने का पूरा प्रयास करेगी।

विश्व कप हॉकी : मैच भारतीय समयानुसार रात 9. 45 से

भारत ने 14 गोल किए, 16 गंवाए

अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरे दौर के आखिरी मैच में हारकर बाहर हुई भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में धीमी शुरूआत और 60 मिनट तक लय बरकरार नहीं रख पाने के लिये आलोचना झेल रही है। भारत ने टूर्नामेंट में 14 गोल किये और 16 गंवाये। विश्व कप में सातवां स्थान हासिल करने के अलावा भारत को अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर अपना खोया आत्मविश्वास भी हासिल करना होगा।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में लानी होगी विविधता

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी विविधता लानी होगी चूंकि कप्तान हरमनप्रीत पर अत्यधिक निर्भरता भारी पड़ रही है। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह को अपने अनुभव का इस्तेमाल करना होगा जो अभी तक नजर नहीं आया है। पेरिस ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड के खिलाफ भी 40 मिनट तक उम्दा खेल दिखाने के बाद भारत ने आखिरी बीस मिनट में तीन गोल गंवाये और 1 -3 से पराजय का सामना करना पड़ा। पूल चरण में भारत ने पाकिस्तान को 5 -3 से और वेल्स को 3 -1 से हराया था लेकिन इंग्लैंड से 4 -2 से हार गया था।

बेल्जियम में गलतियों की गुंजाइश नहीं : कोच

भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन का मानना है कि बेल्जियम के खिलाफ गलतियों की गुंजाइश नहीं होगी और उनकी टीम को सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। उन्होंने कहा ," मैं अपनी टीम की बात करूं तो हम जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगे । हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है और हमें अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। हमें डिफेंस में सुधार की जरूरत है जिसके आधार पर आगे अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

बेल्जियम का हौसला भी बुलंदी पर है

दूसरी ओर पहले चरण में दो मैच जीतने और एक हारने के बाद बेल्जियम ने दूसरे चरण में आस्ट्रेलिया और स्पेन से ड्रॉ खेले जिससे अपने देश में खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया । बेल्जियम ने प्रो लीग के पिछले सत्र में भारत को फरवरी में राउरकेला में 4 -2 और 3 -1 से हराया था। बेल्जियम के टॉम बून 19 गोल करके प्रो लीग के इस सत्र में सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे और इस विश्व कप में भी पांच गोल कर चुके हैं । वहीं उनके साथी पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंडरिक्स ने प्रो लीग में 15 गोल दागे थे।

खबर संक्षेप

भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन। भारत के बहु प्रारूप के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है और मेजबान क्रिकेट बोर्ड द्वारा सदस्यों के लिए शुरू की गई टिकटों की बिक्री के शुरुआती 48 घंटे में 26,000 टिकट बिक गए। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा कि टिकटों की कीमत पिछले सत्र के समान रखी गई है और 'क्रिकेट नेशन' के प्रवेश कोड का इस्तेमाल करने पर एक टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में उपलब्ध है। आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री सात सितंबर से शुरू होगी।

एशियाई खेलों के क्रिकेट वेन्यू को लेकर बोर्ड्स चिंतित

नई दिल्ली। इस बार एशियाई खेलों का आयोजन जापान में होना है, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है। इस बीच खबर है कि इस आयोजन को लेकर के कई क्रिकेट बोर्ड्स ने सवाल उठाए हैं। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सहित कई प्रमुख बोर्ड्स ने जापान में क्रिकेट के मैदानों और वहां की व्यवस्थाओं को लेकर के अपनी चिंता जाहिर की है।

श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बावजूद

दिनुशा के शतक ने टीम इंडिया की जीत पर फेरा पानी, कोलंबो टेस्ट ड्रा, भारत ने जीती सीरीज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

सोनल दिनुशा के मैच के दूसरे और श्रृंखला के तीसरे शतक से श्रीलंका ने भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेलने के बावजूद दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट को ड्रॉ करा दिया लेकिन मेहमान टीम ने श्रृंखला 1-0 से जीत ली। पैर में जकड़न से जूझने के बावजूद दिनुशा ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए नाबाद 133 रन की पारी के दौरान 264 गेंद का सामना किया और भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

कल के नाबाद सात रन से आगे खेलते हुए दिनुशा ने भारतीय गेंदबाजों को अंतिम दिन पूरी तरह से बेअसर साबित किया। दिनुशा की अगुआई में श्रीलंका ने दूसरी पारी में जब 154 ओवर में नौ विकेट पर 429 रन बनाए थे तब दोनों टीम मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गईं। इस समय श्रीलंका को 216 रन की बढ़त हासिल थी।

इस तरह से रोचक रहा मैच

कोलंबो टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 503/9 का स्कोर बनाया, जिसमें देवदत्त पडिक्कल (117) और ध्रुव जुरेल (115*) ने शतक लगाए। जवाब में श्रीलंकाई पारी दिनुशा के शतक की मदद से 290 रन पर ही सिमट गई। इसके बाद फॉलो-ऑन खेलने पर मजबूर हुई मेजबान टीम ने पसिंदु सूरियाबंदारा (92) और दिनुशा (133*) की बदौलत 429/9 का स्कोर बनाया और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

पंत ने छक्कों के मामले में गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ा

पंत ने अपनी पारी में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। इस बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्कों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट (100) को पीछे छोड़ दिया। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में तीसरे सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (138) पहले और न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम (107) दूसरे नंबर पर हैं।

दिनुशा ने दोनों पारियों में शतक लगाया

दिनुशा भारत के खिलाफ टेस्ट की दोनों पारियों में शतक (103 और 133*) लगाने वाले श्रीलंका के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले दलीप मेंडिस (105 और 105, 1982) और अरविंदा डी सिल्वा (146 और 120, 1997) ऐसा कर चुके थे। अरविंदा (2 बार), कुमार संगाकारा (2 बार), दलीप मेंडिस, असंका गुरुसिन्हा, तिलकरत्ने दिलशान, धनंजय डी सिल्वा और कामिंडु मेंडिस के बाद दिनुशा टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले 8वें श्रीलंकाई बल्लेबाज हैं।

दिनुशा इस विशेष सूची में हुए शामिल

दिनुशा ने पहले टेस्ट में 100 और 84 रन के स्कोर किए थे। इसके बाद गॉल टेस्ट की अपनी पहली पारी में 103 रन बनाए थे। वह अब तीसरे ऐसे श्रीलंकाई बल्लेबाज बने, जिन्होंने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की अपनी चारों पारियों में 50+ रन बनाए।

पडिक्कल ने लगाया शतक

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पडिक्कल ने सीरीज के कोलंबो टेस्ट की अपनी पहली पारी में 117 रन बनाए। यह उनका लगातार दूसरा टेस्ट शतक साबित हुआ। इससे पहले उन्होंने सीरीज के पहले गॉल टेस्ट में 167 रन की पारी खेली थी। पडिक्कल ने सीरीज में 300 से अधिक रन बनाए। इस सीरीज के पहले टेस्ट में उन्होंने 167 और 44 रन के स्कोर किए थे और भारतीय टीम को जीत मिली थी।

पडिक्कल ने बनाए ये रिकॉर्ड्स

भारत के नंबर-3 बल्लेबाजों द्वारा विदेशों में लगातार 2 टेस्ट में शतक लगाने का पिछला कारनामा चेतेश्वर पुजारा ने किया था। पुजारा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2018-19 में मेलबर्न में 106 और 0 रन, और उसके बाद सिडनी में 193 रन की पारी खेली थी। पडिक्कल अब श्रीलंका में खेली गई एक टेस्ट सीरीज में 2 शतक लगाने वाले 7वें भारतीय बल्लेबाज बने। उनसे पहले विनोद कांबली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, शिखर धवन और पुजारा ऐसा कर चुके हैं।

जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक

जुरेल ने लगाया अपना दूसरा टेस्ट शतक भारत ने जब 296 रन के स्कोर पर अपना 5वां विकेट खोया, तब जुरेल क्रीज पर आए। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में उन्होंने टिककर बल्लेबाजी की और पंत के साथ 112 रन की साझेदारी की। उम्दा लय में बल्लेबाजी करते हुए जुरेल ने दूसरे दिन अपना शतक पूरा किया। वह 115 रन बनाकर नाबाद रहे और भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। यह जुरेल के टेस्ट करियर का दूसरा ही शतक साबित हुआ।

अमेरिकी ओपन

मुचोवा-मेंसिक ने जीत मिश्रित युगल खिताब

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेंसिक ने बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली को 6-3, 1-6, 10-6 से हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया।

चेक गणराज्य की जोड़ी ने दो दिन की इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन दोनों मुकाबले मैच टाईब्रेक में जीते। मेंसिक की तेज सर्विस और नेट पर शानदार खेल ने इस जोड़ी की जीत में अहम भूमिका निभाई। मेंसिक ने ऐस के साथ फाइनल का अंत किया। इस जोड़ी को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। सेमीफाइनल में भी मुचोवा और मेंसिक हार के करीब पहुंच गए थे लेकिन दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद उन्होंने लगातार चार अंक जीतकर मीरा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव को 5-4, 3-5, 11-9 से शिकस्त दी। बेनसिच और कोबोली ने पहले सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स की पति-पत्नी की जोड़ी को 4-5, 4-1, 10-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस प्रारूप से खेला गया फाइनल टूर्नामेंट

फाइनल टूर्नामेंट का एकमात्र मुकाबला था जो सामान्य टेनिस मैच जैसा खेला गया। इसमें सेट छह गेम के थे और छह-छह की बराबरी पर टाईब्रेक हुआ। शुरुआती तीन दौर में सेट चार गेम के थे और चार-चार की बराबरी पर टाईब्रेक खेला गया था

एशियाई कप 2027 क्वालीफायर

भारत, मलेशिया, फलस्तीन सिंगापुर और गुआम के साथ ग्रुप-ई में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम को बृहस्पतिवार को कुआलालंपुर स्थित एएफसी मुख्यालय में हुए आधिकारिक ड्रॉ के बाद एएफसी अंडर-17 पुरुष एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के ग्रुप ई में मलेशिया, फलस्तीन, सिंगापुर और गुआम के साथ रखा गया। मुख्य टूर्नामेंट अगले साल उज्बेकिस्तान में आयोजित होगा जबकि ग्रुप ई के क्वालीफायर 11 से 20 नवंबर तक मलेशिया में एकल राउंड रोबिन प्रारूप में खेले जाएंगे।

भारत के अभियान की शुरुआत 11 नवंबर से

भारत अपने अभियान की शुरुआत 11 नवंबर को सिंगापुर के खिलाफ करेगा। इसके बाद 14 नवंबर को गुआम, 17 नवंबर को फलस्तीन और 20 नवंबर को मेजबान मलेशिया से मुकाबला होगा। क्वालीफायर के ड्रॉ में 35 टीम को पांच-पांच टीम के सात ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीम एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2027 के लिए क्वालीफाई करेगी जिसका आयोजन 12 से 29 मई 2027 तक उज्बेकिस्तान में होगा।

लगातार दूसरी बार भारत कर रहा क्वालीफाई

भारत ने 2026 में सऊदी अरब में हुए टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई किया था जहां वह ग्रुप चरण में बाहर हो गया था। अब भारत लगातार दूसरी बार एएफसी अंडर-17 एशियाई कप में जगह बनाने और इतिहास में 11वीं बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा। सातों ग्रुप की विजेता टीमें एएफसी अंडर-17 एशियाई कप उज्बेकिस्तान 2027 में जगह बनाएंगी जहां वे 2026 फीफा अंडर-17 विश्व कप कतर के लिए स्वतः क्वालीफाई करने वाली एएफसी की नौ टीम से जुड़ेंगी।

भारतीय फुटबॉल टीम उरुग्वे और पनामा से खेलेगी अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारतीय सीनियर पुरुष टीम आगामी फीफा विंडो में 26 सितंबर को पनामा से और छह अक्टूबर को दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे से अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। इस तरह फीफा विंडो में भारत घरेलू मैदान पर किसी मजबूत टीम के खिलाफ तीसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला खेलेगा। उरुग्वे के खिलाफ यह मुकाबला कोलकाता में पांच बार की विश्व कप चैंपियन ब्राजील के खिलाफ भारत के अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के तीन दिन बाद खेला जाएगा।

बेंगलुरु और कोलकाता में होगा भारत का मुकाबला : ब्राजील के खिलाफ मैच भी कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (सॉल्ट लेक स्टेडियम) में होगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी।

एमबाप्पे की हैट्रिक से रीयाल मैड्रिड जीता

मैड्रिड। कीलियन एमबाप्पे की हैट्रिक की बदौलत रीयाल मैड्रिड ने बुधवार को यहां स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में रीयाल सोसीदाद को 4-1 से हराया जबकि पदार्पण कर रहे सावियो के गोल की मदद से टोटेनहैम ने इंग्लिश लीग कप में चार्ल्टन को 5-1 से शिकस्त दी। चैंपियन्स लीग के क्वालीफाइंग में नॉर्वे के वाइकिंग, तुर्किये के फेनेरबाश, यूनान के एईके एथेन्स और स्लोवाकिया के स्लोवान ब्रातिस्लावा ने प्रतियोगिता के लीग चरण में जगह पक्की की।

टी-20 में सर्वाधिक रन वाले बल्लेबाज बने पोलार्ड

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज कीरोन पोलार्ड एक बार फिर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर को पीछे छोड़ा है। पोलार्ड ने कैरेबियाई प्रीमियर लीग (CPL) 2026 के 17वें मैच में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से सेंट लुसिया के खिलाफ अर्धशतक (65) लगाया और इस दौरान ये मुकाम हासिल किया। इस साल की शुरुआत में, पोलार्ड ने टी-20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने

का क्रिस गेल का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा था।

हालांकि, अगस्त 2026 में 'द हंड्रेड' में बटलर ने शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब पोलार्ड ने तारोबा के ब्रायन लारा स्टेडियम में सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ सिर्फ 26 गेंदों पर धुआंधार 65 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। उनके अर्धशतक के बावजूद त्रिनबागो को मैच में हार मिली।

ऐसा है पोलार्ड का टी-20 करियर

पोलार्ड ने अपना पहला टी-20 मुकाबला साल 2006 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 749 मैच खेले हैं और इसकी 666 पारियों में 31.81 की औसत से 14,921 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 151.23 की रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना

क्र.30/ न.पा.नि./जोन क्र. 3/2026-27 दिनांक 25.08.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दिनांक 10.09.2026 को सायंकाल 5.30 बजे तक ऑनलाईन (Online)निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा क्रमांक/ सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड/ सबमिट करने की अंतिम तिथि
198318	जोन क्रमांक 03,04,05 एवं 06 के विभिन्न स्थानों पर रोड डामरीकरण एवं नवीनीकरण कार्य।	224.11	10.09.2026

उपरोक्त प्रदाय कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धनोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्र. - 3
न.पा. नि. बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
संख्या–P-HQ/GAZ/MED/233227/859. दिनांक : 21.08.2026
वॉक–इन–इंटरव्यू हेतु अधिसूचना

केंद्रीय अस्पताल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे / बिलासपुर में एक वर्ष की अवधि के लिए, पूर्णतः संविदा के आधार पर 03 संविदा चिकित्सकों (विशेषज्ञ / माइक्रोबायोलॉजी, विशेषज्ञ / रेडियोलॉजी, जीडीएमओ) की नियुक्ति हेतु अधिसूचना जारी की गई है। विस्तृत विवरण जैसे कि योग्यता, आयु, अनुभव, साक्षात्कार तिथि आदि के लिए कृपया दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की वेबसाइट https://secr.indianrailways.gov.in/ पर नीचे दिए गए पथ (Path) का अवलोकन करें–
Recruitment/News/Press release → Recruitment → Headquarters →Gazetted Section.

उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (राज.), कृते प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी
सीपीआर/10/368 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा, जिला कोरबा (छ.ग.)
e-mail:nagarpalikabankimongra@rediffmail.com Pin No- 495445
क्रमांक / 1647/ निर्माण / न.पा.प./2026-27 बांकीमोंगरा, दिनांक : 27 .08 .2026

:: तृतीय ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::

एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से ऑनलाईन के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर नंबर	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अंतिम तिथि	भौतिक दस्तावेज प्रस्तुति अंतिम तिथि
1	196060	वार्ड क्र. 28 में राम कुमार गुप्ता घर से बुढ़िया दाई मंदिर से मेन रोड तक बी.टी. टॉप रोड निर्माण कार्य।	17.74	04.09.2026 (समय संध्या 5.30 बजे तक)	10.09.2026 (समय संध्या 4.00 बजे तक)
2	196059	वार्ड क्र. 09 में सक्ति चौक से राजू शर्मा घर होते हुए प्रेमानंद शिरौली घर तक बी.टी. टॉप रोड निर्माण कार्य।	19.01		

उपेराक्त कार्य निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in/UADTenderUploader/ से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा
जिला - कोरबा (छ.ग.)

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
नवरत्न कम्पनी
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाईट : www.ircon.org, CIN - L45203DL1976GOI008171

अभिरुचि की अभिव्यक्ति
सं. : IRCON/BD/KHARSIA-NAYA RAIPUR-PARMALKASA/2026

अनुभवी एजेंसियों से "छत्तीसगढ़ राज्य में साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे के अंतर्गत खरसिया–नया रायपुर–परमालकसा पाँचवी एवं छठी लाईन परियोजना के संबंध में अर्थ वर्क, पुलों, रेल ओवर रेल (आरओआर) ब्रिज, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), स्टेशन बिल्डिंग्स, ट्रैक कार्य, विद्युतीकरण, सिगनलिंग एवं दूरसंचार कार्य और संबद्ध विविध कार्यों सहित बलौदाबाजार (किमी 110.500) से परमालकसा (किमी 280.840) तक नयी बीजी डबल लाईन का निर्माण और लखौली स्टेशन एवं मरौदा वाई केबिन तक वाई–कनेक्टिविटीज" के लिए ज्वाइंट वेंचर पार्टनर के रूप में जुड़ने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की जाती हैं।

अधिक जानकारी एवं अपडेट के लिए, कृपया ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.etenders.gov.in/eprocure/app देखें। संशोधन / शुद्धि पत्र, यदि कोई होगा तो, केवल वेबसाइट पर होस्ट किया जाएगा। मुख्य महाप्रबंधक / व्यवसाय विकास

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-नीलामी सूचना

कार्य का विवरणः– खरसिया रेलवे स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र (सीमा दीवार के निकट) में एक होर्डिंग के माध्यम से गैर-डिजिटल विज्ञापन (ओओएच) हेतु लाइसेंस, बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर "स्मारिका, खिलौना एवं उपहार दुकान" की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव हेतु लाइसेंसः तथा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर इस्त्री सेवा के संचालन हेतु लाइसेंस के आवंटन के लिए ई-नीलामी।

खरसिया रेलवे स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र (सीमा दीवार के निकट) में 200 वर्ग फुट प्रदर्शन क्षेत्र में एक होर्डिंग के माध्यम से गैर–डिजिटल विज्ञापन (ओओएच), 3 वर्ष की अवधि के लिए, लाइसेंसधारी के व्यय पर, बिलासपुर रेलवे स्टेशन के चिन्हित स्थान पर लगभग 64 वर्ग फुट क्षेत्र में "स्मारिका, खिलौना एवं उपहार दुकान" की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव हेतु लाइसेंस, 3 वर्ष की अवधि के लिए, लाइसेंसधारी के व्यय पर, तथा बिलारापुर रेलवे स्टेशन पर 8 वर्ग फुट के निर्धारित स्थान पर यात्रियों एवं आम जनता (प्लेटफॉर्म टिकट सहित) के लिए इस्त्री सेवा के संचालन हेतु लाइसेंस, 3 वर्ष की अवधि के लिए, लाइसेंसधारी के व्यय पर के कार्य के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार हैः

कैटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	अनुबंध अवधि
OOH-MSS-26	विज्ञापन – आउट ऑफ होम	08.09.2026 14:00:00	ADVT-BSP-KHS-OH-206-26-2	1096 दिन

लॉट विवरणः खरसिया रेलवे स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र (सीमा दीवार के निकट) में 200 वर्ग फुट प्रदर्शन क्षेत्र में एक होर्डिंग के माध्यम से गैर–डिजिटल विज्ञापन (ओओएच) हेतु लाइसेंस, बिलासपुर रेलवे स्टेशन के चिन्हित स्थान पर लगभग 64 वर्ग फुट क्षेत्र में "स्मारिका, खिलौना एवं उपहार दुकान" की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव हेतु लाइसेंस, तथा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर 8 वर्ग फुट के निर्धारित स्थान पर यात्रियों एवं आम जनता (प्लेटफॉर्म टिकट सहित) के लिए इस्त्री सेवा के संचालन हेतु लाइसेंस।

सीपीआर/10/पीएच/358 कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/26/34, तिथिः 18.08.2026

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	03262890	हेलिकल स्प्रिंग	04.09.2026 At 10:30 hrs	364 नग
2	04251267D	सोलिड कोर पोर्सेलेयन 9 टन इंसुलेटर	03.09.2026 At 10:30 hrs	1761 नग
3	08261302A	फायर ईक्जिटिंगुइशर विथ एंटी-थेफ्ट अरेंजमेंट	10.09.2026 At 10:30 hrs	1575 नग
4	03263392	ब्रेक पाईप सपोर्ट एंगल एज पर ड्रॉईंग नं. एस.ई.सी. रेल्वे/ एसके नं. डब्ल्यूआरएस/आर-1667, एल्ट-4.	08.09.2026 At 10:30 hrs	57153 नग
5	03261344A	बोल्सटर स्प्रिंग आउटर फॉर बॉक्सएन-एचएस वैगन टू आरडीएसओ डीआरजी. नं. डब्ल्यूडी 92058-एस-5, एल्ट-14.	07.09.2026 At 10:30 hrs	5228 नग
6	06260091B	ईलास्टिक रेल, क्लिप (ईआरसी) एमके-व्ही विथ फ्लैट टॉप फॉर 60केजी यूआईसी/ 52केजी रेल सेक्शन डीआरजीः (आरडीएसओ) आरडीएसओ _टी_5919_एल्ट_2 स्पेसिः (आरडीएसओ) आईआरएस/ टी-31-2025 सिक्स्थ रिविजन.	04.09.2026 At 10:30 hrs	6290110 नग
7	03261477A	लॉकिंग प्लेट फॉर एएआर स्टैंडर्ड कार्टरेज बियरिंग टू आर. डी. एस.ओस ड्रॉईंग नं. डब्ल्यूडी - 87019-एस- 1. एल्ट-3.	16.09.2026 At 10:30 hrs	336782 नग
8	03261557	कंपलीट सेट फॉर ईम्पटी लोड बॉक्स अरेंजमेंट ऑफ बॉक्सएन वैगन	07.09.2026 At 10:30 hrs	4376 सेट
9	05265088	अंडरग्राउंड जेली फिल्ड क्वाड केवल फॉर सिगनलिंग एण्ड टेलेकॉम इंस्टॉलेसन साईजः 6 क्वाड x 0.9 एमएम डाया, आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आईआरएस टीसी-30/2005 (वर्सन. 1) एमेंडमेंट नं. 1 टू-5 ऑर लेटेस्ट एमेंडमेंट.	24.09.2026 At 10:30 hrs	3438 किलो मीटर
10	05265054	अंडरग्राउंड रेल्वे सिगनलिंग केबल अनस्किण्ड, पीव्हीसी इंसुलेटेड, पीव्हीसी इनर शिथंड, अरमाउर्ड एण्ड पीव्हीसी आउटर जैकेट विथ हाई कंडक्टिविटी एनील्ड कॉपर कंडक्टर, साईज-12 कोर x 1.5 एसक्यूएमएम कनफर्मिंग टू आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आईआरएस/ एस-63/ 2014, (रिवि.4.0) विथ लेटेस्ट एमेंडमेंट.	18.09.2026 At 10:30 hrs	7043 किलो मीटर

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सीपीआर/10/360 सहायक सामग्री प्रबंधक-III
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

हार्ट अटैक का खतरा पहले ही भांप लेगी यह नई मशीन

चेन्नई। देश में अचानक बढ़ रहे कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामलों ने हर किसी को हैरान और चिंता में डाल दिया है। सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह है कि अब 30 से 40 साल के युवा भी तेजी से दिल की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। कई ऐसी वीडियो और खबरें सामने आई हैं, जिसमें जिम में वर्कआउट करते करते या फिर कुछ काम करते-करते पल भर में ही इंसान की सांसें रुक जा रही हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने और साइलेंट किलर बन चुकी दिल की बीमारियों को शुरुआती चरण में ही पकड़ने के लिए आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है।

क्या है समस्या

शरीर का रक्त संचार तंत्र एक पाइपलाइन की तरह है, जिसमें दिल एक पंप की तरह काम करता है। एक स्वस्थ इंसान की धमनियां लचीली और स्प्रिंग जैसी होती हैं, जो हर धड़कन के प्रेशर को सोख लेती हैं। लेकिन, 20 और 30 साल की उम्र से ही इन धमनियों का लचीलापन धीरे धीरे कम होने लगता है। हाई कोलेस्ट्रॉल या हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण दिखने से बहुत पहले ही नसें सख्त होने लगती हैं। वर्तमान समय में भारत में दिल की बीमारियों से मरने वाले लगभग एक तिहाई लोग 40 से 50 वर्ष की उम्र के हैं। अभी भारत के मेडिकल सेक्टर में जो मशीनें मौजूद हैं, उनमें इस बीमारी का पता तब चलता है जब बहुत देर हो चुकी होती है।

आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने हासिल की बड़ी सफलता

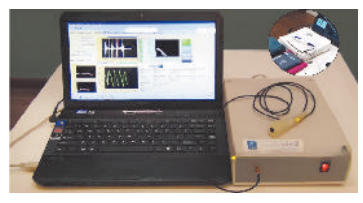

मिनटों में बताएगा नसों का हाल

धमनियों के लचीलेपन की जांच के लिए पहले महंगे अस्पताल, बड़े अल्ट्रासाउंड स्कैनर और एक्सपर्ट्स की जरूरत होती थी। इस समस्या को हल करने के लिए डॉ. जयराज जोसेफ और डॉ राज किरण की टीम ने आर्टिसन यानी आर्टेरियल स्टिफनेस इवैल्यूएशन फॉर नॉन इनवेसिव स्क्रीनिंग नाम का एक पोर्टेबल डिवाइस बनाया है।

भारत को अपने वैस्कुलर डेटा की जरूरत क्यों?

अब तक भारत में धमनियों की कठोरता को मापने के लिए यूरोपीय और अमेरिकी पैमानों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन भारतीय शरीर, खानपान और जीवनशैली पश्चिमी देशों से पूरी तरह अलग है। इस लिए इसमें कभी कभी कुछ अंतर देखने को मिल जाता है।

इस डिवाइस की खास बातें

इसमें कोई सुई या ब्लड टेस्ट की जरूरत नहीं होती है, यानी बिना दर्द के ही जांच हो जाएगी।

गले की कैरोटिड धमनी पर एक छोटा प्रोब रखा जाता है और हाथ-पैर पर प्रेशर कफ बांधे जाते हैं, इससे कुछ ही मिशन में रिजल्ट पता चल जाता है।

यह मशीन मापती है कि दिल की धड़कन से पैदा होने वाली तरंगें धमनियों में कितनी तेजी से दौड़ रही हैं। पाइप जितना सख्त होगा, तरंग उतनी ही तेज भागेगी।

यह तकनीक 100 से ज्यादा वैज्ञानिक रिसर्च और कई पेटेंट से क्लिनिकली प्रमाणित की जा चुकी है।

कब तक आम लोगों तक पहुंचेगी यह तकनीक?

अब तक 10 राज्यों में एआईआईएमएस दिल्ली, एआईआईएमएस पटना, जिपमेर पुडुचेरी, सीएमसी वेल्लोर और मनीपाल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से 6,400 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इस प्रोजेक्ट को आईसीएमआर यानी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च का भी समर्थन प्राप्त है। वैज्ञानिकों का टारगेट अगले 2 से 3 सालों में आर्टिसन डिवाइस को मार्केट में कम कीमत पर उपलब्ध कराना है, जिससे इसे गांव-गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाया जा सके. आने वाले समय में आपके हेल्थ चेकअप में केवल आपकी उम्र ही नहीं, बल्कि आपकी धमनियों की अंदरूनी उम्र भी साफ-साफ पता चल सकेगी।

भीख मांगकर गुजर-बसर करती थी महिला, मौत के बाद घर में मिला 'खजाना'

बेंगलुरु। किसी ने शायद ही सोचा होगा कि सड़क किनारे ट्रैफिक चौराहों पर भीख मांगकर गुजारा करने वाली एक बुजुर्ग महिला के घर में इतना बड़ा सिक्कों का ढेर मिलेगा। कर्नाटक के मंड्या से सामने आई यह कहानी हर किसी को हैरान कर रही है। 69 वर्षीय नूर की मौत के बाद जब उनके घर में रखे बोरों को खोला गया तो उनमें आठ लाख से अधिक सिक्के भरे मिले। नूर मंड्या के ईस्ट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गुट्टालू रोड के पास सबदरियाबाद मोहल्ले में रहती थीं। वह शहर की सड़कों और ट्रैफिक चौराहों पर लोगों से भीख मांगती थीं। बताया गया कि वह अपने घर में अकेली रहती थीं और लंबे समय से भीख में मिले सिक्कों को जमा करती आ रही थीं। खास बात यह थी कि नूर इन पैसों को खर्च करने के बजाय बचाकर रखती थीं।

युद्ध के मैदान में सबसे खौफनाक हथियार बन रहा है स्वार्म ड्रोन

नई दिल्ली। आज के दौर में जंग का तरीका तेजी से बदल रहा है। अब सीधे आसमान में लड़ाकू विमान भेजने के बजाय एक बड़े 'मदरशिप' से सैकड़ों छोटे-छोटे ड्रोन्स का झुंड यानी 'ड्रोन स्वार्म' दुश्मन पर हमला बोलने के लिए छोड़ दिया जाता है। सोचिए अगर दुश्मन बॉर्डर पर जीपीएस या सारा नेटवर्क जाम कर दे, तब भी ये ड्रोन बिना भटके अपना काम कैसे करेंगे? लद्दाख की कठिन पहाड़ियों से लेकर समंदर के किनारों तक भारत अब खुद को इस नए जमाने की टेक्नोलॉजी से लैस कर रहा है।

एक बटन दबाते ही उड़ेगा ड्रोन्स का तूफान

भारतीय सेना की ड्रोन क्षमता और एस 2 बिलियन का मेगा प्लान

पूर्वी लद्दाख में साल 2020 में चीन के साथ हुए तनाव के बाद भारत को समझ आ गया कि दुर्गम पहाड़ियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखना इंसानों के बस की बात नहीं है। इसीलिए अब भारत सरकार अपने घरेलू निर्माताओं जैसे अडानी ग्रुप, टाटा, एल&टी, आईडियाफोर्ज और एस्टीरिया एयरोस्पेस जैसी कंपनियों को एस2 बिलियन (लगभग 19,000 करोड़ रुपए) से अधिक का रिकॉर्ड ड्रोन ऑर्डर देने की तैयारी कर रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com